RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 02, अंक 03 मासिक पत्रिका
मार्च 2023

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

ऑनलाइन गेम ...बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं

अविनाश लवानिया : भोपाल डीएम

केएल दलवानी उपसचिव, विधानसभा, सूचना का अधिकार भोपाल

हमारा देश
हमाराअभिमान
मार्च 2023

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठकग्वालियर

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)
छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे
मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे • श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार • श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक
और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर
मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन
मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	02
शुभाशीष	03
कवर स्टोरी	04-05
देश-प्रदेश	06-07
स्मरण	07
महाराष्ट्र	08
विदेश	10
राजस्थान	11
प्रदेश	12
रिकॉर्ड	13
देश	14
प्रदेश	15
इन्दौर	18
विज्ञान	19
राजस्थान	20-21
राजस्थान	22-23
इन्दौर	24
भोपाल	25
प्रदेश	32-33
देश	38-39
धर्म	40
त्यौहार	41
स्वास्थ्य	42-43
मौसम	44
जीवनशैली	45
ग्लैमर	46-47

48

सुहाना के अंदाज दीवाने हुए फैंस, कहा- किंग की लाडली देती है दीपिका पादुकोण को टक्कर

संपादकीय

संघर्ष यानी ईश्वर ने आपको बेहतर बनाने के लिए चुन लिया है

पिछले 2 वर्षों में पूरी दुनिया जिस तरह से बदली है उस तरह से दो सहस्राब्दियों में भी नहीं बदली। जब जीवन मे संघर्ष आता है तो कुछ लेकर जाता है तो बहुत कुछ देकर भी जाता है। लेकिन महामारी आती है तो रद्दोबदल कर जाती है। ऐसा ही कुछ पूरी दुनिया ने कोरोना की विभीषिका के बाद महसूस किया है। यदि इस दुरुह समय से हम कुछ सकारात्मक निकाल सकते हैं तो वह है हर दिन को पूरे उत्साह के साथ उद्देश्य के साथ जीना। इस कठिन समय ने यही सिखाया है कि सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है जीवन का होना। यानी हमारा जीवित होना पहली आवश्यकता है। दूसरी आवश्यकता है स्वस्थ रहना। जीवन और स्वस्थ जीवन के बाद ज़रुरी है खुश रहना।

कहते हैं स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। सारी परेशानियां, सारे संघर्ष इसलिए हैं कि प्राप्य जीवन को और खूबसूरत कैसे बनाया जाए। लेकिन होता इसके विपरीत है। समस्या आने पर हम परेशान हो जाते हैं, प्रयास घटा देते हैं। दुख आने पर खुश होना सीखना होगा क्योंकि ईश्वर आपको चुन रहा है, आपकी परीक्षा ले रहा है। आपकी दृढ़ता और मेहनत ही कुंजी है इस परीक्षा में सफल होने की...हमारा हिंदुस्तान हमारा अभिमान अपने रास्ते में आने वाले संघर्षों को इसी तरह सकारात्मक लेते हुए आपकी सेवा में अनवरत रहे...।

इन्हीं शुभकामनाओं की आकांक्षा के साथ...

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

रचना प्रकृति का नियम है लेकिन यही प्रकृति विध्वंस भी लाती है

जिस तरह आपके शरीर का हर हिस्सा महत्वपूर्ण और ज़रुरी है उसी तरह जीवन का हर पहलू, हर यात्रा, हर पड़ाव महवपूर्ण और ज़रुरी है। रचना प्रकृति का नियम है लेकिन यही प्रकृति विध्वंस भी लाती है। जैसे दिन होता है रात होती है उसी तरह जीवन में भी कभी सुख है तो कभी दुख है। कभी सफलता है तो कभी असफलता भी। सभी पक्ष महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दुख नहीं होगा तो सुख का एहसास नहीं होगा। असफलता नहीं होगी तो सफलता का स्वाद पता नहीं होगा। कहा भी गया है कि सफलता का असली स्वाद वही व्यक्ति जानता है जो बार बार असफल होता रहा है। यहां इस बात का संबंध हम सभी की ज़िंदगी से है। हमें हर स्थिति में सकारात्मक रुख रखना चाहिए।

हमारा देश हमारा अभियान भी इसी दर्शन पर काम रहा है यह जानकर खुशी होती है ,साथ ही यह भी जानता हूं कि मनोज चतुर्वेदी कभी हार मानने बालो से नही है बो सच्चाई से पत्रिकारिता के लिए जाने है साथ ही सच्चाई से अबगत कराने के लिए जूनूनी है यही विशेषता इन्हें सब से अलग करती है। मेरी अनंत शुभकामनाएं महादेव भक्त मनोज चतुर्वेदी सम्पादक (हमार देश हमारा अभिमान पत्रिका) और उनकी पूरी टीम के लिए। वे सभी सफल हों साथ ही इस हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका की पहचान एवं परचम देश मे ही नही पूरे विस्व मै फैलाये और यदि असफल भी हों तो हार कर बैठने की बजाय दूने उत्साह से फिर उठ खड़े हों एक बड़ी सफलता को प्राप्त करने के लिए।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

ऑनलाइन गेम ...बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं

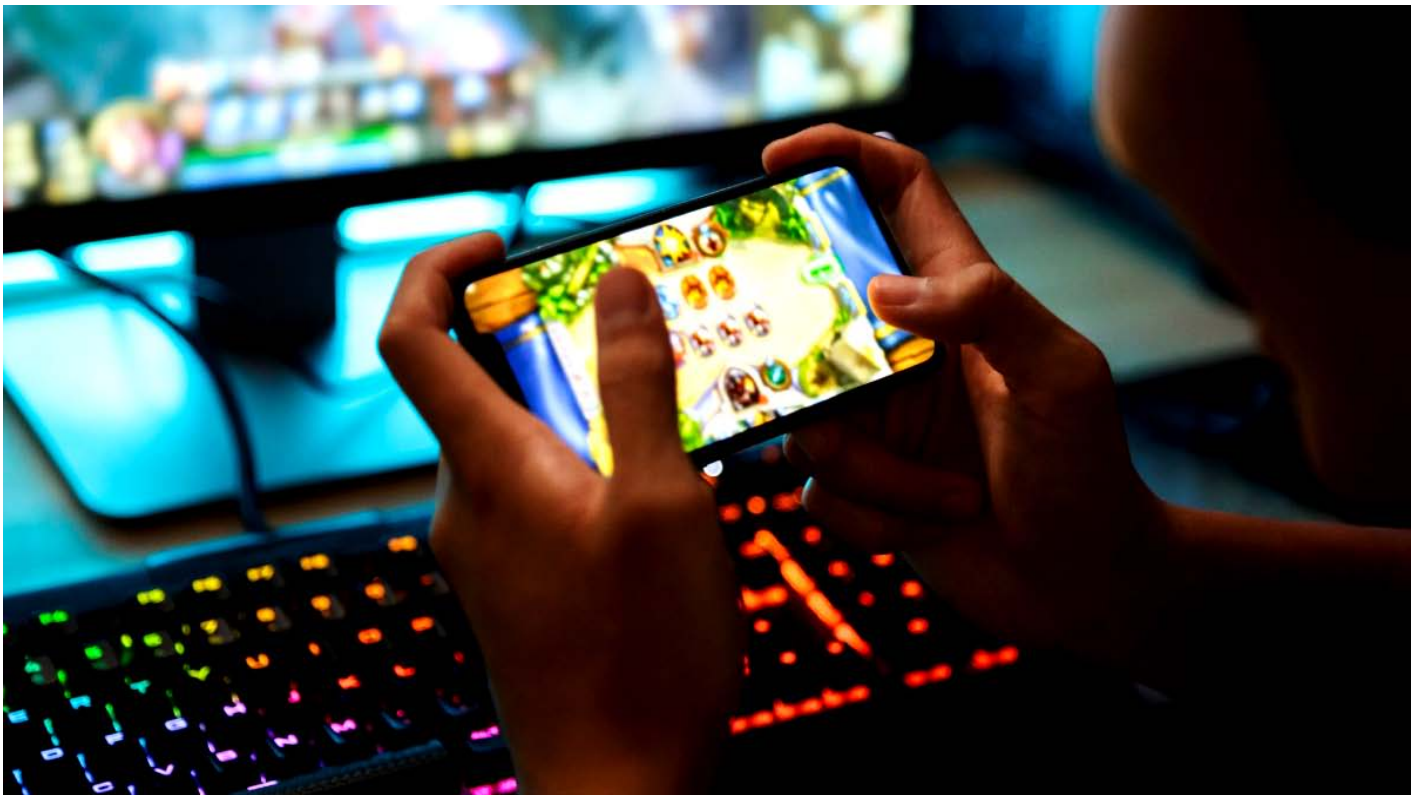

ऑनलाइन गेमिंग के इस नेटवर्क का अंदाजा इसी से आसानी से लगाया जा सकता है कि एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में 900 गेमिंग कंपनियां कार्य कर रही हैं। नित नए गेम बनाकर उतार रही हैं। अकेले 2022 में ही 15 अरब नए गेम डाउनलोड किए गए।

देश दुनिया में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी गति से फलता फूलता जा रहा है। कोविड के बाद के हालातों खासतौर से ऑनलाइन स्टडी और वर्क फ्राम होम का एक दुष्प्रभाव यह सामने आया है कि युवा तो युवा बच्चे भी इसके जाल में फंसते जा रहे हैं। इसके दुष्प्रभाव भी तेजी से सामने आने लगे हैं वहीं यह माना जा रहा है कि आने वाले सालों में इसके कारोबार में और तेजी से बढ़ोतरी होगी। ऑनलाईन गेमिंग में लोग ठगी के शिकार भी बहुत ज्यादा हो रहे हैं। ऐसे में यह गंभीर चिंता का विषय हो जाता है। लाख प्रयासों के बावजूद देश में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार थमना तो दूर की बात है बल्कि तीव्र गति से बढ़ता ही जा रहा है। पिछले एक साल में ही ऑनलाइन गेमिंग के मैदान में पांच करोड़ नए लोगों ने एंट्री ले ली है। 2021 में देश में ऑनलाइन गेम खेलने वालों की संख्या करीब 45 करोड़ थी जो 2022 में बढ़कर 50 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। यह अपने आप में चिंतनीय इसलिए भी हो जाता है क्योंकि युवा और क्या बच्चे इस ऑनलाइन गेम और गैम्बलिंग के जाल में फंसते जा रहे हैं।

अब सरकारों के सामने ऑनलाइन गेमिंग एक चुनौती के रूप में उभर रहा है। सबसे पहले तो सरकार को इन पर शिकंजा कसने के लिए कोई ना कोई नियामक बनाना होगा। खासतौर से इस तरह के नियामक कानून बनाने होंगे जिससे बच्चे इस चंगुल में नहीं फंस सकें और इसे नियंत्रित किया जा सके। इन कंपनियों की गतिविधियों पर नजर रखने और उसके लिए नियामक संस्था बनाने के कदम उठाये जाने चाहिए। सरकार को इसके लिए समय रहते कदम उठाने होंगे। सरकारी राजस्व का मोह त्याग कर व्यापक हित में ठोस कदम उठाना होगा ताकि आधुनिक जुआ यानी कि कौशल विकास के नाम पर चल रहे गेमिंग के इस गैम्बलिंग के खेल से नई पीढ़ी को बचाया जा सके।

जानकारों की मानें तो कयास यह लगाया जा रहा है कि 2025 तक यह संख्या 50 करोड़ से 70 करोड़ तक पहुंच जाएगी। तस्वीर का नकारात्मक पहलू यह भी है कि ऑनलाइन गेमिंग के इस खेल में बच्चे तेजी से फंसते जा रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग व गैम्बलिंग के दुष्प्रभाव को जानते पहचानते भी प्रतिदिन नए लोग फंसते जा रहे हैं वहीं समाचारपत्रों के मुखपृष्ठ पर फुलपेज के विज्ञापन प्रमुखता से छपने लगे हैं तो सोशल मीडिया का भी इसको प्रमोट करने के लिए धड्डले से उपयोग हो रहा है। 2016 में देश में ऑनलाइन गेमिंग का 54 करोड़ डॉलर का कारोबार था जो अब बढ़कर 2022 में 2 अरब 60 करोड़ डालर को पार कर गया हैं वहीं जानकारों की मानें तो इसके 2027 तक चार गुणा ग्रोथ के साथ 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल कोरोना के लॉकडाउन के दौर के बाद इसमें तेजी से विस्तार हुआ है। बच्चे जहां ऑनलाइन क्लासों के कारण इसकी चपेट में आ गए वहीं युवा लोग वर्क फ्रार्म होम के दौरान लुभावने विज्ञापनों के चक्कर में इसकी चपेट में आ गए हैं।

देखा जाए तो उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग इसके दायरे में अधिक हैं। दरअसल ऑनलाइन गेम एप संचलित करने वालों का दावा है कि वे तो कौशल विकास के लिए इस तरह के गेम चलाते हैं पर वास्तविकता तो यह है कि अधिकांश गेमिंग पोर्टल गैम्बलिंग यानी की जुआ ही हैं। और यह होती आई बात है कि एक बार जो जुआ या यों कहें कि गैम्बलिंग के चक्रव्यूह में फंस जाता है तो उससे निकलना बहुत मुश्किल भरा काम है। अधिकांश खेलों में जीतने वाले को जो पैसा दिया जाने का दावा किया जाता है वह नहीं मिलता और या तो कोई तकनीकी बाधा हो जाती है या फिर नंबर ब्लाक कर इस तरह के पोर्टल संचालित करने वाले पैसा हजम कर जाते हैं और इस तरह की गेमिंग में फंसने वाला अपने आप को ठगा हुआ महसूस करता है। यहां तक कि इसके चक्कर में युवा, बच्चे आदि अपनी बचत को तो खोते ही हैं साथ ही अनेक लोग कर्ज के जाल में और फंस जाते हैं। डिप्रेशन में आना और कुंठित व तनावग्रस्त होना तो सामान्य बात ही है। यही कारण है कि अधिकांश राज्य सरकारें ऑनलाइन गेमिंग पर रोक लगाने की पक्षधर हैं।

ऑनलाइन गेमिंग के इस नेटवर्क का अंदाजा इसी से आसानी से लगाया जा सकता है कि एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में 900 गेमिंग कंपनियां कार्य कर रही हैं। नित नए गेम बनाकर उतार रही हैं। अकेले 2022 में ही 15 अरब नए गेम डाउनलोड किए गए। इससे स्वाभाविक रूप से अंदाज लगाया जा सकता है कि ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार कितना बड़ा और दिन दूनी रात चौगुनी गति से विस्तारित हो रहा है। ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसे लोगों से इसका चस्का छूटना मुश्किल भरा काम है। इससे जुड़े लोग 24 घंटे में से 8 घंटे से भी अधिक का समय इस गेमिंग में खपा देते हैं। यह अपने आप में बड़ी बात है। आश्चर्य है कि इतना सबकुछ होने के बाद भी इस पर प्रभावी रोक के कोई सार्थक प्रयास नहीं हो रहे हैं। हालांकि तथाकथित कौशल वाले इन खेलों पर सरकार ने 18 प्रतिशत जीएसटी लगा रखी है। पर यह कोई समस्या का समाधान नहीं है। हालांकि सरकारों की इच्छाशक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है।

यही कोई तीन दशक पहले कई राज्य सरकारों द्वारा लॉटरी चलाई जा रही थी। जो आते आते एक नंबर पर आ गई और इसका नेटवर्क इस कदर फैला हुआ था कि सरकारी दफ्तरों के बाहर तक टेबल कुर्सी पर सुबह से टिकटों की बिक्री शुरू होती थी जो दिन में लॉटरी खुलने तक जारी रहती थी। लोगों की भीड़ जुटी रहती थी। पर जब अति होने लगी, समाज बुरी तरह से प्रभावित होने लगा तो सरकार ने एक ही झटके में समूचे देश से लॉटरी व्यवस्था समाप्त कर दी और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। इसी तरह से केन्द्र व राज्य सरकारों को ऑनलाइन गेमिंग व्यवस्था पर अंकुश लगाने के ठोस प्रयास करने होंगे। कम से कम इस तरह की कंपनियों द्वारा की जा रही चीटिंग व लोगों को सब्जबाग दिखा कर लुभाने के प्रयासों को प्रतिबंधित करना ही होगा।

रंगपंचमी

राजवाड़ा पर उमड़ा जनसैलाब, सपरिवार पहुंचे अनेक लोग

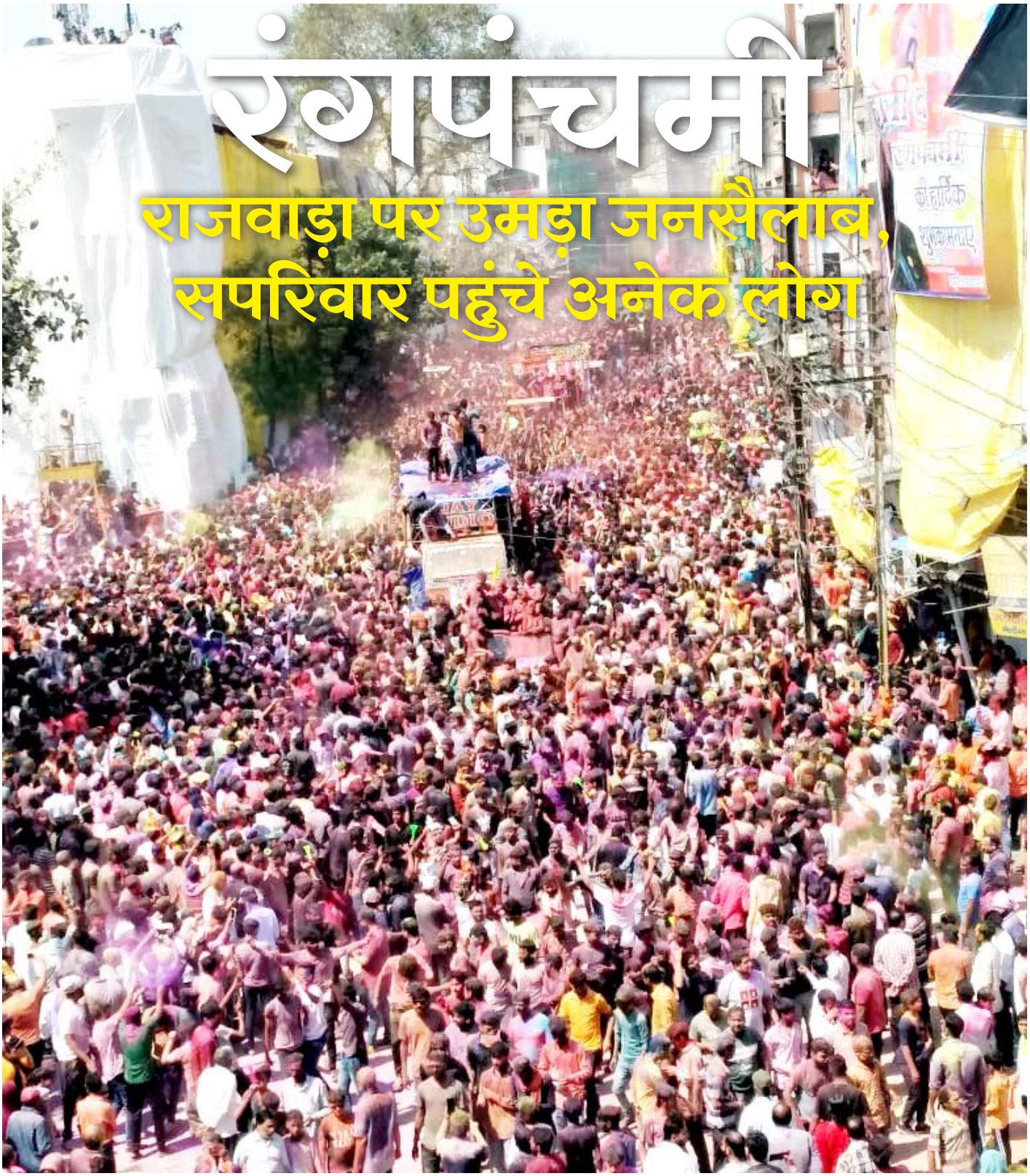

रंगपंचमी पर इंदौर में इस बार राजवाड़ा पर जनसैलाब उमड़ा। पिछले वर्ष की तुलना में बड़ी संख्या में कई लोग तो यहां सपरिवार रंगपंचमी का आनंद लेने पहुंचे। राजवाड़ा पर सुबह से रंग-गुलाल उड़ने लगा था। इंदौर की ऐतिहासिक गेर में शामिल होने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लोग परिवार के साथ और युवाओं की टोली राजवाड़ा पहुंच गई थी। जैसे-जैसे संस्थाओं की गेर राजवाड़ा पहुंच रही थी, लोगों में उत्साह देखते ही बन रहा था। इंदौर के राजकमल बैंड की धुन पर भी लोग जमकर झूमे। इस बार पिछली वर्ष के मुकाबले ज्यादा लोग गेर देखने पहुंचे । लाखों लोगों की भीड़ राजवाड़ा पर देखी गई। कई संस्थाओं की गेर निकलने के बाद भी लोगों के आने का सिलसिला जारी था।

राजवाड़ा पहुंची टोरी कार्नर की गेर

सुबह करीब सवा 11 बजे सबसे पहले टोरी कार्नर की गेर राजवाड़ा पहुंची। राजवाड़ा पर हर कोई रंग में रंगा नजर आया। रंगपंचमी का उल्लास चारों तरफ दिख रहा था। यह गेर टोरी कार्नर से मल्हारगंज, खजूरी बाजार, राजवाड़ा पहुंची। इसके बाद गेर गोपाल मंदिर, सराफा, नृसिंह बाजार होते हुए पुनः इतवारिया बाजार से मल्हारगंज पहुंची। आयोजक शेखर गिरि ने बताया कि इस बार गेर के साथ 20 महिला बाउंसर भी साथ थी। बाउंसर ने शहर के बाहर से आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों का सहयोग दिया। इसके साथ ही जबलपुर के जूनियर अमिताभ डांसरों के साथ नृत्य करते चल रहे थे। यह शहर की सबसे पुरानी गेर है। आज इंदौर में आयोजित ऐतिहासिक गेर का लाइव प्रसारण आप नीचे दी गई फेसबुक लिंक पर जाकर देख सकते हैं।

कारीगरों को देश की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाएगी सरकार...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान पर बजट के बाद आयोजित हुई वेबिनार में शिरकत की। प्रधानमंत्री मोदी इस वेबिनार से वर्चुअल तरीके से जुड़े। इस दौरान उन्होंने कहा कि बजट के प्रावधानों को जल्द से जल्द लागू करने और उस पर लोगों के विचार जानने के लिए हमारी सरकार ने बजट के बाद इस तरह की वेबिनार का आयोजन शुरू किया है। आज का ये वेबिनार भारत के करोड़ों लोगों के हुनर और कौशल को समर्पित है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बीते कुछ सालों में हमने स्किल इंडिया मिशन और कौशल विकास केंद्रों के जरिए करोड़ो युवाओं के स्किल्स में सुधार किया है और उन्हें रोजगार के अवसर मुहैया कराए हैं। आजादी के बाद हमारे कारीगरों को सरकार से जिस मदद की आवश्यकता थी, वो उन्हें नहीं मिल पाई। यही वजह रही कि आज कई लोग अपना पुश्तैनी और पारंपरिक व्यवसाय छोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम इस वर्ग को ऐसे ही अपने हाल पर नहीं छोड़ सकते।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान ऐसे ही कारीगरों और कलाकारों के लिए शुरू किया गया है। इस सम्मान का उद्देश्य उनके हुनर को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे समाज में कारीगरों की क्या अहमियत है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गांवों में भले ही डॉक्टर ना हो लेकिन पारिवारिक सुनार जरूर होते हैं। हमारे गांवों और शहरों में विभिन्न कारीगर हैं जो अपने हाथ के कौशल से औजार का उपयोग करते हुए जीवन बसर करते हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का फोकस ऐसे ही समुदाय की तरफ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज्य में गांव के सभी वर्गों के विकास का विजन था ना कि सिर्फ खेती और किसानों का। हर विश्वकर्मा साथी को आसानी से लोन मिले, उनका कौशल बढ़े। यह सुनिश्चित किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों की परंपरा को संरक्षित करना और उनका विकास करना है। हमारी सरकार उन्हें वैल्यू चेन सिस्टम का हिस्सा बनाने की दिशा में काम कर रही है और इसके लिए उन्हें औजार और तकनीक द्वारा मदद दी जाएगी। कारीगरों को देश की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ घरेलू बाजार नहीं बल्कि वैश्विक बाजार भी है। बता दें कि पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के तहत केंद्र सरकार देश के कारीगरों और शिल्पकारों को वित्तीय सहायता देने का काम करेगी। इस योजना का लाभ पारंपरिक कारीगरों जैसे लोहार, बढ़ई, सोनार, कुम्हार और मूर्तिकारों को मिलेगा। सरकार आसान दरों पर लोन की सुविधा देगी और साथ ही सरकार इन कारीगरों के स्किल सुधारने में भी मदद करेगी।

स्वाति मालीवाल ने पिता पर लगाया यौन शोषण का आरोप, कहा-

चोटी पकड़कर दीवार से टकरा देते थे, कई रातें बिस्तर के नीचे बिताईं

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बताया कि बचपन में मेरे पिता मेरा यौन शोषण करते थे। इसकी वजह से मैं अपने ही घर में डर कर रहती थी। वो बिना वजह मुझे पीटते थे, चोटी पकड़कर सर दीवार पर टकरा देते थे। डर की वजह से मैंने कई रातें तो बिस्तर के नीचे छिपकर बिताई हैं। स्वाति ने दिल्ली में DCWAwards कार्यक्रम में अपना दर्द बयां किया।

स्वाति मालीवाल का पूरा बयान : स्वाति ने कहा 'मुझे अभी तक याद है कि मेरे फादर मेरे साथ यौन शोषण करते थे। जब वो घर में आते थे तो मुझे बहुत डर लगता है। मैंने न जाने कितनी रातें बिस्तर के नीचे बिताई हैं। मैं डरकर, सहमकर कांपती रहती थी। उस वक्त मैं सोचती

थी कि ऐसा क्या करूं जिससे इस तरह के सभी आदमियों को सबक सिखा सकूं। मैं कभी नहीं भूल सकती कि मेरे फादर को इतना गुस्सा आता था कि वो कभी भी मेरी चोटी पकड़कर मुझे दीवार पर टकरा देते थे, खून बहता रहता था, बहुत तड़प महसूस होती थी। उस तड़प से मेरे मन में यही चलता रहता था कि कैसे इन लोगों को सबक सिखाऊं। मेरी जिंदगी में मेरी मां, मेरी मौसी, मौसाजी और मेरे नानी-नानाजी न होते तो मुझे नहीं लगता कि मैं बचपन के उस ट्रॉमा से बाहर निकल पाती। न ही आपके बीच में खड़े होकर इतने बड़े-बड़े काम कर पाती। मैंने यह महसूस किया है कि जब बहुत अत्याचार होता है तो बहुत बड़ा बदलाव भी आता है। उस अत्याचार से आपके भीतर एक आग जलती है, जिसे आपने सही जगह लगा दिया तो आप बहुत बड़े-बड़े काम कर सकते हैं। आज हम जितनी भी अवॉर्डी (जिन्हें कोई अवॉर्ड मिला है) को देखते हैं, उनकी एक कहानी है। उन लोगों ने अपनी जिंदगी से लड़ना सीखा और उस समस्या से ऊपर उठना सीखा।

शहर कैसे बनेगा ट्रैफिक में नंबर वन...?

हर दिन लग रहा दो लाख का फटका...

हर दिन 500 वाहन चालक तोड़ रहे यातायात के नियमों को...!

पुलिस की लगातार कार्रवाई का भी नहीं हो रहा असर

सफाई में लगातार छह बार नंबर वन रहने वाले शहर में सबसे बड़ी चुनौती व्यवस्थित ट्रैफिक करना है। इसके लिए पुलिस से लेकर सभी जिम्मेदार अधिकारियों और पुलिस ने सारे प्रयास कर लिए, लेकिन वह कुछ ही दिन सफल रहते हैं और बाद में फिर वही ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ होते दिखाई देती है।

देवास नाका से लसूड़िया तक रोज होते हैं हादसे

शहर में सड़क दुर्घटनाएं रोकने निगम इन दिनों तेजी से डिवाइडरों को ऊंचा करने का काम कर रहा है। 80 फीसदी क्षेत्र में डिवाइडर न सिर्फ ऊंचे हो गए हैं, बल्कि उन्हें रंगरोगन कर खूबसूरत भी बनाया जा रहा है। वहीं देवास नाका से लसूड़िया तक डिवाइडरों की सुध नहीं ली जा रही है। यहां 8 इंच ऊंचे डिवाइडरों के कारण रोजाना हादसे हो रहे हैं। डिवाइडरों में कट के कारण होने से वाहन चालक जान जोखिम में डालकर वाहन चला रहे हैं। वाहन चालकों ने डिवाइडरों के लंबे टर्न से बचने उनमें कट लगा दिए हैं। कट से कई बार वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। करीब एक साल पहले निगम ने देवासनाका से पंचवटी तक बेतरतीब सड़क को व्यवस्थित किया था। पूर्व में संकरी सड़क होने से जाम की स्थिति दिन में कई बार निर्मित होती थी। इससे निपटने सड़क तो ठीक कर दी, लेकिन डिवाइडरों पर ध्यान देना उचित नहीं समझा। इस मार्ग पर दिनभर लोकसेवा वाहन, यात्री बसें और भारवाहक वाहन सरपट गति से दौड़ते हैं। देवास नाका से मांगलिया तक स्ट्रीट लाइट भी बंद रहती है, जिससे रात को आवाजाही में काफी दिक्कतें आती है। प्रशासन की अनदेखी के चलते दुकानदारों ने सड़क पर कब्जा जमा लिया है। बड़े वाहन भी सड़क पर ही रातभर खड़े रहते हैं। अंधेरा होने के कारण बड़े वाहनों से राहगीर टकरा चुके हैं। डिवाइडरों में जगह-जगह पर लगे खतरनाक कट के कारण कई बार सड़क हादसे होते रहते हैं। यह कट किसने लगाए हैं इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

देखने में आता है कि लापरवाह वाहन चालक हैं कि नियमों का पालन करने को तैयार ही नहीं रहते, फिर भले ही वो हर दिन दो लाख रुपए से अधिक का जुमार्ना या चालानी कार्रवाई में यह राशि ही जमा क्यों न करें। बीते जनवरी माह में प्रतिदिन करीब 500 वाहन चालकों के चालानी कार्रवाई की गई। इससे साफ पता चलता है कि यातायात पुलिस की लगातार कार्रवाई का भी इन लापरवाह चालकों पर असर होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में अब सवाल उठने लगा है कि स्वच्छता में नंबर 1 रहने वाला शहर कैसे ट्रैफिक में नंबर वन बन सकता है...?

1 माह में वसूले 66 लाख रुपए से अधिक रुपए

शहर में एक माह के दौरान 15 हजार से ज्यादा वाहन चालकों ने यातायात नियमों का उल्लंघन किया। इन पर हुई चालानी कार्रवाई से ट्रैफिक पुलिस के खजाने में लगभग 66 लाख से अधिक की जुर्माना राशि जमा हुई। पकडे गए चालकों में सबसे ज्यादा करीब साढ़े सात हजार से अधिक दोपहिया वाहन चालकों को नियमों को तोड़ते पाया गया है।

सड़क सुरक्षा सप्ताह में किया था जागरूक

ट्रैफिक पुलिस की ओर से बीते जनवरी माह में सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत प्रमुख चौराहों पर वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया था। चौराहों पर उन वाहन चालकों को गुलाब के फूल देकर स्मानित किया गया था जो कार में सीट बेल्ट लगाए मिले और उन दोपहिया चालकों को भी शाबाशी दी गई जो खासतौर पर हेलमेट लगाए वाहन चलाते मिले।

15 हजार 430 वाहन चालकों ने तोड़े ट्राफिक के नियम

सड़क सुरक्षा सप्ताह की समझाईश खत्म होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने फिर से सख्ती और चालानी कार्रवाई शुरू कर दी थी। एडिशनल सीपी (ट्रैफिक) ने एक से 31 जनवरी तक हुई कार्रवाई की समीक्षा में पाया गया कि एक माह में कुल 15 हजार 430 वाहन चालकों ने शहर में ट्रैफिक नियमों को ठेंगा दिखाया है। चालानी कार्रवाई में ट्रैफिक पुलिस ने इनसे कुल समन शुल्क 66 लाख 25 हजार 500 रुपए का जुर्माना वसूल किया है।

एक माह में इतने वाहनों पर कार्रवाई की गई

440 बसों पर भी कार्रवाई ट्रैफिक पुलिस के सूत्रों के मुताबिक एक माह के दौरान प्रमुख मार्गों और चौराहों पर 7778 दोपहिया वाहन चालकों को पकड़ा गया। वहीं 440 बसों के चालकों पर भी चालानी कार्रवाई की गई। इसी तरह ऑटो रिक्शा 370, सिटी वैन 119, मैजिक वाहन 78, जीप-कार 6403 और मेटाडोर 30 पर कार्रवाई हुई। 34 ट्रकों और 117 लोडिंग रिक्शाओं ने भी नियम तोड़े। जबकि नियम का उल्लंघन करते सिर्फ एक स्कूल वाहन पकड़ाया। कुल 15332 सीएफ चालान बने, जबकि 104 कोर्ट चालान बनाए गए।

वन वे में घुसने वाले भी कम नहीं: जनवरी माह में तेज रफ्तार वाला सिर्फ एक ही वाहन पर कार्रवाइ हो पाई, जबकि प्रदूषण फैलाने वाले 3 और प्रेशर हॉर्न (ध्वनि प्रदूषण) वाले 11 वाहन पकडे गए। इसी तरह हूटर लगे 2 वाहन पकड़े। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 15 चालकों और बिना लाइसेंस 14 चालकों पर भी कार्रवाई हुई। मोबाइल पर बात करते 419, वनवे में घुसे 585 वाहन चालकों के अलावा अन्य 143 वाहनों को भी नियमों का उल्लंघन करते पकड़ा गया है।

सबके प्रयास विफल : कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, महापौर, सासंद, मंत्री विधायक सहित शहर के हर जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि यह मान चुके हैं कि ट्राफिक व्यवस्थित करना सबसे बड़ी चुनौती है। सभी ने अपने-अपने स्तर पर बेहतर यातायात के लिए प्रयास किए, लेकिन इसके परिणाम वैसे नहीं मिल सके, जैसे मिलना चाहिए।

कराएंगे पालन : एडिशनल सीपी (ट्रैफिक) महेशचंद जैन ने बताया कि यातायात के नियमों को तोडने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके चालान बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं, जो यातायात को व्यवस्थित बनाने में जुटे रहते हैं।

बिना हेलमेट के 4 हजार 797 दोपहिया चालक

बिना हेलमेट साढ़े 4 हजार धराए ट्रैफिक पुलिस ने एक माह की कार्रवाई में बिना हेलमेट के गाडी चलाते मिले 4 हजार 797 दोपहिया चालकों को पकड़ा, जबकि बिना सीट बेल्ट वाले 1 हजार 584 कार चालकों पर कार्रवाई की गई। इसी तरह वाहन के शीशों पर काली फिल्म वाले 420, रांग पार्क 992, गलत नंबर प्लेट वाले 803 वाहनों को पकड़ा गया। चौराहों पर संकेत उल्लंघन करते 5466 वाहन, दोपहिया पर तीन सवारी 181 वालों के चालान बनाए गए।

मोटा अनाज खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है : श्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि मोटा अनाज वैश्विक खाद्य सुरक्षा चुनौती के साथ-साथ खान-पान संबंधी आदतों से होने वाली बीमारियों से निपटने में मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से देश की खाद्य टोकरी में इन पोषक अनाजों की हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। मौजूदा समय में राष्ट्रीय खाद्य टोकरी में इन पोषक अनाजों की भागीदारी 5-6 फीसदी है। मोदी ने 'वैश्विक श्री अन्न सम्मेलन' के उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लिए यह बड़े सम्मान की बात है कि भारत के प्रस्ताव और प्रयासों के बाद संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' घोषित किया।

कई राज्यों ने अपने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में मोटा अनाज या श्री अन्न को शामिल किया है। उन्होंने अन्य राज्यों से भी ऐसा करने की सलाह दी। मोदी ने मध्याह्न भोजन में भी श्री अन्न को शामिल करने का आह्वान किया, जिससे बच्चों को पर्याप्त पोषण मिले। मोदी ने कहा कि भारत श्री अन्न को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मोटा अनाज प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों में और रसायनों एवं उर्वरकों का इस्तेमाल किए बिना आसानी से उगाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी कृषि प्रणाली दुनिया के साथ साझा करना चाहता है और अन्य देशों के अनुभवों से सीखना भी चाहता है। उन्होंने खेतों से बाजारों और एक देश से दूसरे देश के बीच मोटे अनाज की

स्थायी आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए मजबूती से पक्ष रखा। प्रधानमंत्री ने 2023 के 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट और 75 रुपये का सिक्का जारी किया। हैदराबाद स्थित आईसीएआर-भारतीय मोटा अनाज अनुसंधान संस्थान को उत्कृष्टता केंद्र घोषित किया गया। दुनिया के समक्ष खाद्य सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के संबंध में मोदी ने कहा, "दुनिया आज दो प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रही है। जहां एक तरफ एक 'वैश्विक दक्षिण' है जो गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंतित है तो वहीं दूसरी तरफ 'वैश्विक उत्तर' है जहां खान-पान से जुड़ी बीमारियां गंभीर समस्या बनती जा रही हैं।"

नवरात्रि में माता विंध्यवासिनी के चरण स्पर्श पर रोक : जल-थल नभ से होगी निगरानी

मिर्जापुर के विन्ध्याचल धाम में 22 से 30 मार्च तक चलने वाले चैत्र नवरात्रि मेला को सकुशल संपन्न कराने के लिए मेला क्षेत्र को 2 सुपर जोन, 10 जोन एवं 21 सेक्टर में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सुपर जोन, जोन व सेक्टर के प्रभारी पुलिस अधिकारी बनायें गए है। मेला ड्यूटी में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को डीएम दिव्या मित्तल एवं एसपी संतोष मिश्रा ने ब्रीफिंग के दौरान निर्देशित किया। दर्शनार्थियों को सुगमता तथा सुरक्षित ढ़ंग से दर्शन-पूजन कराना पहली प्राथमिकता में बताया। कहा कि माता के धाम में त्रिकोण पथ पर विराजमान मां विन्ध्यवासिनी, कालीखोह व अष्टभुजा धाम में दर्शन पूजन के लिए विभिन्न प्रदेशों एवं देश-विदेश से भी भारी संख्या में श्रद्धालुजन अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आते है। प्रदेश सरकार ने 2018 में नवरात्र मेले को राज्य स्तरीय मेला घोषित किया है। लोहिया तालाब स्थित डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल में मेला को निर्बाध एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए जनपद व वाह्य जनपदों से आने वाले पुलिसकर्मियों एवं अन्य विभागों से ड्यूटी में लगे

अधिकारी एवं कर्मियों को सेवा का पाठ पढ़ाया।

सम्पूर्ण मेला व्यवस्था के नोडल अधिकारी 'श्रीकान्त प्रजापति', अपर पुलिस अधीक्षक नगर मीरजापुर को बनाया गया है। पुलिस मेला अधिकारी 'परमानन्द कुशवाहा' क्षेत्राधिकारी मेला क्षेत्राधिकारी नगर तथा मेला प्रबंध के लिए गठित मेला प्रकोष्ठ का प्रभारी 'उप-निरीक्षक विवेकानन्द उपाध्याय' को बनाया गया। मेला के दौरान गर्भ गृह में प्रवेश पूर्णतया बंद रहेगा।

जीएसटी विभाग कर न देने वालों की पहचान करने को आयकर आंकड़ों की जांच करेगा

इस कवायद का मकसद कर आधार को बढ़ाना और यह पता लगाना है कि संस्थाएं अपनी जीएसटी देनदारी को पूरी तरह चुका रही हैं या नहीं। इस समय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत 1.38 करोड़ पंजीकृत व्यवसाय और पेशेवर हैं। जीएसटी को एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था।

जीएसटी विभाग जल्द ही कंपनियों और पेशेवरों के आयकर रिटर्न और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालयके पास जमा दस्तावेजों के आंकड़ों का विश्लेषण शुरू करेगा। इस कवायद का मकसद कर आधार को बढ़ाना और यह पता लगाना है कि संस्थाएं अपनी जीएसटी देनदारी को पूरी तरह चुका रही हैं या नहीं। इस समय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत 1.38 करोड़ पंजीकृत व्यवसाय और पेशेवर हैं। जीएसटी को एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था। विनिर्माण में 40 लाख रुपये और सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये से अधिक के वार्षिक कारोबार वाली कंपनियों के लिए खुद को जीएसटी के तहत पंजीकृत करना और कर रिटर्न दाखिल करना जरूरी है। एक अधिकारी ने पीटीआई-से कहा, हम आयकर विभाग के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण करेंगे। आंकड़ा विश्लेषण के दौरान उन संस्थाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिन्हें छूट नहीं मिली है और जिन्हें जीएसटी के तहत पंजीकरण करने और मासिक या तिमाही रिटर्न दाखिल करने की जरूरत है।

जीएसटी कानून का पालन नहीं करने वाली संस्थाओं की पहचान करने के बाद, जीएसटी विभाग उनके व्यवसाय के पंजीकृत स्थान पर उनसे अनुपालन नहीं करने की वजह

पूछेगा। अधिकारी ने आगे कहा कि आंकड़ा विश्लेषण शाखा कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के साथ मिलकर कंपनियों के जमा तिमाही और वार्षिक आंकड़ों के जरिए यह पता लगाएगा कि क्या कोई जीएसटी चोरी हो रही है। अधिकारी ने कहा कि पहले चरण में आयकर विभाग और जीएसटी आंकड़ों का मिलान होगा। इसके बाद एमसीए के आंकड़ों से इसका मिलान किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, हम जल्द ही आयकर के आंकड़ों का मिलान शुरू करेंगे।

आईटी व कॉरपोरेट मंत्रालय के पास जमा कागजात से रोकी जाएगी जीएसटी चोरी

वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) विभाग कर चोरी के लिए अब नए तरीके अपनाएगा। कर आधार को बढ़ाने और जीएसटी देनदारी चुकाई जा रही है या नहीं, इसका पता लगाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए विभाग जल्द ही कंपनियों और पेशेवरों के आयकर रिटर्न (आईटीआर) और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के पास जमा दस्तावेजों का विश्लेषण शुरू करेगा।

एक अधिकारी ने रविवार को बताया, हम आयकर विभाग के पास उपलब्ध सूचनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण करेंगे। यह उन संस्थाओं पर होगा, जिन्हें छूट नहीं मिली है और जिन्हें जीएसटी में पंजीकरण करने और मासिक या तिमाही रिटर्न दाखिल करने की जरूरत है। जीएसटी कानून का पालन नहीं करने वाली संस्थाओं से इसकी वजह पूछी जाएगी।

अधिकारी ने कहा, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के साथ मिलकर कंपनियों के तिमाही और वार्षिक आंकड़ों के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि

क्या कोई जीएसटी चोरी हो रही है। पहले चरण में आयकर विभाग और जीएसटी आंकड़ों का मिलान होगा। इसके बाद एमसीए के आंकड़ों से इसका मिलान किया जाएगा।

चालू वित्त वर्ष में फरवरी तक कुल 13,492 जीएसटी चोरी के मामले मिले थे। एक साल पहले यह 12,574 और 2020-21 में यह 12,596 था। जुलाई, 2017 से फरवरी, 2023 के कुल 3.08 लाख करोड़ रुपये के मामलों का पता लगा है। जबकि 1,402 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कर विभाग जोखिम भरे करदाताओं की पहचान करने में जुटा है।

आदिवासियों की मौत पर प्रदेश विस में हंगामा, महिला सदस्य ने रोते हुए किया बर्हिगमन

मध्य प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को एक महिला सहित दो आदिवासियों की मौत को लेकर विपक्षी सदस्यों ने काफी विरोध एवं हंगामा किया और कांग्रेस की विजय लक्ष्मी साधौ ने यह मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं मिलने पर रोते हुए सदन से बहिर्गमन किया। आज सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के वरिष्ठ सदस्य बाला बच्चन, कांतिलाल भूरिया और सज्जन सिंह वर्मा ने इन दो आदिवासियों की मौतों का मुद्दा उठाया। वर्मा ने कहा कि महिला के माता-पिता और पुलिस गोलीबारी में मारे गए व्यक्ति के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने इस मुद्दे पर गृह मंत्री के वक्तव्य की मांग की।। सदन में मौजूद गृह और विधि एवं विधायी कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि महिला की अस्थायी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार महिला की करंट लगने से मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर 13 से 17 लोगों के खिलाफ बलवा करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें युवती के पिता का नाम भी है। उन्होंने कहा कि इस पूरे फुटेज की जांच के आदेश दे दिए और उनके साथ न्याय होगा। उन्होंने कहा कि बलवे में एक पुलिस निरीक्षक की आंख में गंभीर चोट आई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया , जिसके कारण अध्यक्ष गिरीश गौतम ने 11 बजकर 10 मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

सदन की कार्यवाही फिर शुरू होने पर शून्यकाल में कांग्रेस सदस्य साधौ ने यह मुद्दा पुनः उठाया किंतु अध्यक्ष ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। कांग्रेस सदस्य की मांग पर मिश्रा ने कहा, ''लाशों की राजनीति करना कांग्रेस का

शगल रहा है। मैंने वक्तव्य दिया और अक्षरशः बात स्पष्ट कर दी।'' इसके बाद साधो आसन के समक्ष आ गयी और उन्होंने अपने घुटनों पर बैठकर इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग शुरू कर दी। किंतु उन्हें आसन से अनुमति नहीं मिलने पर कांग्रेस की अन्य महिला सदस्यों द्वारा साधौ को सदन से बाहर ले जाया गया। जब वह सदन से बाहर आ रही थी, तब उसके आंख से आंसू बह रहे थे।

सदन से बाहर निकलते ही साधौ ने विधानसभा परिसर में मीडिया से रोते हुए कहा कि सरकार आदिवासियों के साथ जुल्म कर रही है। उन्होंने कहा कि वह इन दोनों मृतकों के परिवारों से मिल कर आई है। मालूम हो कि मध्यप्रदेश के इंदौर जिले की महू में पुलिस गोलीबारी में बुधवार रात को 25 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति भूरूलाल की मौत हुई, जिसके बाद महू के पांच थाना इलाकों में गुरूवार सुबह से निषेधाज्ञा लगाई गई है। इस व्यक्ति की पुलिस गोलीबारी में उस वक्त मौत हुई, जब वह बुधवार रात अपने समुदाय की कविता नाम की 22 वर्षीय महिला की मृत्यु के विरोध में अन्य लोगों के साथ मिलकर महू स्थित डोंगरगांव पुलिस चौकी का घेराव कर रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारी पथराव भी कर रहे थे, जिसमें एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल भी हुए। इस पूरी घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

बिल्डर-सराफा कारोबारी के घर पर मिले 6 करोड़ कैश

यह भी बताया गया है कि बिल्डर के घर से मिले दस्तावेजों में एक मंत्री के नाम के दस्तावेज भी हैं। जिन्हें आईटी की टीम ने निगरानी में ले लिया है। पारस जैन का परिवार भाजपा और आरएसएस से जुड़ा है। टीम ने ग्वालियर के सबसे महंगे कैटरर्स बंटी कैटरर्स के ठिकानों पर भी दबिश दी। इनकम टैक्स के 30 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी 15 कार में सवार होकर इंदौर से ग्वालियर पहुंचे। टीम ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात 3 बजे पारस जैन के मुरार सदर बाजार स्थित दुकान, पुश्तैनी मकान, चेतकपुरी और गोला का मंदिर में उनके घर सहित आधा दर्जन प्रोजेक्ट साइट्स की घेराबंदी की। इसके बाद तड़के 4 बजे अफसरों ने पारस जैन के घर की डोर बेल बजाई और बताया आपके ठिकानों पर इनकम टैक्स की रेड पड़ी है। सभी लोग अपने मोबाइल जमा कर दें। टीम ने मुरार स्थित पारस ज्वैलर्स शोरूम से भी दस्तावेज जब्त किए हैं।

पारस जैन का नाम बड़े कारोबारियों में शुमार है। वह मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में भी पदाधिकारी रह चुके हैं। सराफा का कारोबार उनका पुश्तैनी काम है। पारस ने पिछले कुछ साल में बिल्डर के रूप में भी अपनी पहचान बनाई है। उनके 10 से 12 जगह टाउनशिप, मल्टी और अन्य प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इनकम

टैक्स की टीम मुरार स्थित पारस ज्वैलर्स शोरूम पर पहुंची। छानबीन में दस्तावेज मिले हैं। पारस जैन शहर के जाने-माने कारोबारी और बिल्डर हैं।

इनकम टैक्स की टीम मुरार स्थित पारस ज्वैलर्स शोरूम पर पहुंची। छानबीन में दस्तावेज मिले हैं। पारस जैन शहर के जाने-माने कारोबारी और बिल्डर हैं। पारस जैन का परिवार भाजपा से जुड़ा है। पारस के बड़े भाई विष्णु जैन आरएसएस के कार्यकर्ता हैं। विहिप के आयोजनों में व्यवस्थापकों में शामिल रहते हैं। पूरे परिवार को भाजपा के नजदीक माना जाता है। शहर के बहुचर्चित भाजपा नेता विष्णु मंगल हत्याकांड में भी पारस जैन का नाम उछला था।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान जनता के बीच बोले-

अब पाक वाले भी कहते हैं कि अल्लाह हमारे पास भी नरेन्द्र मोदी हो जाता...

चुनावी साल में शिवराज लगातार लोगों के बीच में रह रहे हैं। कई नई योजनाओं की शुरूआत कर रहे हैं। शिवराज ने यह भी कहा कि जन अभियान परिषद ने अद्भुत काम किया है। उन्होंने कहा कि यह स्वंयसेवी संगठनों का, समाजसेवियों का तथा छोटी संस्थाओं का एक ऐसा महा संगठन बन गया है जिसने सब सेवा करने वालों को एक प्लेटफार्म पर खड़ा कर दिया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के जम्बूरी मैदान में एमपी जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित प्रस्फुटन समितियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के 35 हजार प्रतिभागियों का महाकुंभ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। चौहान ने महाकुंभ में सहभागिता करने पधारे सभी नागरिकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक समय था जब बिजली आती कम थी जाती ज्यादा थी। उन्होंने कहा कि अंधेरों का घर मध्य प्रदेश था। लेकिन बिजली, सड़क और सिंचाई के लिए हमारी भाजपा सरकार दिन रात काम कर रही है।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अब पाकिस्तान वाले भी कहते हैं कि अल्लाह हमारे पास भी मोदी हो जाता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश भी निरंतर आगे बढ़ रहा है। शानदार सड़कों का निर्माण यहाँ हुआ है। सिंचाई सुविधाओं का जाल बिछा है। कोई खेत सूखा न छूटे, इसके लिए हम दिन-रात प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, चुनावी साल में शिवराज लगातार लोगों के बीच में रह रहे

हैं। कई नई योजनाओं की शुरूआत कर रहे हैं। शिवराज ने यह भी कहा कि जन अभियान परिषद ने अद्भुत काम किया है। उन्होंने कहा कि यह स्वंयसेवी संगठनों का, समाजसेवियों का तथा छोटी संस्थाओं का एक ऐसा महा संगठन बन गया है जिसने सब सेवा करने वालों को एक प्लेटफार्म पर खड़ा कर दिया है।

भाजपा नेता ने कहा कि जन अभियान परिषद अद्भुत संगठन है जो आज सेवा का वटवृक्ष बन गया है। जब यह वटवृक्ष नशामुक्ति, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण के काम कर सबको विकास की छाया दे रहा था। तब सवा साल की सरकार ने इस वटवृक्ष को काटने की कोशिश की। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी ने सीएमसीडीएलपी के बच्चों का भविष्य अंधकार में कर दिया, नवांकुर प्रस्फुटन समितियों को फंड देना बंद कर दिया। समाजसेवा का काम करने वाले, नदियों को सदानीरा बनाने वाले, छोटी जल संरचनाएं बनाने वाले इन लोगों ने कमलनाथ जी आपका क्या बिगाड़ा था।

बड़ोदरा की डिप्टी मेयर बोली इंदौर अद्भूत शहर है

स्वच्छता में छटी बार नंबर वन इंदौर शहर की स्वच्छता एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को देखने के लिए देश के विभिन्न प्रदेश/शहर के जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी आ रहे है, इसी क्रम में वडोदरा नगर निगम के उप महापौर श्रीमती नंदबेन जोशी, स्थायी समिति के सदस्य डॉ. शीतल मिस्त्री, श्री मनोज पटेल, श्री अजीत दाधीच, श्रीमती स्नेहल पटेल, श्रीमती रश्मिका वाघेला, श्री रंग आयरे और पार्षद श्री आशीष जोशी, श्री घनश्याम पटेल और नगरपालिका सचिव श्री चिंतन देसाई और कार्यकारी अभियंता श्री धर्मेश राणा और श्री कश्यप शाह; वार्ड अधिकारी श्री रितेश सोलंकी के 13 सदस्सीय दल द्वारा आज इंदौर के सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट के तहत शहर के विभिन्न स्थानो का अवलोकन किया गया।

इसके साथ ही वडोदरा उपमहापौर व 13 सदस्यीय दल द्वारा महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा महापौर सभाकक्ष में सौजन्य भेंट की गई। इस अवसर पर महापौर श्री भार्गव द्वारा देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में आने पर सभी का स्वागत करते हुए, इंदौर के सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट व

विगत दिनो जारी किये गये ग्रीन बाण्ड के बारे में जानकारी दी गई। इस पर वडोदरा उपमहापौर श्रीमती नंदबेन जोशी ने कहा कि इंदौर के स्वच्छता अभियान के बारे में हम विगत कई वर्षो से सुन रहे थे, किंतु आज हमने इंदौर के सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट को देखा और मेरे परिचित जो कि इंदौर में निवासरत है उन्होने मुझे बताया कि इंदौर पर रंगपंचमी पर निकलने वाले गैर समारोह के दौरान लाखो की संख्या में जहां पब्लिक मौजूद होकर एकसाथ गैर का आनंद ले रही थी, उसी गैर की समाप्ति के ठीक 1 घंटे के अंदर ही पुरे गैर मार्ग में स्वच्छता अभियान चलाकर पुनः साफ व स्वच्छ कर दिया गया, यह सुन कर आश्यर्च चकित हुए कि जहां पर कुछ देर पहले इतनी जनता थी और कचरा व गंदगी फैली हुई थी, वहां पर इतने कम समय अभियान चलाकर इंदौर नगर निगम ने यह कर दिखाया कि ऐसे ही इंदौर स्वच्छता में नंबर वन शहर नही है, इंदौर का स्वच्छता अभियान अदभुत है।

उपासना पद्धति अलग-अलग, लेकिन मंजिल सभी की एक : मोहन भागवत

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने लाल किला परिसर से शुक्रवार को फिल्म लेखक व निर्देशक इकबाल दुर्रानी द्वारा किये गए सामवेद के उर्दू अनुवाद को लांच किया। उन्होंने इस दौरान गंगा जमुनी तहजीब को बढ़ावा देने और सभी धर्म के अनुयायियों को धर्म के नाम पर लड़ने के स्थान पर देश को विश्व का सिरमौर बनाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में साफतौर पर कहा कि उपासना पद्धति भले ही अलग-अलग हो, लेकिन सभी धर्म के अनुयायियों की मंजिल एक ही है। उन्होंने दुर्रानी और स्वामी ज्ञानानंद महाराज के साथ सामवेद के अनुवादित अंशों को हिंदी, संस्कृत और उर्दू में मंच से पढ़ा भी।

उन्होंने बिना किसी धर्म का नाम लिए कहा कि पूजा-पद्धति पर विवाद व्यर्थ है। उन्होंने कहा कि सामवेद को कुछ लोग पूजते हैं और कुछ नहीं, लेकिन जरूरी यह है कि सत्य की उपासना की जाए और सामवेद में कही गई बातों को धर्म से हटकर अपने जीवन में अपनाने का सभी को संकल्प लेना चाहिए।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से आरएसएस

मुस्लिम समुदाय को साधने में जुट गया है। कई मंचों पर आरएसएस प्रमुख भी हिंदू- मुस्लिम एकता की बात कर चुके हैं। अब सामवेद के जरिए भी आरएसएस इस समुदाय तक पहुंच बनाने का प्रयास कर रहा है। संघ प्रमुख के संबोधन में भी इसके संकेत पूरी तरह से साफ दिखे।

भागवत ने कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद से जुड़ा तथा एक अन्य कथा से संबंधित किस्सा सुनाते हुए कहा कि विभिन्न तरीके से उपासना करने के बाद भी सुखी रहा जा सकता है। लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए कि सबकी उपासना का आदर करते हुए सत्य की उपासना करनी चाहिए। यही अंतिम ज्ञान का स्वरूप है।

भागवत ने कहा कि सनातन धर्म में आंतरिक और बाह्य दोनों प्रकार के ज्ञान के बिना ज्ञान को पूर्ण नहीं माना जाता है। उन्होंने कहा कि पूजा-पद्धति किसी धर्म का एक अंग होता है। लेकिन यह किसी धर्म का संपूर्ण सत्य नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अंतिम सत्य हर धर्म का मूल होता है और सबको उसे प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सबको अपना रास्ता सही दिखाई पड़ता है, लेकिन यह समझना चाहिए कि इन सभी मार्गों का अंतिम लक्ष्य एक सत्य को ही प्राप्त करना होता है। भागवत ने कहा कि किसी का रास्ता और तरीका गलत नहीं है। कोई किसी रास्ते से जाता है। कोई दूसरे तरीके से, लेकिन सभी देर- सबेर मंजिल को ही पहुंचते हैं। इसलिए इसे लेकर सोच में बदलाव लाना होगा। अंदर से बदलने की आवश्यकता है। हालांकि, डराने, फंसाने वाले आएंगे, इनसे बचते हुए अंदर की एकजुटता को नित्य व्यवहार में लाना होगा।

विकास की पहली शर्त होती है कानून-व्यवस्था का चुस्त-दुरुस्त होना : सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि विकास की पहली शर्त होती है कानून-व्यवस्था का चुस्त-दुरुस्त होना और प्रदेश की कानून-व्यवस्था कैसी है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दो-दिवसीय दौरे पर पहुंचे राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ यहां कॉल्विन तालुकदार कॉलेज में 1449.68 करोड़ रुपये लागत की 353 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

इस मौके पर अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि विकास की पहली शर्त होती है कानून व्यवस्था का चुस्त-दुरुस्त होना। उन्होंने कहा कि विकास की यदि कोई ऑक्सीजन होती है तो वह चुस्त-दुरुस्त कानून व्यवस्था ही है और उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था कैसी है, किसी को बताने की जरूरत नहीं है। पुलिस मुठभेड़ में अपराधियों के मारे जाने की ओर इशारा करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, मैंने किसी समाचार पोर्टल पर पढ़ा था अब तक 63, मेरे अंदर उत्सुकता हुई कि अब तक 63 का मतलब क्या है।

जब पूरा पढ़ा तो पता चला कि पुलिस के साथ मुठभेड़ में 63 अपराधी मारे जा चुके हैं। उन्होंने कहा, जिस रफ्तार से सफाई का काम हो रहा है, मुझे लगता है जल्दी सेंचुरी

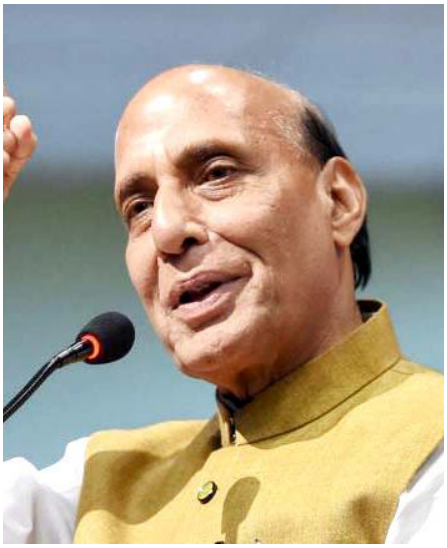

पार हो जाएगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले आप सब होली के रंग में रंगे थे और आज का जो दृश्य अपनी आंखों के सामने देख रहा हूं, तो मैं कह सकता हूं कि आज लखनऊ विकास के रंग में रंगा हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लखनऊ संसदीय क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व संरक्षण की ओर से विभिन्न स्मारकों में सुंदरीकरण का कार्य किया जा रहा है, लखनऊ विश्व का सबसे सुंदर शहर बनकर खड़ा होगा, यही हमारी ख्वाहिश है।

मुख्यमंत्री के रूप में शनिवार को योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर राजनाथ सिंह ने कहा, ''शायद आपलोगों को इस बात की जानकारी नहीं होगी कि आज की तारीख और दिन हम सबके लिए बहुत महत्वपूर्ण है, उत्तर प्रदेश वासियों के लिए भी आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज ही के दिन अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के छह वर्ष का पूरा कर रहे हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा, मैं कह सकता हूं आज तक इतने लंबे समय तक (राज्य में) कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है, डॉक्टर संपूर्णानंद जी अब तक के सबसे अधिक समय तक रहने वाले मुख्यमंत्री थे, लेकिन उनके रिकॉर्ड को किसी ने तोड़ा है तो योगी आदित्यनाथ जी ने। उन्होंने योगी के छह वर्षों के कार्यकाल को विकास और सुशासन का कार्यकाल बताते हुए उनको शुभकामनाएं और बधाई दी।

एमपी बोर्ड का नया शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होना मुश्किल

परीक्षा के 5 दिन पहले 9वीं-11वीं की परीक्षा का टाइम टेबल बदला, 31 मार्च से 16 अप्रैल के बीच होगी 11 वीं की परीक्षा

9वीं और 11वीं की परीक्षा 20 मार्च से शुरू होना थी। परीक्षा के 5 दिन पहले टाइम टेबल में बदलाव किया गया है। अब 10 दिन बाद यह परीक्षाएं शुरू होंगी, जिसके के कारण 1 अप्रैल से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र में विलंब होना तय है।

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 27 मार्च तक चलेंगी। इससे पहले आठवीं की परीक्षा 25 मार्च से शुरू होंगी, जो 1 सप्ताह तक जारी रहेगी। मप्र लोक शिक्षण संचनालय भोपाल की ओर से 9वीं-11वीं के बच्चों की परीक्षा 20 मार्च से शुरू करने का टाइम टेबल जारी किया गया था। परीक्षा से 5 दिन पहले अचानक टाइम टेबल में बदलाव किया गया।

11वीं की परीक्षा 31 मार्च से 16 अप्रैल के बीच

अभय वर्मा आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल की ओर से जारी संशोधित टाइम टेबल में 11वीं की परीक्षा 31 मार्च से 16 अप्रैल के बीच कराई जाएगी, वही नौवीं की परीक्षा 1 अप्रैल से 13 अप्रैल के मध्य कराई जाने का संशोधित टाइम टेबल जारी किया गया है। प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए 25 मार्च तक का समय निर्धारित किया गया है। इंदौर जिले में 9वीं और 11वीं के तकरीबन पचास हजार छात्र इन परीक्षाओं में शामिल होंगे। स्कूल प्राचार्यों द्वारा अब छात्रों को वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से परीक्षा की तारीख में बदलाव की सूचना दी जा रही है।

इस कारण आगे बढ़ानी पड़ी परीक्षाः 10वीं-12वीं की परीक्षाएं 27 मार्च तक चलेंगी। इन परीक्षाओं का मूल्यांकन भी इस बार 20 मार्च से शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही 25 मार्च से पांचवी-आठवीं की परीक्षा शुरू हो जाएगी। इस कारण शिक्षकों और परीक्षा केंद्रों में दिक्कत ना हो, इसके लिए 9वीं-11वीं की परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया गया है और परीक्षा आगे बढ़ाई गई है। अधिकारी अगर समय पर सही-सही परीक्षाओं का बारीकियों पर ध्यान केंद्रित करते तो संशोधित टाइम टेबल जारी करने की आवश्यकता नहीं होती।

इंदौर-भोपाल में अगस्त में शुरू होगा मेट्रो का ट्रायल

इंदौर और भोपाल में मेट्रो ट्रेन का काम बहुत तेजी से चल रहा है। अगस्त माह के आखिरी सप्ताह से मेट्रो ट्रेन का ट्रायल शुरू करने की कोशिश की जा रही है। दोनों शहरों की मेट्रो ट्रेन अपनी तरह की अत्याधुनिक तकनीक आधारित ड्रायवर लेस होगी। खास बात यह है कि यह ट्रेन पटरियों पर दौड़ रहे करंट से चलेगी।

मेट्रो की नई तकनीक को समझाने के लिए मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन ने स्कूली बच्चों को चुना है। स्कूली बच्चों को अलग-अलग दिन पूरे प्रोजेक्ट का भ्रमण कराने, मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने से लेकर एंट्री- एग्जिट पाइंट पर टोकन या फिर क्यूआर कोड से गेट खुलवाने सहित अन्य तरह की तकनीकों के बारे में बताया जाएगा। फिर वे अपने परिजनों को यह सभी चीजें समझाकर मेट्रो का सफर करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस संबंध में एमडी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के मनीष सिंह बताते हैं कि हम स्कूली बच्चों से लेकर कॉलेज स्टूडेंट और अन्य सभी प्रकारों से मेट्रो के प्रति समझ बढ़ाने के लिए काम करेंगे। मेट्रो के लिए निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है। हम समय पर मेट्रो चलाने का लक्ष्य प्राप्त करेंगे।

पटरियों पर करंट से मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी

इंदौर - भोपाल की मेट्रो 750 डीसी करंट प्रणाली पर चलेगी। 750 डीसी करंट के आधार पर ट्रेन में

अतिरिक्त कोच लगाकर मेट्रो को स्वचालित बनाएगा। इस प्रणाली में पटरियों पर ही करंट रहेगा और मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। आग और धुएं से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम भी इसमें रहेंगे। भोपाल के लिए डिजाइन की गई मेट्रो ट्रेन का कोच 16 टन का भार वहन क्षमता के अनुसार बनाया गया है। ये आंकड़ा प्रति व्यक्ति 65 किलोग्राम वजन के आधार पर निकाला है। तीन कोच की एक रेल होगी।

रंगपंचमी मनाई... टेसू के फूलों से बने रंग में रंगे महाकाल...

देश भर में होली के बाद 12 मार्च को रंगपंचमी का त्योहार मनाया जा रहा है। इसी रंग पंचमी का उल्लास भी महाकाल मंदिर में रविवार को दिखाई दिया। यहां भक्तों से लेकर पंडितों ने जमकर महाकाल के साथ रंगपंचमी का त्योहार मनाया। भारत भर में 12 मार्च को रंगपंचमी का त्योहार मनाया जा रहा है। रंगपंचमी का उल्लास महाकाल मंदिर में भी देखने को मिला। महाकाल मंदिर से ही रंगपंचमी की शुरुआत हुई जब यहां सबसे पहले महाकाल को रंग अर्पित किया गया। इसके बाद पंडितों और पुजारियों ने मिलकर गर्भगृह से नंदी हॉल तक रंग उड़ाया। इसी के साथ सभी रंचपंचमी के रंग में डूबे दिखे।

जानकारी के मुताबिक महाकाल को सबसे पहले टेसू के फूलों से बना रंग लगाया गया। भक्तों पर भस्म आरती के समय रंग और गुलाल उड़ाया गया। इसी के साथ पूरा नंदी हॉल गुलाल और रंग में भीग गया। बता दें कि रंगपंचमी के त्योहार के लिए पुजारियों ने तीन क्विंटल टेसू के फूलों से बना प्राकृतिक रंग तैयार किया था।

रंगपंचमी की शुरुआत जैसे ही महाकाल मंदिर में हुई उसके बाद ही शहर भर में रंगपंचमी भी धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान युवाओं ने सड़कों पर मस्ती में रंग पंचमी मनाई और गुलाल उड़ाया। शहर के लोगो में रंग पंचमी को लेकर अलग ही उत्साह देखने को मिला। बता दें कि रंगपंचमी के मौके पर महाकाल मंदिर, सिंहपुरी, कार्तिक चौक और भागसीपुरा से पारंपरिक गेर निकली जाती है। भक्त बैंड बाजा, ढोल की थाप के साथ बहादुरी और जीत का प्रतीक ध्वजा लेकर निकलेंगे।

बता दें कि रंग पंचमी का त्योहार देश के कुछ ही हिस्सों

में मनाया जाता है। रंग पंचमी के पर्व पर अलग ही उत्साह और उमंग देखने को मिलता है। इस पर्व की शुरुआत सुबह चार बजे महाकाल मंदिर में होने वाली भस्म आरती से हुई है। भगवान महाकाल को भांग, सूखे मेवे, गुलाल, कंकू, चंदन लगाया गया और उनका श्रृंगार किया गया इसके बाद भस्म से उनकी आरती की गई। इसके बाद भगवान महाकाल को रंगपंचमी का पहला रंग चढ़ाया गया। इसके बाद देशभर में रंगपंचमी की धूम दिखाई दी।

13 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म, आरोपी पिता गिरफ्तार

भितरवार में मानवता को शर्मसार एवं बाप बेटी के रिश्ते को तार-तार कर देने वाला मामला नगर से लेकर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में चर्चा का विषय बना हुआ है। 13 वर्षीय मासूम के साथ उसके ही सौतेले पिता ने घर के अंदर कमरे में बांधकर दुष्कर्म का मामला पुलिस ने दर्ज किया। आरोपित को बेलगढा थाना पुलिस ने मामला दर्ज होने के चंद घंटों के भीतर ही शिवपुरी जिले के नरवर के पास से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

घटना के अनुसार अनुभाग भितरवार के अंतर्गत आने वाले बेलगढ़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में 13 वर्षीय मासूम कक्षा छठीं की छात्रा के साथ उसके सौतेले पिता ने ही छह मार्च 2023 को घर के अंदर कमरे में बंद करके हाथ पैर बांधकर दुष्कर्म कर डाला और वह फरार हो गया। जब मां, बड़ी बहन और भाई घर पर लौट कर आए तो वह मासूम बेटी की हालत को देखकर अवाक रह गए और वह बदनामी के डर से रिपोर्ट दर्ज कराने नहीं पहुंचे।

शुक्रवार को जब मासूम की नानी गांव आई और उसने अपनी बेटी और अन्य परिजनों को समझाया तो दुष्कर्म पीड़िता स्वजन के साथ थाना बेलगढ़ा पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस को घटना के संबंध में जानकारी दी। जिस पर थाना प्रभारी शैलेंद्र शर्मा द्वारा डबरा देहात थाना प्रभारी राजकुमारी परमार को सूचना दी तो वह बेलगढ़ा पहुंची और उन्होंने दुष्कर्म पीड़िता मासूम और उसकी मां इत्यादि की तहरीर पर दुष्कर्म के आरोपी 35 वर्षीय सौतेले पिता के खिलाफ दुष्कर्म सहित पास्को एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। चंद घंटों के अंदर ही आरोपी को शिवपुरी जिले के नरवर के पास से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई।

बता दें कि दरिंदगी का शिकार 13 वर्षीय मासूम के पिता का निधन लगभग छह वर्ष पूर्व हो गया था। दुष्कर्म पीड़िता के पिता अपनी तीन संतान छोड़ कर गए थे, जिनमें पीड़िता के एक बड़े भाई बहन शामिल है। पीड़िता की मां ने पांच वर्ष पूर्व ग्वालियर के रहने वाले एक युवक के साथ शादी कर ली थी, जब से वह पूरे परिवार के साथ गांव में ही निवास कर रहा था। छह मार्च सोमवार को जब घर पर कोई नहीं था जब 13 वर्षीय मासूम अकेली घर पर थी तो उसने मासूम को बंधक बनाकर दुष्कर्म कर डाला।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वनस्थली विद्यापीठ व आरकैट के बीच हुआ एमओयू

आईटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है राज्य- मुख्य सचिव

राजीव गांधी सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आरकैट) द्वारा गुरुवार को जयपुर सूचना केंद्र सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा थी। कार्यक्रम में आरकैट के औद्योगिक भागीदार कंप्यूटर सॉफ्टवेयर कंपनी एडोब द्वारा ग्रामीण एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए ग्राफिक डिजाइनिंग का पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इस दौरान आर्केट व वनस्थली विद्यापीठ के मध्य एक एमओयू हुआ जिसके तहत उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आर्केट वनस्थली के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ट्रेनिंग उपलब्ध कराएगा तथा उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने के इच्छुक विद्यार्थियों को अपने औद्योगिक भागीदारों के साथ सहयोग करेगा।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने उपस्थित महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं को अपनी शक्ति और महत्व का एहसास होना चाहिए । उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा,आईटी आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं । राज्य सरकार द्वारा महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यमिक स्कूल, महिलाओं की सेहत से जुड़ी आईएम शक्ति उड़ान योजना तथा मुफ्त जांच व दवाई योजना पूरे देश में मिसाल है।

मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान आईटी के क्षेत्र

में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। राज्य की जन आधार योजना, इनक्यूबेशन सेंटर, डाटा सेंटर आदि इसके विशिष्ट उदाहरण है जिन पर पूरा देश गर्व कर रहा है। आरकैट उच्च श्रेणी की कंपनियों के साथ एमओयू साइन करके बेहतरीन फिनिशिंग स्कूल के रूप में उभरा है। इस अवसर पर सूचना एवं प्रौद्योगिकी आयुक्त व आर्केट के एमडी श्री आशीष गुप्ता ने बताया कि आरकैट 70 से अधिक रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन आदि के क्षेत्रों में कोर्सेज का संचालन करता है व जल्द ही हर संभाग मुख्यालय में आरकैट शुरू कर दिया जाएगा।

आरकैट की कार्यकारी निदेशक श्रीमती ज्योति लुहाडिया ने जानकारी दी कि आरकैट इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के साथ ही सामान्य स्नातक, महिलाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने बताया की आगामी सत्रों में माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल जैसी कंपनियां भी आरकैट के साथ जुड़ेंगी।

कार्यक्रम में आरकैट के क्विजाथन की विजेता महिलाएं ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से जुड़ी। इस अवसर पर वनस्थली विद्यापीठ की कुलपति प्रोफेसर इना शास्त्री, सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग की संयुक्त निदेशक विनीता श्रीवास्तव सहित आर्केट के विभिन्न पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राजस्थान में होली हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

होली का उल्लास सड़कों से लेकर मंदिरों तक देखा गया। बडी संख्या में युवा अपने दोस्तो के साथ समूह बनाकर सडकों पर दुपहिया वाहनों पर सवार होली के रंगीन कपडों में सीटी बजाये, गाते होली का आंनद लेते दिखाई दिये। राजस्थान में रंगों का त्योहार होली पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और लोगों ने एक दूसरे पर रंग और गुलाल डाल कर तथा गले मिलकर खुशी का इजहार किया तथा रंगोत्सव की शुभकामनायें दी। होली का उल्लास सड़कों से लेकर मंदिरों तक देखा गया। बडी संख्या में युवा अपने दोस्तो के साथ समूह बनाकर सडकों पर दुपहिया वाहनों पर सवार होली के रंगीन कपडों में सीटी बजाये, गाते होली का आंनद लेते दिखाई दिये। वहीं कॉलोनियों में महिलाएं और बच्चे एक दूसरे पर गुलाल और रंग के साथ साथ पिचकारियों से दिनभर होली खेलने का आंनद लेते रहे।

नेताओं ने भी अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होली

समारोह में भाग लेकर लोगों का उत्साह बढाया। राजस्थान पहुंचे विदेशी मेहमानों ने भी रंगोत्सव का जमकर लुत्फ उठाया। जयपुर के आराध्य देव गोविंद देव जी मंदिर सभी प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं ने दर्शन के साथ साथ पचरंगी गुलाल और फूलों की होली का लुत्फ उठाया। कोरोना काल में दो साल बाद पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिये खासाकोठी में आयोजित होली महोत्सव में देशी विदेशी पर्यटकों ने रंग-गुलाल से होली खेली और यहां चंग-ढप की थाप पर पर्यटक जमकर झूमे। खासाकोठी होली महोत्सव में युवाओं में त्योहार को लेकर खासा क्रेज दिखा। राजस्थानी धुनों पर पर्यटक डांस करते दिखे। जोधपुर में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने घर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ होली खेली। कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने पैतृक गांव कैथूनीपोल में लोगों के बीच होली खेलने पहुंचे। इस मौके पर सैकड़ों की तादाद में लोग मौजूद रहे और लोकसभा अध्यक्ष के साथ होली खेली। मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को आए विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों एवं आमजन ने मुलाकात कर उन्हें होली तथा धुलंडी की शुभकामनायें दी। गहलोत ने सभी की शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए उन्हें भी इस पावन अवसर की बधाई दी।

चुनाव से पहले शिवराज सिंह चौहान का मास्टर स्ट्रोक

महिलाओं के लिए शुरू की शानदार योजना

सरकार पांच मार्च से महिला लाभार्थियों से आवेदन स्वीकार करना शुरू करेगी। मार्च-अप्रैल में आवेदन स्वीकार करने का काम पूरा हो जाएगा। 10 जून तक लाभार्थियों को आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी। जिन महिलाओं की पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम है, उन्हें लाडली बहना योजना से लाभ दिया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले मध्य प्रदेश सरकार ने महिला सशक्तिकरण को लेकर लाडली बहना योजना 2023 लागू की है। इस योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक तौर पर मजबूती दी जाएगी और उन्हें सशक्त बनाया जाएगा। प्रदेश की पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी। इस योजना को लागू करने के साथ ही राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए आंकड़े जारी किए हैं।

राज्य सरकार का दावा है कि कांग्रेस पार्टी के राज में राज्य में लिंगानुपात काफी खराब था। महिलओं के खिलाफ अपराध चरम पर थे। अपराधियों बेखौफ होकर अपराध करने से बाज नहीं आते थे। मगर वर्तमान में मध्यप्रदेश सरकार ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं शुरु की है जिनकी बदौलत महिलाओं को सशक्त किया गया है।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की कम से कम एक लाख महिलाओं के भोपाल के जंबूरी मैदान में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। इस कार्यक्रम का आरंभ मुख्यमंत्री चौहान के 65 वें जन्म दिन के साथ होगा। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो इस योजना के माध्यम से भाजपा सरकार प्रदेश में यह संदेश देना चाहती है कि वह अपनी महिला नागरिकों के साथ मजबूती से खड़ी है। गौरतलब है कि 2018 के विधानसभा चुनावों में भगवा पार्टी कांग्रेस से मामूली अंतर से हार गई थी।

इसलिए इस बार वह महिला मतदाताओं को अच्छी स्थिति में रखकर चुनाव जीतना चाहती है। पिछले चुनाव में कांग्रेस 15 साल के अंतराल के बाद सत्ता में आई थी, लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 22 विधायकों ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया जिससे कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार गिर गयी। प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा में एक मार्च को विधानसभा में राज्य का बजट 2023-24 पेश करते हुए कहा था, ''सरकार ने 'मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना' के लिए 8,000 करोड़ रुपये तय किए हैं जिसके तहत महिलाओं को कुछ शर्तों के तहत 1,000 रुपये प्रति माह वित्तीय सहायता दी जाएगी।'' अधिकारियों ने कहा कि सरकार पांच मार्च से महिला लाभार्थियों से आवेदन स्वीकार करना शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि मार्च-अप्रैल में आवेदन स्वीकार करने का काम पूरा हो जाएगा और 10 जून तक लाभार्थियों को आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि जिन महिलाओं की पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम है, उन्हें लाडली बहना योजना से लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 2,60,23,733 महिला मतदाता हैं। मध्य प्रदेश की कुल 230 विधानसभा सीटों में से 18 निर्वाचन क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है, जिनमें आदिवासी बहुल बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अलीराजपुर और झाबुआ जिले शामिल हैं। अनुमान के मुताबिक 13.39 लाख नए मतदाताओं में 7.07 लाख महिलाएं हैं।

नयी आबकारी नीति में शराब पीने पर नैतिक प्रतिबंध लगाया है : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार ने नयी आबकारी नीति में शराब पीने पर नैतिक प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जन-कल्याण और विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। चौहान यहां रवींद्र भवन में प्रदेश की 'मातृ शक्ति के सम्मान, सुरक्षा एवं हितों के अनुरूप आबकारी नीति' लाने पर अपने अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, ''सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर रोक लगाई गई है। दुर्घटनाएं रोकने और समाज-सुधार की दृष्टि से यह बड़ा कदम है।'

उन्होंने कहा कि प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को मैं मां, बहन, बेटी और मित्र के रूप में देखता हूं। दीदी को कभी निराश नहीं करूंगा। माता-बहनों और बेटियों पर अत्याचार के खिलाफ मैंने और दीदी ने मिल कर कार्य किया है। इसी का परिणाम लाडली लक्ष्मी और मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना है। चौहान ने कहा, "मैं वर्षों से उमा दीदी के साथ काम करता आया हूं। दीदी जगत-कल्याण के लिए कार्य करती हैं। वे अन्याय कभी सहन नहीं करती हैं। समाज-सुधारक हैं। नशा मुक्ति, गाय की रक्षा और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही हैं। सरस्वती उनके कंठ में विराजमान हैं।"

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के माध्यम से बहनों के खाते में प्रतिमाह एक-एक हजार रूपए

डाले जाएंगे। चौहान ने कहा कि मैं दीदी के सुझावों पर हमेशा कार्य करूंगा। अच्छे कार्यों के लिए मुझे सदैवदीदी का आशीर्वाद मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहेगा। उनकी प्रेरणा से ही मैं यह कार्य कर पाया हूं। बेटी और बहन के कल्याण के लिए बेहतर से बेहतर कार्य किये जाएंगे। इस अवसर पर उमा भारती ने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान ने नयी आबकारी नीति लाकर ऐतिहासिक कार्य किया है।

इसके लिये उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "नयी नीति से मैं बहुत खुश हूं। मुझे आत्म-संतोष है। मुख्यमंत्री ने मेरे मन की कामना पूरी की है। ऐसी आबकारी नीति भारत के किसी भी राज्य में नहीं है।" भारती ने कहा कि नयी नीति में शराब पीकर वाहन नहीं चला सकते हैं और न ही सड़क पर चल सकते हैं। यह नीति ऐसे हालात पैदा कर देगी कि लोग शराब छोड़ने के लिए मजबूर हो जायेंगे। समाज की मर्यादा रखने में यह नीति मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि नीति का पालन कराना प्रशासन के साथ जन-प्रतिनिधियों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। पुलिसकर्मियों का समर्थन करते हुए भारती ने कहा, ''पुलिस को शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों को बिना किसी डर के दंडित करना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो।

नेशनल पार्क में बाघों के आने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी शिवपुरी की पहचान :सीएम

27 वर्षों के बाद माधव नेशनल पार्क में सुनने को मिलेगी बाघों की दहाड़ : श्री सिंधिया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शिवपुरी ऐतिहासिक प्राचीन पर्यटन नगरी है। नेशनल पार्क में आज दो बाघ के छोड़ने से अब शिवपुरी अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर पहचाना जाएगा। पर्यावरण-संरक्षण एवं संवर्धन के लिये बाघों का संरक्षण और उनकी सुरक्षा भी करना होगी। उन्होंने कहा कि शिवपुरी में बाघों के आने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और देशी एवं विदेशी पर्यटकों के आने से जिले की इकोनॉमी भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क में बाघ का एक जोड़ा छोड़ा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बाघ मित्रों से संवाद करते हुए कहा कि बांधवगढ़ नेशनल पार्क से मादा और सतपुड़ा नेशनल पार्क से नर बाघ शिवपुरी लाया गया है। शीघ्र ही तीन बाघ और लाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बाघ मित्रों से कहा कि हमें बाघ और वन्य-प्राणियों के संरक्षण के लिये लोगों को जागरूक कर बताना होगा कि वन्य-प्राणी हमारे मित्र है और हमें उन्हें संरक्षण देना है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बाघ प्रोजेक्ट में बाघों के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ अधो-संरचना के कार्य भी किए जायेंगे। साथ ही गाइड, होटल एवं टैक्सी संचालकों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। होम-स्टे को भी बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे बाहर से आने वाले सैलानियों को प्राकृतिक एवं खुले वातावरण में बाघ एवं वन्य-प्राणियों को देखने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश के लिए बड़ी खुशी की बात है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कूनो नेशनल पार्क में चीते छोड़े थे। आज शिवपुरी के नेशनल पार्क में दो बाघ छोड़े गए हैं।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि 27 वर्षों के बाद माधव नेशनल पार्क में अब बाघों की दहाड़ सुनने के साथ सैलानियों को उन्हें देखने का भी अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि शिवपुरी सहित अंचल के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है और क्षेत्र के लिए गौरव की बात भी है। उन्होंने कहा कि उनके पूज्य पिताजी स्व. माधवराव सिंधिया की जयंती पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों से आज माधव नेशनल पार्क में पुनः बाघों को विस्थापित किया गया है। दूसरे चरण में 3 बाघ और लाए जाएंगे। श्री सिंधिया ने कहा कि बाघों के आने से जहाँ पर्यावरण संतुलित होगा, वही स्थानीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे क्षेत्र की आर्थिक संपन्नता भी बढ़ेगी।

370 हटाने के बाद कश्मीर में लोकतंत्र जमीनी स्तर तक पहुंचा : अमित शाह

शाह ने यहां गुजरात विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विभिन्न प्रयासों की बदौलत कश्मीर में आज आतंकवाद और पथराव की घटनाओं में कमी आई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2019 में तत्कालीन राज्य जम्मू कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद वहां पर पहली बार लोकतंत्र जमीनी स्तर पर पहुंचा है और केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में कमी भी आई है। शाह ने यहां गुजरात विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विभिन्न प्रयासों की बदौलत कश्मीर में आज आतंकवाद और पथराव की घटनाओं में कमी आई है।

उन्होंने कहा, "कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटाने के बाद पहली बार लोकतंत्र वहां जमीनी स्तर पर पहुंचा है। कश्मीर (जम्मू और कश्मीर) में 90 विधायक और छह सांसद हुआ करते थे। आज, 30,000 से अधिक पंच, सरपंच के साथ-साथ तहसील और जिला पंचायत के सदस्य लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।" गृह मंत्री ने कहा, "एक समय था जब कश्मीर में बम विस्फोट, हड़ताल और पथराव आम बात थी। आज कश्मीरी युवा हाथों में किताबें और लैपटॉप लिए हुए हैं।"

वह सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कश्मीर फेस्टिवल' के मौके पर कश्मीर विश्वविद्यालय और गुजरात विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस उत्सव का आयोजन किया। शाह ने कहा, "कश्मीर विभिन्न संस्कृतियों के मिश्रण का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें इस्लाम, बौद्ध धर्म, शंकराचार्य की शिक्षाएं और सूफीवाद है। कश्मीर ऐसी कई संस्कृतियों से बना है। कश्मीर भारत माता का मुकुट है। कश्मीर में वर्तमान में हो रहे बदलाव कश्मीर के बच्चों के साथ-साथ पूरे देश के युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

जल्द मध्य प्रदेश को मिलेगी पहली वंदे भारत ट्रेन, मार्च के अंत तक हो सकती है शुरू

प्रदेश की पहली वंदे भारत ट्रेन तीन बड़े महानगर इंदौर, भोपाल और जबलपुर को जोड़ेगी। जानकारी के मुताबिक, ये ट्रेन जबलपुर से सुबह पांच बजे चलकर इटारसी, भोपाल, उज्जैन होते हुए सुबह 11.30 बजे इंदौर पहुंचेगी। भोपाल में इसका स्टॉप रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर होगा...

इन दिनों यात्रियों को वंदे भारत एक्सप्रेस का सफर खूब पसंद आ रहा है। राज्य की तरफ से इस ट्रेन को शुरू करने की मांग भी की जा रही है। अब इसी कड़ी में मध्य प्रदेश में जल्द ही पहली वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ये ट्रेन जबलपुर से इंदौर के बीच शुरू की जा सकती है। ऐसी संभावना है कि इसे मार्च के आखिरी सप्ताह से चलाया जा सकता है। इस सेमी हाई स्पीड ट्रेन के परिचालन के लिए रतलाम रेल मंडल के साथ ही जबलपुर रेल मंडल ने भी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश की पहली और देश की 11वीं वंदे भारत ट्रेन को चलाने की तैयारियां पूरी हो गई हैं। पहले फरवरी माह के अंत में इसे चलाने की योजना थी, लेकिन रेलवे बोर्ड द्वारा रैक मिलने में हुई देरी के कारण इसे मार्च अंत तक चलाया जाएगा। चेन्नई कोच फैक्ट्री से वंदे भारत ट्रेन के रैक जल्द ही आ सकते हैं। वहीं, इस सेमी हाईस्पीड ट्रेन के रखरखाव और साफ-सफाई के लिए जबलपुर स्टेशन के कोचिंग यार्ड में काम शुरू हो गया है।

प्रदेश की पहली वंदे भारत ट्रेन तीन बड़े महानगर इंदौर, भोपाल और जबलपुर को जोड़ेगी। जानकारी के मुताबिक, ये ट्रेन जबलपुर से सुबह पांच बजे चलकर इटारसी, भोपाल, उज्जैन होते हुए सुबह 11.30 बजे इंदौर पहुंचेगी। भोपाल में इसका स्टॉप रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर होगा। वहीं, वापसी में यह ट्रेन दोपहर तीन बजे इंदौर से रवाना होकर इसी रास्ते से रात 10 बजे जबलपुर वापस आएगी। हालांकि ये ट्रेन सप्ताह में कितने दिन चलेगी अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। वर्तमान में इंदौर से जबलपुर के बीच चलने वाली नर्मदा एक्सप्रेस 14 घंटे और जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट ट्रेन 10 घंटे का समय लेती है।

वंदे भारत जबलपुर से इंदौर तक का 599 किमी का सफर 6.30 घंटे में पूरा कर लेगी। इंदौर-जबलपुर रूट पर चलने वाली वंदे भारत की रफ्तार 100 से 120 किमी/घंटा के आसपास होगी। रतलाम रेल मंडल ने हाल ही में इंदौर से उज्जैन के बीच रेल लाइन दोहरीकरण का कार्य भी पूरा कर लिया है। कार्य के दौरान भोपाल से इंदौर के बीच चलने वाली 10 ट्रेनों को निरस्त करना पड़ा था, जबकि 21 ट्रेनों को बदले हुए मार्ग से चलाना पड़ा था।

नफरत को प्यार में बदलने का पर्व... होली

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है।

बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति एवं परम्परा हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्मउन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई-चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरे। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है। होली शब्द का अंग्रेजी भाषा में अर्थ होता है पवित्रता। पवित्रता प्रत्येक व्यक्ति को काम्य होती है और इस त्योहार के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान करते हुए आत्मिक खुशी का जरिया भी बनाये।

होली रंगों का निराला एवं अनूठा पर्व है और हमारा जीवन ढेर सारे रंगों का एक पिटारा है। यहां हर रंग जुदा है तो दूसरों से मिला हुआ भी। एक रंग, दूसरे से मिलकर तेजी से नया ही रंग-रूप धर लेता है। किसी एक पर अटके रहकर काम चल ही नहीं सकता। यही जीवन लीला है। पर क्या दूसरों के रंगों को अपने में समा लेना आसान होता है? रंगों को कोई तो कैनवस चाहिए ही ना! संकल्प हो तो कितने रंग खिल सकते हैं? सच यह है कि ना ही दूसरों को अपना बनाना आसान है और ना ही दूसरों का होकर रह पाना। जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा की। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से एक सचेतन माहौल बनाएँ। उसमें सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, 'काला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए बिना किसी वास्तविकता को रचा नहीं जा सकता।' जीवन में सुख-दुख दोनों हैं। दोनों एक-दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है।

भारतीय चेतना का मूल स्वर रही है धर्म-धम्म की अवधारणा : राष्ट्रपति

मानवता के कल्याण के लिए शांति, प्रेम और एक-दूसरे के प्रति विश्वास आवश्यक : राज्यपाल श्री पटेल

राष्ट्रीय श्रीमती मुर्मु ने किया 7वें अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का उद्घाटन

युद्ध नहीं शांति, घृणा नहीं प्रेम, संघर्ष नहीं समन्वय, शत्रुता नहीं मित्रता जीवन में आवश्यक : मुख्यमंत्री

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने कहा है कि मानवता के दुख के कारण का बोध कराना और उस दुख को दूर करने का मार्ग दिखाना, पूर्व के मानववाद की विशेषता है, जो आज के युग में और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। धर्म-धम्म की अवधारणा भारतीय चेतना का मूल स्वर रही है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जो सबको धारण करता है, वह धर्म है। धर्म की आधार-शिला पर ही पूरी मानवता टिकी हुई है। राग और द्वेष से मुक्त होकर मैत्री, करूणा और अहिंसा की भावना से व्यक्ति और समाज का विकास करना, पूर्व के मानववाद का प्रमुख संदेश रहा है। नैतिकता पर आधारित व्यक्तिगत आचरण और समाज व्यवस्था पूर्व के मानववाद का ही व्यावहारिक रूप है। नैतिकता पर आधारित इस व्यवस्था को बचाए रखना और मजबूत करना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य माना गया है। धर्म-धम्म की हमारी परंपरा में 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की प्रार्थना हमारे जीवन का हिस्सा रही है। यही पूर्व के मानववाद का सार-तत्व है और आज के युग की सबसे बड़ी जरूरत भी है। यह सम्मेलन मानवता की एक बड़ी जरूरत को पूरा करने की दिशा में सार्थक प्रयास है। यही कामना है कि समस्त विश्व समुदाय पूर्व के मानववाद से लाभान्वित हो। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु कुशाभाऊ ठाकरे हाल भोपाल में 7वें अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के उद्घाटन कर रही थी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने धर्म-धम्म सम्मेलन के लिए राज्य सरकार, साँची विश्वविद्यालय और इंडिया फाउंडेशन की सराहना की। राष्ट्रपति ने श्रद्धेय श्री कुशाभऊ ठाकरे का स्मरण करते हुए कहा कि इस सभागार को कुशाभाऊ ठाकरे का नाम दिया गया है। जन-सेवा के कार्य में धर्म-धम्म के आदर्शों के अनुरूप निःस्वार्थ और संपूर्ण समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले ठाकरे जी का स्मरण सभी को नैतिकता, धर्म और सेवाभाव से जोड़ता है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारे देश की परंपरा में समाज व्यवस्था और राजनैतिक कार्य-कलापों में प्राचीन काल से ही धर्म को केन्द्रीय स्थान प्राप्त है। स्वाधीनता के बाद हमने जो लोकतांत्रिक व्यवस्था अपनाई उस पर धर्म-धम्म का गहरा प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों से यह स्पष्टतः प्रदर्शित होता है। अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जो धर्म-धम्म के विचार की वैश्विक अपील का प्रतीक है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हमारे भारतीय दर्शन की मान्यता इस विश्वास में निहित है कि विश्व सबके लिए है। युद्ध की कोई आवश्यकता ही नहीं है। मानवता के कल्याण के लिए शांति, प्रेम और एक-दूसरे के प्रति विश्वास आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश की सदियों पुरानी परंपरा विश्व शांति और मानव जाति के कल्याण में विश्वास रखती है और उसे बढ़ावा देती है। नैतिक और व्यवहारिक क्षेत्र में बौद्ध दृष्टिकोण भी मानव जाति की भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। समृद्ध समाज, राष्ट्र एवं विश्व निर्माण के लिए भारतीय सांस्कृतिक और सभ्यतागत अंतर्संबंधों की सदियों से चली आ रही चिंतन परम्परा पर बदलते समय और परिप्रेक्ष्य में नई दृष्टि से विचार समय की जरूरत है। वैश्विक परिदृश्य में अतिवाद, विस्तारवाद, जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मानवता को बचाने के मार्ग भारतीय ज्ञान एवं ऋषियों के चिन्तन में ही मिलेंगे। उन्होंने कहा कि धर्म-धम्म चिंतन से प्राचीन सभ्यताओं के बीच विचारों के परस्पर विनिमय से सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हिंसा और युद्ध से कराहते विश्व के लिए बुद्ध एक समाधान हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि साँची विश्वविद्यालय की स्थापना प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है। यहाँ भारतीय ज्ञान और बौद्ध दर्शन के अध्ययन के अवसर सृजित होंगे। पूर्व के मानववाद का मूल चिंतन है कि एक ही चेतना समस्त जड़ और चेतन में विद्वान हैं, सारी धरती एक ही परिवार है। हमारे यहाँ जिओ और जीने दो और 'धर्म की जय हो-अधर्म का नाश हो-प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो' का विचार सर्वत्र व्याप्त है। भारतीय संस्कृति में पशु-पक्षियों, नदियों, वृक्षों और पहाड़ों को भी पूजा गया है। दशावतार की अवधारणा में यह स्पष्टतः परिलक्षित होता है। भारतीय परंपरा में सारी धरती को एक परिवार माना गया है।

भारत में अमेरिकी राजदूत न होना शर्मिंदगी की बात : मार्क वार्नर

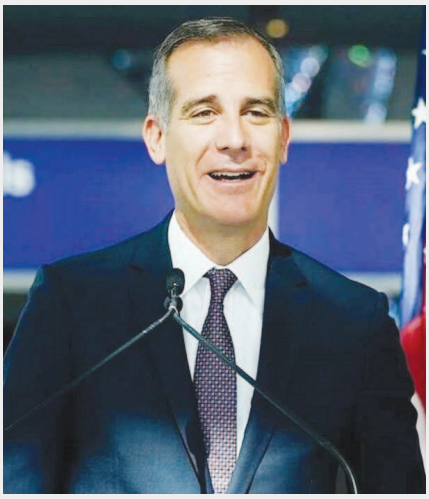

अमेरिका के शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसद मार्क वार्नर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में दो साल से अधिक समय से अमेरिकी राजदूत का न होना शर्मिंदगी की बात है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर मौजूदा दावेदार एरिक गार्सेटी अपनी नियुक्ति के लिए सीनेट की पुष्टि के वास्ते पर्याप्त वोट हासिल नहीं कर पाते हैं, तो ''उतने ही योग्य'' किसी अन्य उम्मीदवार के नाम पर विचार किया जाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जुलाई 2021 में लॉस एंजिलिस के पूर्व मेयर गार्सेटी (52) को भारत में अमेरिकी राजदूत के पद के लिए नामित किया था।

हालांकि, गार्सेटी के नामांकन को सीनेट में मतदान के लिए नहीं पेश किया गया क्योंकि इसकी पुष्टि के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के पास सदन में पर्याप्त संख्या बल नहीं था। इस मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर सीनेट की खुफिया मामलों की प्रवर समिति के अध्यक्ष मार्क वार्नर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "यह शर्मिंदगी की बात है कि हम कहते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रिश्तों में से एक है और फिर भी हमने भारत में अपना राजदूत नियुक्त नहीं किया है।" वार्नर पिछले सप्ताह भारत आए अमेरिकी संसद के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

उन्होंने कहा कि भारतीयों ने भी इस अहम समय में देश में अमेरिकी राजदूत की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया। शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसद ने कहा, "हमारे भारतीय मित्रों ने एक और बात कही कि आप (भारत के साथ मजबूत संबंधों के बारे में) इतनी बातें करते हैं, लेकिन (भारत में) आपका राजदूत ही नहीं है। अब यह मुद्दा (गार्सेटी के नामांकन की पुष्टि) घरेलू राजनीति में फंस गया है, लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी यह चाहते हैं कि राष्ट्रपति द्वारा नामित गार्सेटी की नियुक्ति की पुष्टि के लिए मतदान की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा, " अगर उनके नाम की पुष्टि होती है तो अच्छा है। अगर ऐसा नहीं हो पाता, तो हमें तत्काल उतने ही योग्य और सक्षम दावेदार को तलाशना होगा। हम भारत में सीनेट द्वारा पुष्ट एक राजदूत के बिना इस संबंध को बरकरार नहीं रख सकते।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पाक को करारा जवाब, कराई हिना रब्बानी की बोलती बंद...

भारत ने कहा कि पिछले एक दशक में जबरन गुमशुदगी पर पाकिस्तान के अपने जांच आयोग को 8,463 शिकायतें मिलीं। बलूच लोगों ने इस क्रूर नीति का खामियाजा भुगता है। छात्रों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों और समुदाय के नेताओं को राज्य द्वारा नियमित रूप से गायब कर दिया जाता है।

भारत ने पाकिस्तान पर एक बार फिर नई दिल्ली के खिलाफ अपने दुर्भावनापूर्ण प्रचार के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंच का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान द्वारा दिए गए एक बयान के जवाब में अपने उत्तर में भारत ने कहा कि पाक के प्रतिनिधि ने एक बार फिर भारत के खिलाफ अपने दुर्भावनापूर्ण प्रचार के लिए इस प्रतिष्ठित मंच का दुरुपयोग करना चुना है। भारत ने कहा कि पिछले एक दशक में जबरन गुमशुदगी पर पाकिस्तान के अपने जांच आयोग को 8,463 शिकायतें मिलीं। बलूच लोगों ने इस क्रूर नीति का खामियाजा भुगता है। छात्रों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों और समुदाय के नेताओं को राज्य द्वारा नियमित रूप से गायब कर दिया जाता है।

भारत ने आगे कहा कि ईसाई समुदाय के साथ भी उतना ही बुरा व्यवहार हो रहा है। इसे अक्सर ईशनिंदा कानूनों के माध्यम से लक्षित किया जाता है।

राज्य संस्थान आधिकारिक तौर पर ईसाइयों के लिए 'स्वच्छता' नौकरियां आरक्षित करते हैं।' एक हिंसक राज्य और एक उदासीन न्यायपालिका। हिंदू और सिख समुदाय अपने पूजा स्थलों पर लगातार हमलों और अपनी कम उम्र की लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन के समान मुद्दों का सामना करते हैं।

भारतीय मूल की तेजल मेहता मैसाच्युसेट्स की एक जिला अदालत की प्रथम न्यायाधीश बनीं

मेहता भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर वास्तविक प्रभाव डालने और लोगों के साथ दया से पेश आने का संकल्प लेकर सुर्खियों में आई थीं। वह आयर जिला अदालत की सहायक न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं। भारतीय मूल की महिला न्यायाधीश तेजल मेहता ने अमेरिका के मैसाच्युसेट्स प्रांत की एक जिला अदालत की प्रथम न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की है। वह आयर जिला अदालत की प्रथम न्यायाधीश के तौर पर सेवाएं देंगी। उन्होंने पिछले बृहस्पतिवार को इस अदालत की न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। मेहता भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर वास्तविक प्रभाव डालने और लोगों के साथ दया से पेश आने का संकल्प लेकर सुर्खियों में आई थीं। वह आयर जिला अदालत की सहायक न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं।

'लॉवेल सन' अखबार में प्रकाशित खबर के मुताबिक, मेहता को सर्वसम्मति से आयर जिला अदालत की प्रथम न्यायाधीश चुना गया। जिला अदालत की मुख्य न्यायाधीश स्टेसी फोट्र्स ने उन्हें दो मार्च को शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति

फोट्र्स ने कहा, "मुझे यकीन है कि उनके नेतृत्व के साथ... आयर जिला अदालत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना बाकी है।" वहीं, मेहता ने कहा, "एक वकील के रूप में आप लोगों की मदद कर सकते हैं, लेकिन आप एक सीमा तक ही उनकी मदद कर सकते हैं। एक न्यायाधीश के तौर पर आप बहुत ज्यादा कर सकते हैं। आप मुद्दे की जड़ तक जा सकते हैं। आप लोगों से इस तरह से बात कर सकते हैं कि यह वास्तव में उन तक पहुंचे।"

...आदिवासियों के भगोरिया मेले में दिखे लोक संस्कृति के अनेक रंग

आधुनिकता की झलक भी दिख रही मेलों में

होली से करीब एक हफ्ता पहले शुरू होने वाला आदिवासी समाज का भगोरिया मेला इन दिनों अपने चरम पर है। प्रदेश के कई जिलों में इस मेले में लोक संस्कृति के रंग के साथ आधुनिकता की झलक भी दिख रही है। राजधानी प्रदेश के जिलों के आदिवासी क्षेत्रों में इन दिनों भगोरिया मेले की धूम मची है। इन भगोरिया मेलों में आदिवासी लोक संस्कृति के रंग चरम पर नजर आ रहे हैं। मेले में आदिवासी संस्कृति और आधुनिकता की झलक देखने को मिल रही है। भगोरिया पर्व आदिवासियों के जीवन में यह उल्लास और आनंद भर रहा है। एक दिन पहले ही सीहोर जिले के आदिवासी अंचल बिलकिसगंज व लाडक़ुई में भगोरिया मेले का आयोजन किया गया। मेलों में आदिवासी युवक और युवती व समाज के लोग आदिवासी परिधानों में नजर आए। हालांकि इस बार भगोरिया मेले में आधुनिकता भी चरम पर रही।

नाचते-गाते मनाया पर्व

आदिवासी ग्राम बिलकिसगंज व लाडक़ुई में आयोजित हुए भगोरिया मेले में आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिली। आदिवासी लोगों की अलग-अलग टोलियां मेले में बांसुरी, ढोल और मांदल बजाते नजर आई। इस दौरान

आदिवासी युवतियां भी मेले में सजधज कर आईं।

कभी पान के जरिए होता था प्यार का इजहार

बता दें कि भगोरिया मेले में आदिवासी युवक-युवतियों को अपने जीवन साथी मिलते हैं। परम्परा थी कि पहले आदिवासी युवक युवती को पान देता था, युवती के पान खाते ही प्यार का इजहार माना जाता था, हालांकि, अब यह परम्परा आधुनिकता के साथ बदल गई है। अब पान के जरिए नहीं, बल्कि आंखों के जरिए प्यार होता नजर आया। इधर भगोरिया मेले में खाने- पीने की दुकानें लगीं तो वहीं युवक-युवतियों और महिला, बच्चों ने झूलों का भी आनंद लिया। बता दें सात दिवसीय भगोरिया पर्व अब अंतिम दौर में है।

आदिवासी अंचलों में होली के एक हफ्ते पहले हो जाती है भगोरिया मेले की शुरुआत

बता दें कि होली के सात दिन पहले से ही जिले के आदिवासी अंचलों में भगोरिया मेले की शुरुआत हो जाती है। इस बार भी एक मार्च से मेले की शुरुआत हो चुकी है, जिले के कई आदिवासी क्षेत्रों में भगोरिया मेला लगा। एक दिन पहले राजधानी भोपाल से 25 किलोमीटर दूर बिलकिसगंज व लाडक़ुई गांव में भगोरिया मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान हर तरफ आदिवासी युवाओं की टोली मस्ती करती नजर आ रही है। लाडक़ुई गांव में बारेला समुदाय की ओर से भगोरिया पर्व मनाया गया। आयोजन में समाज की महिला, पुरुष व बच्चे अपनी पारंपरिक व सामाजिक वेशभूषा में सज-धजकर ढोल-ढमाके व रंग गुलाल के साथ धूमधाम से त्यौहार मनाते नजर आए। आदिवासियों ने ढोल और मांदल की थाप पर जमकर नृत्य भी किया।

हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति संबंधी याचिका के लिए पीठ गठित करेगा न्यायालय

महिला वकील की दलील थी कि (मुस्लिम) लड़कियों का एक और शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने के कगार पर है, क्योंकि सरकारी विद्यालयों में परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, जहां हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कर्नाटक के सरकारी स्कूलों में हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति मांग रही मुस्लिम छात्राओं की याचिका पर सुनवाई के लिए तीन न्यायाधीशों की पीठ का गठन करेगा। जब एक महिला वकील ने याचिकाओं की त्वरित सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख किया तो प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति

जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने कहा कि एक पीठ गठित की जाएगी। महिला वकील की दलील थी कि (मुस्लिम) लड़कियों का एक और शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने के कगार पर है, क्योंकि सरकारी विद्यालयों में परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, जहां हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जा रही है। प्रारंभ में, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि मामले को होली की छुट्टियों के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। वकील ने कहा कि परीक्षा पांच दिनों के बाद आयोजित होने वाली है। उन्होंने आगे कहा, "उनका एक साल बर्बाद हो चुका है। उनका यह साल भी बर्बाद हो जाएगा।'' जब पीठ ने यह कहा कि छुट्टियां शुरू होने से एक दिन पहले मामले का उल्लेख किया गया है, तो वकील ने कहा कि पहले भी दो बार मामले का उल्लेख किया जा चुका है।

आईपीएस रश्मि शुक्ला होंगी सशस्त्र सीमा बल की नई डीजी, सरकार ने जारी किए आदेश

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को सीमा सशस्त्र बल का नया डीजी नियुक्ति किया गया है। रश्मि शुक्ला 1988 बैच की महाराष्ट्र कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं। फिलहाल वह सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में अतिरिक्त डीजी के पद पर तैनात थीं। कैबिनेट की नियुक्ति कमेटी ने रश्मि शुक्ला के नाम को मंजूरी दी थी, जिसके कार्मिक मंत्रालय ने इसके आदेश जारी कर दिए। रश्मि शुक्ला 30 जून 2024 तक सशस्त्र सीमा बल के डीजी पद पर अपनी सेवाएं देंगी। जब साल 2019 में शिवसेना नेता संजय राउत और एनसीपी नेता एकनाथ खडसे के फोन टैप होने के आरोप लगे थे तो उस वक्त रश्मि शुक्ला ही महाराष्ट्र पुलिस के खूफिया विभाग की प्रमुख थीं। इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थी। हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी, जिसके बाद रश्मि शुक्ला ने कोर्ट में अर्जी दायर कर उन्हें आरोप मुक्त करने की अपील की थी। एसएसबी नेपाल और भूटान सीमा की रक्षा करने वाला बल है। यह गृह मंत्रालय के तहत आने वाले सात केंद्रीय सुरक्षा बलों में से एक है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। साल 1963 में इसकी स्थापना की गई थी।

समाचार पत्रिका के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा फार्म 4

प्रकाशन स्थल	:	शिव कॉलोनी गली नं. 4, रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, ग्वालियर
प्रकाशन की अवधि	:	मासिक
मुद्रक का नाम	:	मनोज कुमार चतुर्वेदी
क्या भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	शिव कॉलोनी गली नं. 4, रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, ग्वालियर
प्रकाशक का नाम	:	मनोज कुमार चतुर्वेदी
क्या भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	शिव कॉलोनी गली नं. 4, रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, ग्वालियर
क्या भारत का नागरिक है	:	हां

मैं मनोज कुमार चतुर्वेदी एतद द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

हस्ताक्षर

मार्च 2023

मनोज कुमार चतुर्वेदी
प्रकाशक के हस्ताक्षर

तीन राज्यों में हार पर कांग्रेस को घेरा

राहुल गांधी के बदले लुक पर सिंधिया का तंज...

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नागालैंड मेघालय और त्रिपुरा में कांग्रेस को मिली हार का जिम्मेदार सीधे तौर पर राहुल गांधी को ही बता दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पूरे देश की जनता ने नकार दिया है। मैं लुक की बात नहीं करना चाहता। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया अपनी पुरानी पार्टी पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रहते हैं। एक बार फिर से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। इतना ही नहीं, उन्होंने पूर्वोत्तर के 3 राज्यों में कांग्रेस की हार पर भी चुटकी ली है। दरअसल, ज्योतिरादित्य सिंधिया एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ग्वालियर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश के बजट की भी तारीफ की। पत्रकारों ने उनसे राहुल गांधी के बदले लुक पर भी सवाल पूछा। इस पर उन्होंने कहा कि लुक और परिचय के बाद मैं नहीं कहूंगा। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि उनका कोई लुक बाकी रह गया है क्या?

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नागालैंड मेघालय और त्रिपुरा में कांग्रेस को मिली हार का जिम्मेदार सीधे तौर पर राहुल गांधी को ही बता दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पूरे देश की जनता ने नकार दिया है। मैं लुक की बात नहीं करना चाहता।

लेकिन पूर्वोत्तर के परिणाम बता रहे हैं कि देश में सियासी फिजा मैं उनकी हैसियत अब क्या रह गई है? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 3 राज्यों के परिणाम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि राहुल गांधी और भारत जोड़ो यात्रा को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया है। सिंधिया ने दावा किया कि मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस की स्थिति खराब है और अभी से ही इसके रुझान मिलने लगे हैं। 2023 के आखिर में मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। कांग्रेस को इससे जोड़ते हुए उन्होंने कहा किया तब तक पार्टी ना बचे। मध्य प्रदेश के बजट के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया। उन्होंने मध्यप्रदेश के बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा राज्य के हितों को ध्यान में रखते हुए कई बड़े ऐलान किए गए हैं।

ड्रायविंग लाइसेंस : मेडिकल सर्टिफिकेट भी मान्य

आम नागरिकों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएँ प्रदान करने की दृष्टि से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है। अब कोई भी आवेदक लर्निंग लाइसेंस, नवीन ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन, नवीनीकरण अथवा ड्राइविंग लाइसेंस में अन्य श्रेणी के आवेदन के साथ रजिस्टर्ड चिकित्सक द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म 1ए में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि एक अप्रैल 2021 के पूर्व उक्त मेडिकल सर्टिफिकेट मैनुअल तरीके से जारी किए जाने का प्रावधान था। मेडिकल काउंसिल में रजिस्टर्ड चिकित्सक पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म 1ए में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें एनआईसी के सारथी पोर्टल पर पंजीयन कराना आवश्यक है। ज्यादा सुविधाएँ प्रदान करने की दृष्टि से ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है। अब कोई भी आवेदक लर्निंग लाइसेंस, नवीन ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन, नवीनीकरण अथवा ड्राइविंग लाइसेंस में अन्य श्रेणी के आवेदन के साथ रजिस्टर्ड चिकित्सक द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म 1ए में मेडिकल सर्टिफिकेट जारी कर सकेंगे।

हमारे लोकतांत्रिक ढांचों पर 'बर्बर प्रहार' हो रहा है : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय लोकतांत्रिक ढांचों पर "बर्बर हमले" हो रहे हैं और देश के लिए एक वैकल्पिक नजरिये के इर्दगिर्द एकजुट होने के लिए विपक्षी दलों में बातचीत चल रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि बीबीसी के खिलाफ हालिया कर सर्वेक्षण कार्रवाई "देश भर में आवाज के दमन" का एक उदाहरण था। उन्होंने कहा कि यह वजह है कि देश को खामोश करने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रयासों के खिलाफ आवाज उठाने की अभिव्यक्ति के तौर पर उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' की।

यहां इंडियन जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (आईजेए) द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'इंडिया इनसाइट्स' में गांधी ने संवाददाताओं को बताया, "यात्रा इसलिए जरूरी हो गई क्योंकि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे पर बर्बर हमले हो रहे हैं।" उन्होंने कहा, "मीडिया, संस्थागत ढांचे, न्यायपालिका, संसद सभी पर हमले हो रहे हैं और हमें सामान्य माध्यम से लोगों के मुद्दे रखने में बहुत मुश्किल हो रही थी।"

उन्होंने कहा, "बीबीसी को इस बारे में अभी पता चला है, लेकिन भारत में यह सिलसिला पिछले नौ साल से लगातार चल रहा है। सभी जानते हैं कि पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है, उन पर हमले किए जाते हैं और धमकाया जाता है। सरकार की पैरवी करने वाले पत्रकारों को पुरस्कृत किया जाता है। तो, यह एक पैटर्न का हिस्सा है और मैं कुछ अलग होने की उम्मीद नहीं करूंगा। अगर बीबीसी सरकार के खिलाफ लिखना बंद कर दे तो सब कुछ सामान्य हो जाएगा। सारे मामले गायब हो जाएंगे।"

गांधी ने खेद व्यक्त किया कि अमेरिका और यूरोप सहित दुनिया के लोकतांत्रिक हिस्से यह संज्ञान लेने में विफल रहे हैं कि "लोकतंत्र का एक बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया गया है"। उन्होंने कहा, "भाजपा चाहती है कि भारत खामोश रहे। वे चाहते हैं कि यह शांत हो... क्योंकि वे चाहते हैं कि जो भारत का है उसे ले सकें और अपने करीबी दोस्तों को दे सकें। यही विचार है, लोगों का ध्यान भटकाना और फिर भारत की संपत्ति को तीन, चार, पांच लोगों को सौंप देना।

माल्या को बड़ा झटका

भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किये जाने के खिलाफ याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

मुंबई की विशेष अदालत ने पांच जनवरी, 2019 को अधिनियम के तहत माल्या को भगोड़ा घोषित किया था। अधिनियम के प्रावधानों के तहत, एक बार किसी व्यक्ति को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किए जाने के बाद, अभियोजन एजेंसी के पास उसकी संपत्ति को जब्त करने की शक्तियां होती हैं।

भारत के भगोड़े विजय माल्या को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने विजय माल्या की एक याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, मुंबई की एक अदालत में उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किये जाने और उनकी संपत्तियों को जब्त करने की कार्यवाही को चुनौती दी थी। इसी को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी जिस को सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट में विजय माल्या का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने साफ तौर पर कहा है कि इस मामले में उन्हें अपने मुवक्किल से कोई निर्देश नहीं मिल रहा है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने कहा, ''याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि याचिकाकर्ता उन्हें कोई निर्देश नहीं दे रहा है। इस बयान के मद्देनजर, मुकदमा न चलाने संबंधी याचिका खारिज की जाती है।'' शीर्ष अदालत ने माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत भगोड़ा घोषित करने को लेकर मुंबई में विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष प्रवर्तन निदेशालय की याचिका की सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इससे पहले शीर्ष अदालत ने सात दिसंबर, 2018 को माल्या की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया था।

मुंबई की विशेष अदालत ने पांच जनवरी, 2019 को

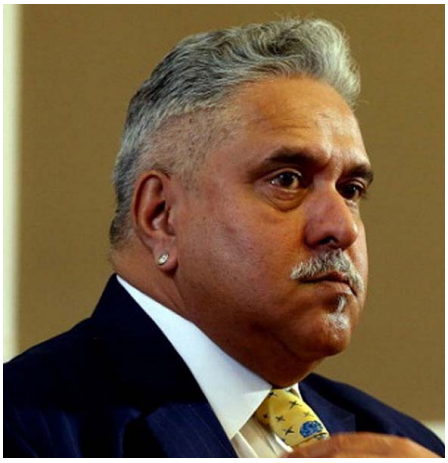

अधिनियम के तहत माल्या को भगोड़ा घोषित किया था। अधिनियम के प्रावधानों के तहत, एक बार किसी व्यक्ति को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किए जाने के बाद, अभियोजन एजेंसी के पास उसकी संपत्ति को जब्त करने की शक्तियां होती हैं। मार्च 2016 में ब्रिटेन भाग गया माल्या 9,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में भारत में वांछित है। कई बैंकों ने बतौर ऋण किंगफिशर एयरलाइंस (केएफए) को यह राशि दी थी। शीर्ष अदालत ने एक अलग मामले में 11 जुलाई, 2022 को, माल्या को अदालत की अवमानना के लिए चार महीने की जेल की सजा सुनाई थी और केंद्र को भगोड़े व्यवसायी की मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था, ताकि भगोड़ा कारोबारी सजा भुगत सके।

गुजरात के फर्म पर ईडी के छापे में 10 करोड़ के हीरे जब्त, 3 गिरफ्तार

ईडी ने शुक्रवार को बताया कि उसने 'चीन नियंत्रित' ऋण देने वाले मोबाइल एप्लीकेशन से जुड़े मनीलॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत गुजरात की एक कंपनी पर छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

ईडी ने शुक्रवार को 'चीन नियंत्रित' ऋण देने वाले मोबाइल एप्लीकेशन से जुड़े मनीलॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत गुजरात की एक कंपनी पर छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने बताया कि इस दौरान 25 लाख रुपये नकद और 10 करोड़ रुपये मूल्य के हीरे व सोना बरामद किया गया है।

संघीय जांच एजेंसी ने बताया कि उसने सागर डायमंड्स लिमिटेड, आरएचसी ग्लोबल एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, उसके निदेशकों वैभव दीपक शाह और उनके सहयोगियों के सूरत सेज (विशेष आर्थिक जोन), अहमदाबाद और मुंबई स्थित 14 परिसरों की तलाशी ली। यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 'पावर बैंक एप' (मोबाइल एप्लीकेशन) के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले से जुड़ी है। इस एप से कथित रूप से हजारों आम लोगों से ठगी की गई है।

उधर, ईडी ने बताया कि उसने कथित चिटफंड धोखाधड़ी से जुड़ी जांच के तहत पश्चिम बंगाल की दो कंपनियों पर छापा मारकर 1.27 करोड़ रुपये नकद जब्त किए। कंपनियों ने निवेशकों से 790 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की। ये छापे एक मार्च को उत्तर प्रदेश के आगरा के अलावा पश्चिम बंगाल में कोलकाता, सिलीगुड़ी और हावड़ा में 15 परिसरों पर पड़े। ईडी ने पिनकॉन ग्रुप और टावर इंफोटेक लिमिटेड नाम की कंपनियों पर कार्रवाई की। मनीलॉन्ड्रिंग का मामला इन दो कंपनियों के खिलाफ पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से 156 करोड़ रुपये (टावर इंफोटेक) और 638 करोड़ रुपये (पिनकॉन ग्रुप) के धन की कथित हेराफेरी के लिए दायर की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

एजेंसी ने बताया, तलाशी के दौरान पता चला कि बहीखाते में हजारों करोड़ रुपये कीमत के शेयर दिखाए गए हैं जबकि उनकी वास्तविक कीमत करीब 10 करोड़ रुपये है।

आशा करते हैं केन्द्र सरकार गोवध प्रतिबंधित का निर्णय लेगी : कोर्ट

न्यायमूर्ति शमीम अहमद की एकल पीठ ने कहा, ''हम एक धर्मनिरपेक्ष देश में रह रहे हैं और सभी धर्मों के लिए सम्मान होना चाहिए। हिंदू धर्म में यह विश्वास है कि गाय दैवीय है और प्राकृतिक रूप से लाभकारी है। इसलिए इसकी रक्षा और पूजा की जानी चाहिए।''

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने आशा जतायी है कि केन्द्र सरकार गोवध को प्रतिबंधित करने और गायों को 'संरक्षित राष्ट्रीय पशु' घोषित करने के लिए उचित निर्णय लेगी। न्यायमूर्ति शमीम अहमद की एकल पीठ ने कहा, ''हम एक धर्मनिरपेक्ष देश में रह रहे हैं और सभी धर्मों के लिए सम्मान होना चाहिए। हिंदू धर्म में यह विश्वास है कि गाय दैवीय है और प्राकृतिक रूप से लाभकारी है। इसलिए इसकी रक्षा और पूजा की जानी चाहिए।''

पीठ ने यह फैसला बाराबंकी निवासी मोहम्मद अब्दुल खालिक की एक याचिका को 14 फरवरी 2023 को खारिज करते हुए पारित किया, जिसमें याचिकाकर्ता के खिलाफ उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम, 1955 के संबंध में दर्ज आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता अब्दुल खालिक ने दलील दी थी कि पुलिस ने बिना किसी सबूत के उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और इसलिए उसके खिलाफ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत संख्या -16, बाराबंकी की अदालत में लंबित कार्यवाही को रद्द किया जाना चाहिए।

आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति अहमद ने कहा, ''गाय विभिन्न देवी-देवताओं से भी जुड़ी हुई है... खास तौर से भगवान शिव (जिनकी सवारी है, नंदी), भगवान इन्द्र (कामधेनु गाय से जुड़े हैं) भगवान कृष्ण (जो बाल काल में गाय चराते थे) और सामान्य देवी-देवता।'' उन्होंने कहा, ''किंवदंतियों के अनुसार, वह (गाय) समुन्द्रमंथन के दौरान दूध के सागर से प्रकट हुई थी। उसे सप्त ऋषियों को दिया गया और बाद में वह महर्षि वशिष्ठ के पाय पहुंचीं।''

न्यायमूर्ति ने आगे कहा, ''उसके (गाय) पैर चार वेदों के प्रतीक हैं, उसके दूध का स्रोत चार पुरुषार्थ (धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष) है, उसके सींग देवताओं का प्रतीक हैं, उसका चेहरा सूर्य और चंद्रमा और उसके कंधे अग्नि या अग्नि के देवता हैं। गाय को अन्य रूपों में भी वर्णित किया गया है, जैसे नंदा, सुनंदा, सुरभि, सुशीला और सुमना। गाय की पूजा की उत्पत्ति वैदिक काल (दूसरी सहस्राब्दी 7 वीं शताब्दी ईसा पूर्व) में देखी जा सकती है।''

पीठ ने कहा, ''हिंद-यूरोपीय लोग जो ईसा पूर्व दूसरी सहस्राब्दी में भारत आए वे सभी चरवाहे थे। मवेशियों का बहुत आर्थिक महत्व था जो उनके धर्म में भी परिलक्षित होता है। दूधारू गायों का वध पूरी तरह प्रतिबंधित था। यह महाभारत और मनुस्मृति में भी प्रतिबंधित है।'' अदालत ने कहा कि दुधारू गायों को ऋगवेद में 'सर्वोत्तम' बताया गया है। उसने कहा कि गाय से मिलने वाले पदार्थों से पंचगव्य तक बनता इसलिए पुराणों में गोदान को सर्वोत्तम कहा गया है।

पीठ ने कहा कि भगवान राम के विवाह में भी गायों को उपहार में देने का वर्णन है। अपने आदेश में अदालत ने कहा, ''जो लोग गाय का वध करते हैं वे नर्क में जाते हैं और नर्क में उन्हें उतने सालों तक रहना पड़ता है जितने उनके शरीर में बाल होते हैं।'' याचिका खारिज करने से पहले पीठ ने कहा कि 19वीं और 20वीं शताब्दी के अंत में भारत में गायों की रक्षा के लिए एक आंदोलन शुरू हुआ, जिसने भारत सरकार से देश में तत्काल प्रभाव से गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए नागरिकों को एकजुट करने का प्रयास किया।

उद्विकास के क्रम में मछली किस तरह से मानव में तब्दील हो गई

यह सुनना थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन इसका साक्ष्य हमारे जीन, शरीर-रचना और जीवाश्मों में मौजूद है। हम जंतुओं के एक ऐसे समूह से ताल्लुक रखते हैं जो जमीन पर रहने वाली 'सार्कोप्टरिजिया' हैं।

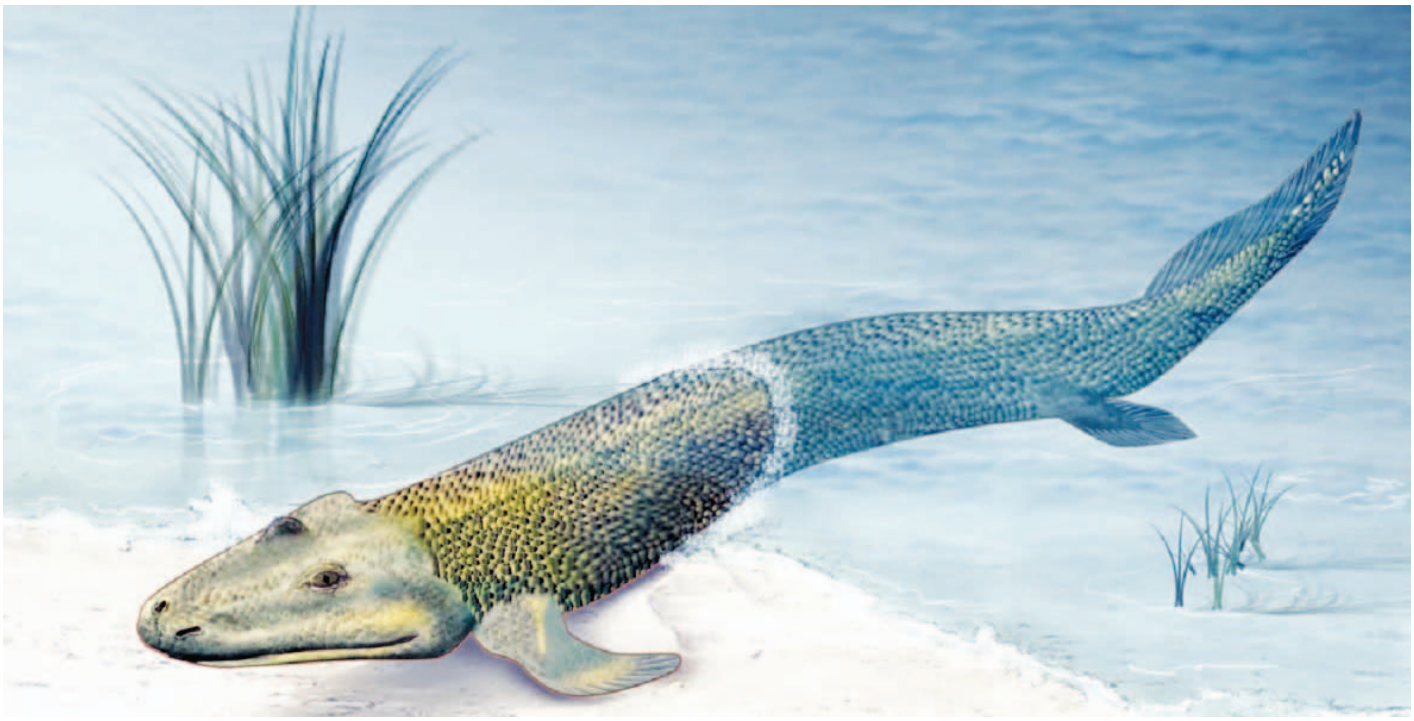

मानव उद्विकास के बारे में जब आप सोचते हैं, तब यह संभावना अधिक होती है कि आप प्राचीन काल में जंगलों में रहने वाले चिंपाजी या प्रारंभिक मानवों द्वारा गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई विशालकाय जंतुओं की कल्पना करें। लेकिन भालुओं, छिपकली,गुंजन पक्षी और डायनासोर के साथ-साथ हम मानव भी असल में एक तरह से मछलियां ही हैं। यह सुनना थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन इसका साक्ष्य हमारे जीन, शरीर-रचना और जीवाश्मों में मौजूद है। हम जंतुओं के एक ऐसे समूह से ताल्लुक रखते हैं जो जमीन पर रहने वाली 'सार्कोप्टरिजिया' हैं।

लेकिन उद्विकास के क्रम में हुए अत्यधिक परिवर्तन के कारण हमारा यह मौजूदा स्वरूप है। सार्कोप्टरिजिया या लोब-फ़िन मछलियाँ ऐसी मछलियाँ होती हैं, जिनके फ़िन (पर) केवल एक मुख्य हड्डी से उनके धड़ से जुड़े होते है। हम मछलियों को तैराकी करने में माहिर समझते हैं, लेकिन असल में उन्होंने यह क्षमता कम से कम पांच गुना चल कर विकसित की है। कुछ प्रजातियों ने सुविकसित पर का उपयोग कर इस दिशा में खुद को अधिक विकसित किया।

हमारे सार्कोप्टरिजिया पूर्वज ने स्थल पर आने से पहले फेफड़े और अन्य श्वसन तंत्र, अस्थियुक्त अंग और एक मजबूत मेरूदंड विकसित किये। यह अनुकूलन न सिर्फ जलीय परिवेश में उपयोगी साबित हुआ, बल्कि इससे हमारे पूर्वजों को रहने के लिए स्थल तलाशने में भी मदद मिली, जहां उन्होंने जीवन के लिए अनुकूलन किया। जल से स्थल पर आना रीढ़दार प्राणी के उद्विकास में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम था।

शायद इसकी शुरूआत हमलावरों से बचने के लिए हुई होगी, लेकिन हमारे पूर्वजों ने रहने के लिए जो जगह ढूंढी थी, वह पहले से काई,होर्सेटेल और फर्न जैसे पादपों से समृद्ध था। हम अकेले नहीं हैंः वर्तमान में मछलियों की 30,000 से अधिक प्रजातियां हैं, जिनमें से कुछ ही चल सकती हैं। सार्कोप्टरिजिया, कई तरह से अन्य प्रकार की मछलियों से अलग है। उदाहरण के लिए, हमारे पैरों में हड्डियों का सहारा है, जिनके ऊपर मांसपेशियां हैं और यह हमें जमीन पर चलने में मदद करती है।

इस अनुकूलन ने डेवोनियन काल (करीब 37.5 करोड़ वर्ष पूर्व) के अंत में हमारे जल से स्थल पर आने में उभयचरों (जल में और स्थल पर रहने वाले जीवों), स्तनधारियों, सरीसृप और पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई होगी। चलने वाली सार्कोप्टरिजिया मछलियां या तो विलुप्त हो गईं या उनका उद्विकास इतना अधिक हो गया कि हम बाद के समय में उनकी पहचान मछली के रूप में नहीं कर सकें। इसका एक उदाहरण मडस्किपर मछली है।

यह मैंग्रोव वन के दलदली क्षेत्र में पायी जाती है और स्थल पर चलने के लिए अपने पर का इस्तेमाल करती हैं। एक अन्य उदाहरण चलने वाली कैटफिश है, जो जमीन पर चलने के लिए अपने पर का उपयोग करती है। एक बड़ा सवाल यह है कि चलने में सक्षम बनाने वाली मांसपेशी के विकास के लिए किस जीन ने अहम भूमिका निभाई होगी? इसका पता लगाने के लिए सियोल और न्यूयॉर्क के शोधार्थियों की एक टीम ने इस विषय पर गौर किया कि तंत्रिका में कौन सा जीन सक्रिय था, जो चुहिया, मुर्गी और स्केट (एक तरह की मछली) में पैर की मांसपेशियों को नियंत्रित करता है।

उन्होंने प्रेरक तंत्रिका में इसी तरह की जीन पद्धति का पता लगाया जो इन मांसपेशियों को काम करने में मदद करती है। हमारे पूर्वज शिकार करने, हमलावर जंतुओं से बचने के लिए दौड़ा करते थे। इसने हमारी शरीर-रचना को आकार दिया। कई अध्ययनों से यह प्रदर्शित हुआ है कि चलना और दौड़ना हमारी तंदुरूस्ती एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

सऊदी विश्लेषक ने भारत की विदेश नीति को सराहा

कहा- अन्य देशों की इच्छा से नहीं चलता भारत

सलमान-अल-अंसारी ने कहा कि इस समय, कोई भी देश जंग बढ़ाना नहीं चाहता। इसके बजाय, सभी संघर्षरत पक्षों को वार्ता की मेज पर लाने के लिए काम कर रहे हैं।

भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की प्रशंसा करते हुए, सऊदी अरब के एक शोधकर्ता और राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि वह इस बात की प्रशंसा करते हैं कि कैसे नई दिल्ली अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखता है। उन्होंने कहा कि अपनी विदेश नीति को आकार देने की बात आने पर भारत पश्चिमी या पूर्वी शक्तियों के दबाव में नहीं आता।

सलमान-अल-अंसारी ने एक साक्षात्कार में कहा, जिन चीजों का मैं जिक्र करना चाहूंगा उनमें से एक यह है कि मैं भारत की विदेश नीति के बदले स्वरूप के संबंध में उसकी सबसे अधिक सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह तथ्य है कि पश्चिमी या पूर्वी देश जो चाहते हैं उसका भारत पालन नहीं करता है।

अंसारी ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसे सऊदी अरब के साम्राज्य ने हमेशा प्रोत्साहित किया है क्योंकि हम संप्रभुता में विश्वास करते हैं और उसका पालन करते हैं जैसा कि कोई अन्य स्वतंत्र देश करता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष पर विश्लेषक ने कहा कि रियाद और दिल्ली दोनों ही अपने को समताकारी मानते हैं।

सलमान ने कहा कि इस समय, कोई भी देश जंग बढ़ाना नहीं चाहता। इसके बजाय, सभी संघर्षरत पक्षों को वार्ता की मेज पर लाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सऊदी अरब और भारत, जिसे पूरी दुनिया में महाशक्ति माना जाता है, के लिए भी सहायक और महत्वपूर्ण है।

यूक्रेन पर रूस का हमला विनाशकारी कदम

शोधकर्ता और राजनीतिक विश्लेषक सलमान-अल-अंसारी ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यूक्रेन पर रूसी आक्रमण एक विनाशकारी कदम था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुनिया के अधिकांश देश इस कदम और सऊदी अरब के खिलाफ थे, और भारत ने इस संबंध में अपनी चिंता व्यक्त की है। लेकिन साथ ही, हम ऐसी स्थिति में नहीं रहना चाहते हैं जहां हम किसी एक का पक्ष लें। अंसारी ने भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षी संबंधों के विकास पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं। यह कुछ सौ वर्षों नहीं बल्कि दो हजार साल पुराने हैं।

मानसिक व शारीरिक सेहत के लिए कालेजों में होगा योग...

वि श्वविद्यालयों में खेलों के विकास और प्रचार शीर्षक वाले चौथे सत्र में अल-मरवाई ने बताया कि समिति यूनिवर्सिटीज में योग को पेश करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। अरब न्यूज ने बताया कि इस संबंध में स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योगाभ्यास के महत्व पर जोर दिया गया है।

अरब न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब अपने विश्वविद्यालयों में मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को ध्यान में रखते हुए योग शुरू करने के लिए तैयार है। सऊदी योग समिति के अध्यक्ष नौफ अल-मरवाई के अनुसार, अगले कुछ माह में योग को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए सऊदी अरब के कुछ प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। विश्वविद्यालयों में खेलों के विकास और प्रचार शीर्षक वाले चौथे सत्र में अल-मरवाई ने बताया कि समिति यूनिवर्सिटीज में योग को पेश करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। अरब न्यूज ने बताया कि इस संबंध में स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योगाभ्यास के महत्व पर जोर दिया गया है। इस प्रचार में बताया गया कि योगाभ्यास शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों तरह से सेहत के लिए फायदेमंद है।

अल-मरवाई ने कहा, विजन-2030 के सबसे अहम स्तंभों में से एक, खेल गतिविधियों में लोगों की महाद्वीपीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी बढ़ाना और स्थानीय स्तर पर खेल उत्कृष्टता हासिल करना है।

प्राणायाम श्वास तकनीक शामिल...अल-मरवाई ने बताया, योग गतिविधियों में आसन अभ्यास, प्राणायाम श्वास तकनीक, बंद मासपेशियों पर नियंत्रण और ध्यान व योग निद्रा, ध्यान व विश्राम शामिल हैं। इस सत्र में अंतरराष्ट्रीय विवि खेल महासंघ के अध्यक्ष लियोन्ज एडर व महानिदेशक पाउलो फरेरा भी थे।

सरकार का प्रतिनिधित्व करेगी समिति

सऊदी योग समिति के अध्यक्ष नौफ अल-मरवाई ने कहा, समिति का लक्ष्य सामान्य रूपसे सभी तरह के योग अथवा योगासन खेलों में विशिष्ट योग चिकित्सकों की प्रतिभा की खोज करना और उसे निखारना है। समिति स्थानीय व अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में सरकार का प्रतिनिधित्व करेगी व उनका समर्थन करेगी।

पूर्वोत्तर के पांच राज्यों की सैर कराएगी 'भारत गौरव ट्रेन'

इंडियन रेलवे 21 मार्च को पूर्वोत्तर के लिए अपनी पहली 'भारत गौरव ट्रेन' शुरू करने को तैयार है। यह ट्रेन यात्रियों को इस क्षेत्र की यात्रा करने की पेशकश करेगी। यह 15 दिवसीय यात्रा में असम, अरुणाचलच प्रदेश, नगालैंड, त्रिपुरा और मेघालय को कवर करेगी। रेल मंत्रालय ने एक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी।

EMI विकल्प प्रदान करने के लिए पेटीएम-रेजरपे से करार

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने ग्राहकों को ईएमआई भुगतान विकल्प प्रदान करने के लिए पेटीएम और रेजरपे के साथ भी करार किया है।

अत्याधुनिक डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में बैठ सकेंगे 156 यात्री

डीएमआरसी ने एक बयान में कहा, यह बहुप्रतीक्षित ट्रेन टूर 'नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरीः बियॉन्ड गुवाहाटी' 21 मार्च 2023 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 14 रातों/15 दिनों के यात्रा कार्यक्रम पर रवाना होने के लिए तैयार है। बयान में कहा गया, एसी-I और एसी-II श्रेणी वाली अत्याधुनिक डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में कुल 156 पर्यटक बैठ सकेंगे।

15 दिवसीय यात्रा में पूर्वोत्तर के ये इलाके होंगे कवर

यात्रा के हिस्से के रूप में जिन स्थानों को कवर किया जाएगा उनमें असम के गुवाहाटी, शिवसागर, जोरहाट और काजीरंगा शामिल हैं। वहीं त्रिपुरा में उनाकोटी, अगरतला और उदयपुर; नगालैंड में दीमापुर और कोहिमा; मेघालय में शिलॉन्ग और चेरापूंजी को कवर किया जाएगा। पर्यटक दिल्ली, गाजिबाद, अलीगढ़, टूंडला, इटावा, कानपुर, लखनऊ और वाराणसी रेलवे स्टेशनों पर भी चढ़ सकते हैं या उतर सकते हैं।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा संघ परिवार, 2024 में 80 के लक्ष्य पर बनेगी रणनीति...

प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव जीतने का लक्ष्य हासिल करने के लिए राष्ट्रीय स्वयं संघ ने कमान संभाल ली है। इससे संबंधित तैयारियों पर काम शुरू करते हुए संघ जमीनी स्तर से फीडबैक लेकर रणनीति तैयार करेगा। इस संबंध में शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर उच्चस्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई। इसमें लोकसभा चुनाव के साथ ही नगर निकाय और सहकारिता के चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ और संघ के सरकार्यवाह दत्त्रात्रेय होसबाले की मौजूदगी में हुई बैठक हुई। इसमें तय किया गया है कि जिस प्रकार से 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की सर्वाधिक सीटों पर विजय प्राप्त किया था, उसी तरह 2024 में होने वाले चुनाव में भी 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य लेकर तैयारी करना चाहिए। बैठक में संघ परिवार के विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, अधिवक्ता परिषद, सहकार भारती, शैक्षिक महासंघ जैसे सभी अनुषांगिक संगठनों से जमीनी फीडबैक जुटाया जाएगा। साथ ही उनसे संघ और भाजपा संगठन के लोगों को बेहतर समन्वय बनाकर काम करना होगा। बैठक में संघ की ओर सरकार से यह भी अपेक्षा की गई है कि विचार परिवार के सभी संगठनों से मिले फीडबैक के आधार पर कीलकांटे दुरुस्त करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। बैठक में यह भी तय किया गया है कि भाजपा और संघ के पदाधिकारियों के अलावा अनुषांगिक संगठनों में काम करने वाले लोगों को भी मैदान में उतारकर फीडबैक जुटाने का काम अभी से शुरू किया जाना चाहिए, ताकि उसके मुताबिक ही रणनीति तैयार की जा सके। बैठक में विचार परिवार के सगंठनों की भूमिका तय करने को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में क्षेत्रीय प्रचारक पूर्वी व पश्चिमी क्रमशः अनिल और महेश के अलावा दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल मौजूद रहे।

3.14 लाख करोड़ रुपए का बजट, किस वर्ग को क्या मिला?

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को सदन में मौजूदा भाजपा सरकार का अंतिम बजट पेश किया। विधानसभा चुनाव से करीब 8 महीने पहले आए इस बजट में सरकार ने जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया है। बजट में युवा और महिला मतदाताओं को साधने की कोशिश की गई है। मुख्यमंत्री बालिका स्कूटी योजना के तहत 12वीं क्लास फर्स्ट डिविजन से पास करने वाली छात्राओं को सरकार की तरफ से ई-स्कूटी दी जाएगी। लाडली लक्ष्मी योजना के लिए 929 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1000 रुपए महीना दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार ने बुधवार को 3,14,024.84 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। यह पिछले वित्तीय वर्ष से 12 फीसदी अधिक है। बजट मुख्य तौर पर महिलाओं, किसानों और युवाओं को केंद्र में रखकर बनाया गया है। सबसे ज्यादा तीन गुना वृद्धि खेल के बजट में की गई है। महिला एवं बाल विकास के लिए सरकार ने 14,468 करोड़ रुपए का बजट रखा है, जिसमें से 8,100 करोड़ रुपए सिर्फ लाड़ली बहना योजना के लिए है। शिक्षा का बजट पिछली बार 5,532 करोड़ रुपए बढ़ाकर 38,375 करोड़ रुपए किया गया है। इस बजट में कोई नया टैक्स नहीं बढ़ाया गया है।

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि करीब 4 हजार लोगों के सुझाव से यह बजट तैयार किया गया है। इसमें कृषि के लिए कुल 53,965 करोड़ रुपए का प्रावधान है, जिसमें से 16,900 करोड़ रुपए किसान कल्याण योजना के लिए है। किसान कर्जमाफी के लिए 350 करोड़ रुपए का प्रावधान है। इस फंड से डिफॉल्टर किसानों के ब्याज का पैसा सरकार भरेगी। नगरीय प्रशासन एवं ग्रामीण विकास के लिए सरकार ने 39,336 करोड़ रुपए का कुल प्रावधान किया है।

किसे क्या मिला ?

किसान : डिफॉल्टर किसानों के ब्याज माफी के लिए 350 करोड़ रुपए।. युवा और रोजगार, 01 लाख सरकारी नियुक्तियां देने का अभियान शुरू किया है। इसके तहत विभिन्न विभागों की भर्तियां निकाली जा रही हैं।, 200 युवाओं को जापान भेजेगी सरकार। यह पहल विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना के तहत होगी।

मिलेंगे 29 लाख रोजगार

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि पिछले दिनों हुई इन्वेस्टर समिट में 15.42 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनके जरिये 29 लाख व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है।

छात्राएं : मुख्यमंत्री ई स्कूटी योजना लॉन्च की जाएगी। इसके तहत बारहवीं में पढ़ने वाले सभी स्कूलों में फर्स्ट आने वाली बेटियों को सरकार स्कूटी देगी। यह योजना जल्द लॉन्च की जाएगी।

गरीब : प्राइवेट बिल्डर्स द्वारा ईडब्ल्यूएस को घर खरीदने पर स्टाम्प शुल्क माफ। अभी ईडब्ल्यूएस को 5 फीसदी शुल्क लगता है। इसके अलावा मॉर्डगेज पर 0.5 फीसदी शुल्क घटाकर 0.125 फीसदी कर दिया गया है।

मुख्य प्रावधान

53,965 करोड़ रुपए कृषि के लिए, यह हर विभाग से अधिक। कन्या विवाह योजना की राशि 51 हजार से बढ़ाकर 55 हजार की गई। 1,000 करोड़ रुपए का सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड जारी करेगी सरकार।

किस क्षेत्र को क्या मिला

सेक्टर बजट (करोड़ रुपए), शिक्षा 38,375, खेल 738 करोड़ (गुना अधिक), स्वास्थ्य 16,555 करोड़ (आयुष्मान योजना के लिए 953 करोड़।), सड़क 10,182 करोड़ (पुल और मेंटेनेंस भी शामिल।), सिंचाई 11,049 करोड़, बिजली 18,302 करोड़ (इन्फ्रास्ट्रक्चर ठीक करने)

ग्रामीण विकास 24,443 करोड़

पीएम आवास 8,000 करोड़, नगर विकास 14,882 करोड़, ग्रामीण इन्फ्रा. 3,083 करोड़

पूंजीगत व्यय का प्रावधान इस बार 56,256 करोड़ रुपए किया गया है। यह पिछली बार 15 प्रतिशत ज्यादा है। एक तरफ अधोसंरचना विकास का बजट है। दूसरी तरफ जनता के कल्याण का बजट है।

महिलाएं, बच्चे-बुजुर्ग और वरिष्ठों के लिए

बच्चों, महिलाओं, विकलांगजनों, निराश्रितों तथा वरिष्ठ नागरिकों आदि के कल्याण के लिए संस्थागत व्यवस्थायें तैयार करने में प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थाओं का सहयोग प्राप्त किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार 1 हजार करोड़ के सोशल इम्पेक्ट बॉण्ड जारी करेगी। वर्ष 2023-24 के बजट में इसके लिए 100 करोड़ रुपए का आउटकम फंड दिया गया है।

कांग्रेस का वॉकआउट

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा बजट भाषण पढ़ने के लिए खड़े ही हुए थे कि कांग्रेस सदस्यों ने महंगाई का मुद्दा उठा दिया। कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी, सज्जन सिंह वर्मा, कमलेश्वर पटेल, विजयलक्ष्मी साधौ और कुणाल चौधरी ने एक मार्च को ही गैस की कीमतों में 50 रुपए प्रति सिलेंडर इजाफा किए जाने पर हंगामा किया।

वैश्विक तापमान में वृद्धि से बढ़ रहा संकट...

सदी के अंत तक देश के कई शहर नहीं रहेंगे रहने लायक

प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन सहित तमाम वजहों से लगातार वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। इसकी वजह से ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ नाटकीय रूप से पिघल रही है, जिससे समुद्रों के जलस्तर बढ़ रहा है।

वर्ष 2100 आते-आते दुनियाभर के 36 बड़े शहर समुद्रों के बढ़ते जलस्तर की वजह से रहने लायक नहीं रहेंगे। इनमें भारत के तीन बड़े शहर, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता भी शामिल हैं। अगर दुनियाभर के बड़े शहरों की बात की जाए, तो इनमें न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई, टोक्यो, बोस्टन, मकाउ, शंघाई, ढाका, सिंगापुर, बैंकॉक, जकार्ता और हो ची मिन्ह जैसे शहर शामिल हैं। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के मुताबिक, समुद्र का स्तर 20वीं सदी की तुलना में अब दोगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। 20वीं सदी के ज्यादातर समय में प्रतिवर्ष समुद्री जलस्तर में 0.06 इंच (1.4 मिमी) की बढ़ोतरी हो रही थी, जो 2006 से 2015 के बीच 0.14 इंच (3.6 मिमी) प्रति वर्ष दर्ज की गई है।

प्रदूषण की वजह से बढ़ रहा जलस्तर

प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन सहित तमाम वजहों से लगातार वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। इसकी वजह से ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ नाटकीय रूप से पिघल रही है, जिससे समुद्रों के जलस्तर बढ़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में 2050 तक समुद्रों का जलस्तर बढ़ने से ज्यादातर सड़कें पानी में डूब जाएंगी।

एशियाई शहरों पर खतरा ज्यादा

नेचर क्लाइमेट चेंज पत्रिका में इसी सप्ताह प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, समुद्री जलस्तर में वृद्धि से सबसे ज्यादा लोग चेन्नई, कोलकाता, ढाका, जकार्ता, यांगून, बैंकॉक, हो ची मिन्ह और मनीला जैसे शहरों में प्रभावित होंगे। इस अध्ययन में दुनियाभर में समुद्र के स्तर के जोखिम वाले क्षेत्रों का मानचित्रण करके प्रभावों के बारे में जानकारी जुटाई गई है। अमेरिका के नेशनल सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक रिसर्च (एनसीएआर) के मुताबिक, अल-नीनो प्रभाव की वजह से खासतौर पर मध्य प्रशांत और हिंद महासागर में भूमध्य रेखा के आसपास वाले इलाकों में जलस्तर 30 फीसदी तक ज्यादा बढ़ेगा। तीन फुट एनओएए व जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र अंतरसरकारी पेनल (यूएन-आईपीसीसी) के मुताबिक, वर्ष 2100 तक समुद्री जलस्तर वर्ष 2000 की तुलना में एक से तीन फुट तक बढ़ सकता है। अगर यह न्यूनतम एक फुट भी बढ़ा, तो दुनियाभर के 25 करोड़ से ज्यादा लोग बेघर हो जाएंगे।

सरकार के फैसले को HC ने ठहराया सही

हफ्ते में 2 बार ही दोस्त, रिश्तेदार और सलाहकारों से मिल सकेंगे कैदी...

जेलों में निरुद्ध विचाराधीन कैदी अब सप्ताह में दो बार ही अपने दोस्त, रिश्तेदार या फिर कानूनी सलाहकारों से मिल सकेंगे। इस मामले में लिए गए दिल्ली सरकार के निर्णय को उच्च न्यायालय ने सही ठहराया है। न्यायालय ने कहा है कि विचाराधीन कैदियों और कैदियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए जेल में कैदियों के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, दोस्तों और कानूनी सलाहकारों द्वारा सप्ताह में दो बार मिलने की संख्या को सीमित करने के दिल्ली सरकार का फैसला सही है। इसे बदला जाना उचित नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की खंडपीठ ने कहा कि जेलों में उपलब्ध सुविधाओं, कर्मचारियों की उपलब्धता और विचाराधीन कैदियों की संख्या पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद निर्णय लिया गया है।

अदालत ने दिल्ली जेल नियम, 2018 के नियम 585 को चुनौती देने वाले दो अधिवक्ताओं द्वारा दायर एक जनहित याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। नियम 585 में कहा गया है कि प्रत्येक कैदी को अपील की तैयारी करने, जमानत प्राप्त करने या अपनी संपत्ति और पारिवारिक मामलों के प्रबंधन की व्यवस्था करने के लिए अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, दोस्तों और कानूनी सलाहकारों से मिलने या संवाद करने के लिए उचित सुविधाएं दी जाएंगी।

याचिकाकर्ताओं ने कहा कि संख्या को सप्ताह में दो बार तक सीमित करना भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। दूसरी ओर दिल्ली सरकार ने अपने जवाब में कहा कि मिलने वालों की संख्या को सीमित करने का निर्णय राष्ट्रीय राजधानी की जेलों में कैदियों की संख्या को देखते हुए लिया गया है।

उद्धव ठाकरे और संजय राउत को कंगना ने दिया जवाब, बताया

राजनीति में कब करेंगी एंट्री...

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज की वजह से आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। कंगना अपने फैंस के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी साझा करती रहती है। कंगना ने आज यानी सोमवार को अपने ट्विटर अकांउट पर आस्क कंगना (#askangana) सेशन रखा। इस सेशन के जरिए एक्ट्रेस ने अपने फैंस के पूछे गए सवालों के मजेदार जवाब दिए। #askangana सेशन में उनके फैंस ने उनकी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक के सवाल पूछे, जिनका कंगना ने काफी दिलचस्प अंदाज में जवाब दिया है।

कंगना ने ट्वीटर पर आस्क कंगना (#askangana) के जरिए महाराष्ट्र की सियासत पर भी जमकर निशाना साधा है। एक्ट्रेस के एक फैन ने उनसे पूछा कि- उद्धव ठाकरे और संजय राउत का हाल देखकर कैसा लग रहा है? जिसका कंगना ने दिलचस्प जवाब देते हुए कहा कि- दूसरों का पतन देखकर कभी भी खुद को सही नहीं मानना चाहिए, ऐसी स्थिति में खुद को सही समझना नीच और दयनीय लोगों का काम होता है और मैं उस तरह की इंसान नहीं हूं।

दिवालिया होते पाकिस्तान में कई फैक्ट्रियों पर लगा ताला, क्या कर रही सरकार ?

पाकिस्तान में आर्थिक संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। संकटग्रस्त देश में कई बड़ी कंपनियों ने कच्चे माल या विदेशी मुद्रा की कमी के कारण काम बंद कर दिया है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाली वित्तीय मदद भी रुक चुकी है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था ने कहा कि सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में अच्छा पैसा कमा रहे लोगों को अर्थव्यवस्था में योगदान देने की जरूरत है। उधर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो चीन का दौरा करने वाले हैं जिससे एक बार फिर देश को आर्थिक सहयोग की उम्मीद है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की सेहत सुधरने की बजाय दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। 2022-23 की पहली दो तिमाहियों में पाकिस्तान की विदेशी ऋण अदायगी में 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इससे डॉलर में और कमी आ गई। 10 फरवरी तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.193 अरब डॉलर हो गया। जानकारों के मुताबिक, इस वित्तीय वर्ष के अंत में आर्थिक विकास घटकर 1-1.25 फीसदी तक पहुंच सकती है। इसी बीच देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि देश पहले ही दिवालिया हो चुका है।

देश में इस संकट का असर सबसे ज्यादा आम लोगों पर पड़ रहा है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यहां दूध की कीमत 250 प्रति लीटर और चिकन की कीमतें 780 प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई हैं।

बिगड़ती अर्थव्यवस्था का क्या प्रभाव पड़ रहा है?

पाकिस्तान में आर्थिक संकट का असर हर ओर दिख रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में कई बड़ी कंपनियों ने कच्चे माल या विदेशी मुद्रा की कमी के कारण काम करना बंद कर दिया है। स्टॉक एक्सचेंज के एक बयान के मुताबिक, सुजुकी मोटर कॉर्प की स्थानीय इकाई ने अपने विनिर्माण संयंत्र को 21 फरवरी तक बंद कर दिया। कंपनी ने कहा कि पुर्जों की कमी बनी हुई है। सुजुकी की तरह, होंडा मोटर कंपनी और टोयोटा मोटर कॉर्प की स्थानीय इकाइयां भी सप्ताह भर बंद रहीं। पाकिस्तान ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स एसो. के आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में कार की बिक्री जनवरी में लगभग तीन साल में सबसे कम 65 फीसदी हो गई।

चायना ने रूस का साथ दिया तो वलोडिमिर ज़ेलेंस्की की 'विश्वयुद्ध' की चेतावनी...

ज़ेलेंस्की ने कहा कि कि चीन इस युद्ध में रूसी संघ का समर्थन न करे। वास्तव में, मैं चाहूंगा कि यह हमारे पक्ष में हो। हालाँकि, फिलहाल, मुझे नहीं लगता कि यह संभव है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने यूक्रेन युद्ध के बीच रूस का समर्थन करने के खिलाफ चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा करने से विश्व युद्ध होगा। ज़ेलेंस्की ने जर्मन दैनिक डाई वेल्ट को बताया कि ये हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि चीन इस युद्ध में रूसी संघ का समर्थन न करे। वास्तव में, मैं चाहूंगा कि यह हमारे पक्ष में हो। हालाँकि, फिलहाल, मुझे नहीं लगता कि यह संभव है। लेकिन मैं चीन के लिए यहां जो हो रहा है उसका व्यावहारिक आकलन करने का एक अवसर देखता हूं।

अगर चीन खुद को रूस के साथ मिलाता है तो विश्व युद्ध होगा और मुझे लगता है कि चीन इससे वाकिफ है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने रूस के देश पर आक्रमण की एक साल की सालगिरह से पहले एकजुटता व्यक्त करते हुए ज़ेलेंस्की से मिलने के लिए यूक्रेन की एक अघोषित यात्रा की। जो बाइडेन ने कीव में पांच घंटे से अधिक समय बिताया, लगभग एक

साल पहले की आशंकाओं को याद करते हुए कि रूस शहर पर कब्जा कर सकता है।

जो बाइडेन ने कहा कि यूक्रेन को जो कीमत चुकानी पड़ी है वह असाधारण रूप से अधिक है। बलिदान बहुत अधिक रहे हैं। हम जानते हैं कि आगे बहुत कठिन दिन और सप्ताह और वर्ष होंगे। लेकिन रूस का मकसद यूक्रेन को नक्शे से मिटा देना था। पुतिन की जीत का युद्ध विफल हो रहा है।

तेज रफ्तार बस नाले में पलटी, 2 की मौत : खंडवा जाते समय हादसा...

उज्जैन में बस ने मारी कार को टक्कर, 3 की मौत

मध्यप्रदेश के दो सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर हुआ। यहां एक तेज रफ्तार यात्री बस नाले में पलट गई। इसमें दो महिलाओं की मौत हो गई। 38 यात्री घायल हैं। वहीं दूसरी ओर उज्जैन में एक बस से कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार सामने से आ रहे दूसरे कंटेनर से जा भिड़ी। इसमें तीन लोगों की जान चली गई।

इंदौर से निकली बस खंडवा जा रही थी। बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। बस सिमरोल भैरव घाट पर पहुंची थी। यहां बस का शॉफ्ट टूटने से वह सीधे नाले में जा गिरी। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे पास के लोगों ने घायलों को निकाला। दो महिलाएं सावित्रीबाई और सविता की हादसे में जान चली गई। दोनों खंडवा की रहने वाली बताई जा रही हैं। वहीं बाकी घायलों को इंदौर रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही सिमरौल थाना पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। ग्रामीण एसपी भगवत सिंह विरदे ने बताया कि हादसे में दो महिलाओं की मौत हुई है।

घटनास्थल के पास ही शारदा ढाबा है। यहां मौजूद संतोष जायसवाल ने बताया कि अचानक जोरदार आने के बाद चीख-पुकार मच गई। ढाबे पर काम करने वाले और खाना खाने वाले लोग तुरंत घटनास्थल के पास भागे। जब हम वहां पहुंचे तो महिलाएं और बच्चे रो रहे थे। कई लोग बस में फंसे थे। हमने घायलों को निकाला बस जायसवाल ट्रैवल्स की है।

भूकंप का खतरा भांपने इन्दौर समेत 40 से ज्यादा शहरों में सर्वे शुरू

विकास की दौड़ में सरपट दौड़ते शहरों और इलाकों में जहां बड़ी परियोजनाएं आ रही हैं, वहीं उनके साथ भूकंप का खतरा भी जुड़ता जा रहा है। ऐसे ही कुछ शहरों में भूकंप का खतरा और उसकी तीव्रता भांपने के लिए भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत कार्य करने वाले राष्ट्रीय भूकंप केंद्र ने सर्वे शुरू किया है। इस सर्वे में देश के 40 से अधिक शहरों और उसके आसपास के इलाके को शामिल किया गया है। इसमें मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, गुना, शहडोल संभाग मुख्यालय सहित देश के अन्य शहर शामिल हैं।

इंदौर संभाग के आलीराजपुर, धार और बड़वानी जिलों में रविवार दोपहर भूकंप के हल्के झटके आने के बाद नईदुनिया ने मध्य प्रदेश में भूकंप के खतरों की पड़ताल की। इसमें सामने आया कि बढ़ती घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय भूकंप केंद्र भी चिंतित है। इसीलिए केंद्र ने सर्वे में उन शहरों को शामिल किया है जहां पहले कभी भूकंप आए हैं या विकास परियोजनाओं के तहत बड़ी सुरंग या जमीन को गहराई तक खोदने की जरूरत पड़ रही है। इसमें स्मार्ट सिटी, मेट्रो रेल सहित अन्य प्रोजेक्ट शामिल किए गए हैं।

शहरों और इलाकों की माइक्रो जोनिंग की जा रही : सर्वे के अंतर्गत इन शहरों और इलाकों की माइक्रो जोनिंग की जा रही है। माइक्रो जोनिंग की प्रक्रिया के तहत भूगर्भीय हलचलों को रिकार्ड करने के लिए अलग-अलग जगह अस्थायी भूकंप लेखीय यंत्र (टेम्परेरी सिस्मोग्राफ) लगाए गए हैं। अब तक जबलपुर संभाग की माइक्रो जोनिंग हो चुकी है। इस सर्वे के तहत सिवनी और छिंदवाड़ा क्षेत्र में भूकंप का अधिक खतरा सामने आया है।

इंदौर संभाग के कई जिले संवेदनशील होते जा रहे : इंदौर संभाग का सर्वे शेष है, लेकिन पूर्व की घटनाओं को देखते हुए विशेषज्ञों का अनुमान है कि धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, आलीराजपुर, झाबुआ सहित इंदौर का महू क्षेत्र भूकंप के मामले में संवेदनशील होता जा रहा है।

धार, आलीराजपुर, बड़वानी जिलों में भूकंप के हल्के झटके इंदौर संभाग के आलीराजपुर, धार, बड़वानी जिलों में रविवार दोपहर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। हालांकि कहीं से भी किसी नुकसान की बात सामने नहीं आई है। सरदार सरोवर बांध से जुड़े गुजरात सरकार के भू विज्ञानी संतोष कुमार ने बताया कि भूकंप मापी केंद्रों में 2.8 तीव्रता का भू कंपन मापा गया है। इसका केंद्र बड़वानी से 38 किमी दूर धार जिले में रहा है। तीव्रता काफी कम थी, संभवतः इसलिए लोगों को झटके महसूस नहीं हुए।

पुलिस गिरफ्त में आतंकी सरफराज, एनआईए के इनपुट पर कार्रवाई...

पुलिस ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी से मिले इनपुट के आधार पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पाकिस्तान और चीन से ट्रेनिंग लेने वाले संदिग्ध आतंकी को हिरासत में ले लिया है। इंदौर के चंदन नगर निवासी सरफराज मेनन को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के मुताबिक सरफराज 12 साल हांगकांग में रह कर आया है। आरोप है कि वह देश में आतंकी हमले की प्लानिंग कर रहा था। इंटेलीजेंस और चंदन नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर संदिग्ध सरफराज मेनन को कस्टडी में लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

सरफराज के पासपोर्ट में हांगकांग में ज्यादा समय रहने की जानकारी मिली है। इसी आधार पर सरफराज के खाते और उसका पूरा बैंक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। साथ की साथ उसके द्वारा की गई एक चीनी महिला से शादी और उसे तलाक दिए जाने की जानकारी भी पुलिस को मिली है। उस पहलू पर भी जांच की जा रही है। इस पूरे मामले में पुलिस अभी सीधे तौर पर सरफराज को आतंकवादी नहीं मान रही है। लेकिन संदिग्ध होने के चलते उसे हिरासत में लेकर हर इनपुट पर गंभीरता से जांच की जा रही है। एनआइए ने गुप्त इनपुट के बाद मुंबई पुलिस को मेमन के बारे में सूचना दी थी। इसके बाद मुंबई एटीएस हरकत में आई और इंदौर के इंटेलिजेंस डीसीपी रजत सकलेचा को बताया कि सरफराज मूलतः ग्रीन पार्क कालोनी (चंदन नगर) स्थित फातमा अपार्टमेंट का रहने वाला है। रविवार को इंदौर पुलिस ने चंदन नगर स्थित ग्रीन पार्क कॉलोनी में रहने वाले सरफराज मेनन के घर दबिश दी। संदिग्ध के माता-पिता को हिरासत में लिया गया। इसके बाद देर रात सरफराज स्वयं पुलिस

स्टेशन पहुंच गया। आरोप है कि संदिग्ध आंतकी वारदात करने की फिराक में था, लेकिन फिलहाल कुछ भी स्पष्ट नहीं है। पुलिस पूछताछ कर मामले से जुड़े तथ्यों को जानने की कोशिश कर रही है। इंदौर के चंदन नगर निवासी संदिग्ध आतंकी सरफराज मेनन को एनआईए के इनपुट के आधार पर पुलिस हिरासत में लिया गया है। इंटेलीजेंस और चंदन नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर संदिग्ध मेनन को कस्टडी में लिया है। पुलिस सरफराज से पूछताछ कर रही है। अब मुंबई का आतंकवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) सरफराज से पूछताछ करेगा।

गृहमंत्री श्री मिश्रा का बयान

गृहमंत्री ने कहा कि एनआईए के इनपुट के आधार पर पुलिस ने सरफराज को हिरासत में लिया है। गृहमंत्री ने कहा कि ये मध्यप्रदेश है, यहां कोई भी संदिग्ध व्यक्ति इस तरह की गतिविधि में जुड़ा होगा तो उसे पुलिस नहीं छोड़ेगी। पुलिस गंभीरता से इस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके हिसाब से सख्त कार्रवाई की जाएगी। नरोत्तम मिश्रा ने ट्वीट किया कि "शांति के टापू मध्यप्रदेश में कानून का राज है और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाएगा।"

बच्ची का जन्म से एक कान नहीं था, 3 माह की बच्ची के हत्यारे मां-बाप को उम्रकैद

तीन माह की दुधमुंही बच्ची की हत्या करने वाले माता-पिता को जिला न्यायालय इंदौर ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। बच्ची का जन्म से ही एक कान नहीं था। हत्यारे पिता ने उसे इस तरह से संडासी मारी कि बच्ची ने दम तोड़ दिया।

मां ने भी बेटी के पक्ष में खड़े रहने के बजाय पति का साथ दिया और हत्या के बाद बच्ची के शव को कचरे के ढेर पर फेंक आई। प्रकरण में अभियोजन के सारे गवाह पक्षद्रोही हो गए थे, लेकिन न्यायालय ने परिस्थितिजन्य साक्ष्य को देखते हुए आरोपित मां-बाप को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि हत्यारों ने मां-बाप होते हुए एक मासूम की हत्या की है। उनके साथ किसी तरह की रियायत नहीं बरती जा सकती।

कचरे के ढेर में मिला था शव : वारदात करीब सात वर्ष पुरानी है। 16 मार्च 2016 को पुलिस को सूचना मिली थी कि खजराना क्षेत्र के नोबल पब्लिक स्कूल के पास कचरे के ढेर में एक बालिका का शव गोदड़ी में लिपटा पड़ा है। पुलिस ने मर्ग कायम किया और शव को

परिस्थितिजन्य सबूत के आधार पर कोर्ट ने सुनाई सजा

अभियोजन ने जितने भी स्वतंत्र साक्षियों के बयान कोर्ट में करवाए वे सभी पक्षद्रोही हो गए थे। बावजूद इसके न्यायालय ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए सजा सुनाई। कोर्ट ने माना कि वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन ने मामले को युक्तियुक्त संदेह से परे प्रमाणित किया है।

पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम में पता चला कि शिशु की मृत्यु सिर में चोट आने की वजह से हुई थी। पुलिस ने धारा 302, 201 में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की।

बच्ची का एक कान नहीं था

गवाहों के बयान से यह बात साफ हुई कि यह बच्ची खजराना क्षेत्र में ही रहने वाले पप्पू पुत्र सोमवार रावल और उसकी पत्नी संगीताबाई की है। बच्ची का जन्म से ही एक कान नहीं था। इसी वजह से नाराज पिता पप्पू ने उसके सिर पर लोहे की संडासी से मारा था। चोट लगने से उसकी मौत हो गई। संगीता ने बच्ची की मौत के बाद शव को कचरे के ढेर पर फेंक दिया था। पकड़े जाने पर आरोपितों ने स्वीकारा था कि कचरे के ढेर पर मिला शव उन्हीं की बेटी का है। एडीपीओ अविसारिका जैन ने बताया कि हत्यारे दंपती की पहले से एक बच्ची है। हत्यारा पिता पप्पू दूसरी बच्ची नहीं चाहता था। जन्म से ही इस बच्ची का एक कान नहीं था। इस वजह से भी वह इस बच्ची से पीछा छुड़ाना चाहता था। मजदूरी करने वाले पप्पू को जैसे ही मौका मिला उसने बच्ची की हत्या कर दी।

डीजीपी ने दिया सीपीआर : प्रदेश में पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया प्रशिक्षण

सीपीआर से बची थी एक आरआई की जिंदगी

मध्यप्रदेश के 250 से ज्यादा जगह 22 हजार से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने सीपीआर देना सीखा। एमपी पुलिस को पहली बार बड़े स्तर पर सीपीआर प्रशिक्षण दिया गया। डीजीपी की पहल पर सभी जिलों, वाहिनी मुख्यालयों के साथ सभी पुलिस इकाइयों में सीपीआर प्रशिक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग, रेडक्रॉस, प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टरों के सहयोग से प्रशिक्षण किया गया। प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों के परिजन ने भी सीपीआर देना सीखा।

शनिवार को पुलिस विभाग ने परिवर्तन लाने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पहली बार बड़े पैमाने पर सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सभी जिलों और वाहिनी मुख्यालयों समेत पुलिस इकाइयों में आयोजन किया गया। भोपाल में पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना की मौजूदगी में नेहरू नगर स्थित पुलिस लाइन परिसर में पुलिसकर्मियों के प्रोत्साहन के लिए सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने भी प्रशिक्षण किया। प्रदेश के सभी आईजी, डीआईजी, पुलिस अधीक्षक, कमांडेंट व अन्य

अधिकारी भी प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

हफ्तेभर से कर रहे थे तैयारी : आयोजन के लिए एक हफ्ते पहले से प्रदेशभर के सभी जिलों और वाहिनी मुख्यालयों में पुलिस अधीक्षकों और कमांडेंट ने बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य विभाग, रेडक्रॉस और निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों की मदद से तैयारियां शुरू कर दी थी। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों को सीपीआर की उपयोगिता से अवगत करवाकर इस प्रशिक्षण में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया गया।

स्मार्ट बनेगी मध्य प्रदेश पुलिस

बीट प्रभारियों को दिए जाएंगे टैबलेट, सीसीटीएनएस से जुड़ा है एप

मध्य प्रदेश की पुलिस स्मार्ट होगी। सभी बीट प्रभारियों को टैबलेट दिए जाएंगे। इसमें स्मार्ट काप एप इंस्टाल रहेगा। पुलिसकर्मी इस एप्लीकेशन के माध्यम से मौके पर ही प्रकरण की विवेचना कर सकेंगे। किसी अपराधी के बारे में जानकारी भी इसी एप में उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा एप से किसी भी वाहन के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। ऐसे में चेकिंग के दौरान इस एप से पुलिसकर्मियों को काफी सहायता मिलेगी। इसी वर्ष यह सुविधा शुरू करने की तैयारी है।

पुलिस अभी क्राइम एवं क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से अपराध संबंधी डिजिटल रिकार्ड तैयार करती है। यह कंप्यूटर साफ्टवेयर है, जिसमें एफआइआर, विवेचना, घटना स्थल के फोटो व अन्य जानकारी अपलोड की जाती है। अब सभी बीट प्रभारियों को टैबलेट देने की तैयारी है, जिससे वह स्मार्ट काप के सहयोग से मौके पर जानकारी देख सकें और जानकारी अपलोड कर सकें। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि एप सीसीटीएनएस से जुड़ा रहेगा।

एप में अपराधियों का डाटाबेस

जैसे ही किसी व्यक्ति का नाम एप में डाला जाएगा सीसीटीएनएस के रिकार्ड से उसके बारे में दर्ज पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। हालांकि, पुलिसकर्मियों के पास यह विकल्प भी रहेगा कि वह विभाग से मिले टैबलेट की जगह अपने व्यक्तिगत मोबाइल पर भी एप इंस्टाल कर सकेगा।

कमल नाथ के मदिरा प्रदेश कहने पर भड़के सीएम

सहन नहीं करेंगे प्रदेश का अपमान- शिवराज सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के मध्य प्रदेश को मदिरा प्रदेश कहने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे मध्य प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता, संस्कृति और परंपराओं का अपमान बताते हुए चेतावनी दी कि आपका विरोध हमसे है तो आप हमें गाली दीजिए, लेकिन हम मध्य प्रदेश का अपमान सहन नहीं करेंगे। हमने जनभावनाओं, माताओं-बहनों के सम्मान को देखते हुए नशे को हतोत्साहित करने के लिए आबकारी नीति बनाई है। आपकी नीति ठेकेदारों के लिए बनती थी।

इस पर पलटवार करते हुए कमल नाथ ने मुख्यमंत्री से कहा कि जरा याद कीजिए, मदिरा प्रदेश शब्द तो आपने ही मध्य प्रदेश के लिए उपयोग में लाया था। शराब दुकान नहीं खोलने की घोषणा कर आपने तो दुकानें दोगुना कर दीं। प्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति में अहाते और शाप बार बंद करने, धार्मिक स्थल, शैक्षणिक संस्था और बालिका छात्रावासों से सौ मीटर के दायरे से शराब दुकानें हटाने का प्रविधान किया है।

आबकारी नीति को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने छिंदवाड़ा में पत्रकारवार्ता में कहा था कि एक समय में हमसे पूछा जाता था कि आप कहां से आए हैं तो हम एमपी कहते थे तो लोग समझ जाते थे कि मध्य प्रदेश, परंतु आज शिवराज सरकार में एमपी का अर्थ मदिरा प्रदेश हो गया है। सरकार ने शराब को सस्ती करने का फैसला लिया है।

इस पर मुख्यमंत्री ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कमल नाथ जी को मध्य प्रदेश की माटी, यहां के

संस्कार, संस्कृति से लगाव नहीं है। वे यहां की जड़ों से नहीं जुड़े हैं। प्रदेश के भोले-भाले लोग मेहनती, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और देशभक्त हैं। आपने सरकार में रहते हुए शराब ठेकेदारों को उप दुकान खोलने की अनुमति दे दी थी। लाइसेंस के नियम आसान करने की नीति बना दी थी। आनलाइन शराब बेचने और महिलाओं-बहनों के लिए अलग से शराब की दुकानें खोलने का प्रविधान कर दिया था। आप हमारा विरोध करें, हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मध्य प्रदेश का अपमान न करें।

रीवा संभाग में अब होंगे पांच जिले, मऊगंज बनेगा मध्यप्रदेश का 53वां जिला

संभाग में अब 5 जिले होने जा रहे हैं। अभी तक इस संभाग में 4 जिले हैं- रीवा, सतना, सीधी तथा सिंगरौली। पांचवा जिला मऊगंज होगा, जो रीवा जिले से अलग होकर मध्य प्रदेश का 53वां जिला बनाया जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक सीएम शिवराज सिंह चौहान आगामी 4 मार्च को मऊगंज आकर स्वयं ही मऊगंज को जिला बनाए जाने की घोषणा करेंगे। इसी के साथ सतना जिले के मैहर को भी जिला बनाए जाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। वहीं मध्यप्रदेश में बीना, नागदा तथा चाचौड़ा को भी जिला बनाए जाने की मांग उठ रही है।

काफी लंबे समय बाद मध्यप्रदेश में एक बार फिर नए जिले बनाने की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आगामी 4 मार्च को रीवा जिले के

मऊगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में मऊगंज को जिला बनाने की घोषणा कर सकते हैं। इसकी सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। रीवा जिले में वर्तमान में 8 विधानसभा क्षेत्र हैं। मऊगंज जिला बनने के बाद मऊगंज, त्योंथर, देवतालाब व मनगवां विधानसभा क्षेत्र में नए जिले में शामिल किए जाएंगे, जबकि रीवा, गुढ़, सिरमौर और सेमरिया विधानसभा क्षेत्र रीवा जिले में ही रहेंगे। इसी तरह तहसीलों का भी बंटवारा किया जाएगा।

बता दें कि मऊगंज प्रदेश का 53वां जिला बनेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सन 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान मऊगंज को जिला बनाने की घोषणा की थी। चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मऊगंज को जिला बनाने की घोषणा ठंडे बस्ते में चली गई थी। कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के जाने और शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से मऊगंज को जिला बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया था।

कैब की तरह बुक कर सकेंगे ड्रोन

निजी कंपनियों के साथ मिलकर सरकार इन क्षेत्रों में करेगी उपयोग

देश में अब कई कार्यों के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। जल्द ई-कॉमर्स कंपनियां ड्रोन को किराए पर दे सकेंगी। इसकी बुकिंग ठीक उसी तरह होगी जैसे कैब बुक की जाती है। ड्रोन की सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियां इसके लिए एप तैयार करवा रही हैं। ड्रोन का इस्तेमाल खेती, ई-कॉमर्स डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स, निगरानी और मैपिंग और सर्वे में किया जा सकेगा। सरकार ड्रोन कमर्शियल पायलट परियोजना की घोषणा मार्च में कर सकती है।

इस तकनीक को आगे बढ़ाने वाली केंद्र सरकार की एजेंसी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) एक व्यावसायिक पायलट स्कीम को अंतिम रूप देने में जुटी है। इससे ड्रोन निर्माताओं को नए सिरे से बाजार विकसित करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उन्हें तैयार बाजार मिल जाएगा। इस योजना के तहत देश के विभिन्न स्थानों से 16 कंपनियों को न्योता देने पर विचार किया जा रहा है। ये कंपनियां निजी-सार्वजनिक साझेदारी के तहत 12 महीने तक ड्रोन की सेवा मुहैया कराएंगी। हर कंपनियों को कम से कम 10 ड्रोन के साथ शुरुआत करनी होगी। कंपनियों का चयन उनके उपयोग और तकनीकी वाणिज्यिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस कार्यक्रम से जुड़े अफसरों का कहना है कि करीब 16 मंत्रालयों ने निजी ड्रोन विनिर्माताओं और ऑपरेटरों के साथ कंसोर्टियम में यह परियोजना शुरू करने में दिलचस्पी दिखाई है। कोयला, तेल, रक्षा, परिवहन, पुलिस और रेलवे के कई सार्वजनिक उपक्रमों ने भी इस परियोजना में दिलचस्पी दिखाई है। नीति के तहत उन्हें इस परियोजना में भाग लेने के लिए पहली प्राथमिकता दी जाएगी।

अनधिकृत मोबाइल टॉवरों को नियमित करने के लिए NDMC की मसौदा नीति जारी

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एनडीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि राजधानी के लुटियंस क्षेत्र में लगभग 240 अनधिकृत मोबाइल फोन टावर हैं, जिनमें से 140 सरकारी इमारतों में जबकि शेष निजी इमारतों में लगे हुए हैं।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने लुटियंस दिल्ली में कई अनधिकृत मोबाइल फोन टावरों को नियमित करने के लिए एक मसौदा नीति तैयार की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एनडीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि राजधानी के लुटियंस क्षेत्र में लगभग 240 अनधिकृत मोबाइल फोन टावर हैं, जिनमें

से 140 सरकारी इमारतों में जबकि शेष निजी इमारतों में लगे हुए हैं। इन्हें नियमित करने के लिए मसौदा नीति लाई गई है। इस मसौदा नीति का लक्ष्य मोबाइल और टेलीफोन सेवा परिचालकों द्वारा छतों और जमीन पर बने दूरसंचार टावरों को स्थापित करने के लिए नियमों को संशोधित करना है। नीति के चार मुख्य पहलू- अनधिकृत टावरों का नियमितीकरण, एकल टावर स्थापन शुल्क बढ़ाना, एनडीएमसी इमारतों (निःशुल्क) में स्थापित टावरों पर किराया और नए टावर स्थापित करने की प्रक्रिया हैं। एनडीएमसी ने शुक्रवार को मसौदा नीति जारी करने के साथ ही इस पर जनता से सुझाव मांगे हैं।

शिवराज ने मंत्रियों से कहा

वर्किंग स्टाइल सुधारें... फील्ड में अपनी स्थिति ठीक करने की नसीहत

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रियों को वर्किंग स्टाइल में सुधार करने की हिदायत दी है। सीएम ने कहा है कि वे फील्ड पर जाकर अपनी स्थिति को ठीक करें। जनता और कार्यकर्ताओं से कोई कम्युनिकेशन गैप ना हो। जल्द ही दोबारा समीक्षा की जाएगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को सभी मंत्रियों के साथ सीएम हाउस में बैठक की। इस दौरान सीएम ने प्रदेशभर में चल रही विकास यात्रा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विकास यात्रा के दौरान जनता की ओर से बताई गई समस्याओं को चिन्हित करें, उनमें सुधार भी करें। परफॉर्मेंस ठीक न होने पर बदलाव भी किए जाएंगे।

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में बताया- विकास यात्रा को लेकर समीक्षात्मक बैठक हुई। मंत्रियों ने गृह जिले और प्रभार के जिलों की जानकारी दी। इन यात्राओं में विधायक, सांसद, मंत्री जिस तरह से जनता को लाभ दे रहे हैं, उससे सकारात्मक वातावरण बना है। 58 हजार करोड़ रुपए की राशि जलजीवन मिशन में मिली है। इस राशि से हर घर को नल का जल मिलेगा। काम में कसावट के सवाल पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि विकास यात्रा उसी दृष्टि से चल रही है। सभी जगहों से विकास यात्रा में अच्छी खबरें आ रही हैं। मंत्रियों को परफॉर्मेंस सुधारने के सवाल पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा- ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई।

कैबिनेट में खाली हैं मंत्रियों के 4 पदः मध्यप्रदेश में लंबे समय से शिवराज कैबिनेट का विस्तार टलता जा रहा है। कैबिनेट में अभी भी चार मंत्रियों की जगह खाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि कैबिनेट में कभी भी बदलाव हो सकता है। मौजूदा कैबिनेट में 30 मंत्री हैं। इनमें 7 राज्यमंत्री और 23 कैबिनेट मंत्री हैं। शिवराज कैबिनेट में सिंधिया समर्थक 10 मंत्री हैं। इनमें से भी कुछ मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। सूत्रों की मानें, तो मौजूदा मंत्रियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट और विकास यात्रा के फीडबैक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक दीपक विस्पुते के पास भेजी गई है।

कुबेरेश्वर धाम में महिला से मारपीट

कुबेरेश्वर धाम बीते दिनों से चर्चाओं में बना हुआ है। यहां पर रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान भगदड़ की बनी और घंटों जाम लोग फंसे रहे। अब कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का कुबेरेश्वर धाम एक बार फिर विवादों में आ गया है। यहां एक नीमच निवासी महिला ने पंडित प्रदीप मिश्रा के भानजे समीर शुक्ला और समिति के अन्य सदस्यों पर मारपीट के गंभीर आरोप लगाते हुए मंडी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार नीमच जिले के मनासा के ग्राम घटपीपलिया की रहने वाली 35 वर्षीय इन्द्रा मालवीय ने आरोप लगाते हुए बताया कि सोमवार को वह कुबेरेश्वर धाम पहुंची थी। यहां पर कथा के नाम पर समिति के सदस्य और कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के भानजे समीर शुक्ला और समिति के अन्य सदस्यों ने एक कमरे में ले जाकर मारपीट की और कथा के नाम पर उससे पैसे की मांग की। घरवालों से इनके खाते में दबाव में आकर पैसे डलवाये।

इस पूरे मामले को मंडी थाना प्रभारी हरिनारायण परमार का कहना है कि एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है। अभी हम इस मामले में जांच कर रहे हैं, जांच के बाद ही कुछ कह सकते हैं, फिलहाल महिला का मेडकिल सरकारी अस्पताल में कराया गया है। दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की

जाएगी। इस मामले में जब समीर शुक्ला से बात की तो उनका कहना था कि जब पुलिस समिति के पास आई तो तब से लेकर महिला को पुलिस के हवाले

करते हुए तक के वीडियो मेरे पास हैं। मेरा नाम वह जानती ही नहीं आरोप कैसे लगा रही है। इस मामले में मैं पक्ष क्यों दूं।

इन बीमारियों की शरीर में हो सकती है एंट्री

जरूरत से ज्यादा तेल खाने पर हार्ट को ब्लॉक करता है इसका फैट

भारतीय किचन में खाने को स्वदिष्ट बनाने के लिए कई सालों से तेल का इस्तेमाल होता चला आ रहा है। लेकिन ज्यादा तेल का सेवन करने से आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ता है। रियलिटी शो, फिल्मों में एड देखकर हमारे देश में भी ऑलिव ऑयल की खपत बढ़ी है।

भारतीय लोग खाने को स्वादिष्ट बनाने के लिए हजारों साल से तेल का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। तेल में फैट पाया जाता है, जो हमारे शरीर को पोषण देने का काम करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारा शरीर एक सीमा तक ही फैट को पचा सकता है। जरूरत से ज्यादा फैट लेने पर यह शरीर के अलग-अलग हिस्सों में जमा होने लगता है। वहीं शरीर में फैट जमने पर मोटापा और फेफड़े की नली में फैट के जमने से हार्ट ब्लॉकेज की भी समस्या देखने को मिलती है। वहीं खाने में ज्यादा तेल का सेवन किए जाने से बीपी, शुगर, कॉलेस्ट्रॉल में भी बढ़ोतरी होती है। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के माध्यम से बताएंगे कि आपके लिए कैसे और कितने तेल का सेवन करना चाहिए।

इतने तेल का कर सकते हैं सेवन

अलग-अलग संस्कृतियों में तेल खाने को लेकर अलग-अलग आदतें देखने को मिलती हैं। वहीं ब्रिटिश गाइडलाइन के मुताबिक एक स्वस्थ व्यक्ति को 30 ग्राम से ज्यादा तेल का सेवन दिन में नहीं करना चाहिए। हालांकि भारत की मौसमी और भौगोलिक परिस्थितियों के बारे में बता करें तो साल में 7 से 10 किलो तेल का सेवन पर्याप्त है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि हमारे देश में सालाना तेल की औसत खपत लगभग 17 किलो के आसपास है।

ऐड और फिल्म का असर

यूरोप में ठंडे देशों में ऑलिव ऑयल यानी जैतून के तेल का सेवन किया जाता रहा है। वहीं रियलिटी शो, फिल्मों में एड को देखकर आजकर भारत में भी अपर और मिडिस क्लास के लोग भी ऑलिव ऑयल खाने लगे हैं। लेकिन जानकारों की मानें तो भारतीय परिस्थितियों में ऑलिव ऑयल का सेवन किया जाना सही नहीं है। क्योंकि टेम्प्रेचर के थोड़ा बढ़ने पर भी ऑलिव ऑयल खराब हो जाता है।

नारियल तेल

काफी लंबे समय तक लोगों ने नारियल का तेल का सेवन किया जाना सबसे मुफीद माना है। इसे शुद्ध नेचुरल ऑयल माना जाता था। लेकिन कुछ रिसर्चों ने इस दावे को झुठला दिया। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हुई एक रिसर्च में नारियल के तेल को शुद्ध जहर बताया गया है। बताया गया कि नारियल तेल में मौजूद सैचुरेटेड फैटी एसिड्स स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकते हैं।

पाम ऑयल

पाम ऑयल खाने के बारे में लोगों की राय है कि यह सबसे अनुपयुक्त है। इस तेल में ट्राइग्लिसरीसाइड्स पाया जाता है। जो दिल के लिए काफी खतरनाक माना जाता है। लेकिन इसके बाद भी हमारा देश पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है। इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों से हर साल हजारों करोड़ के पाम ऑयल को मंगाया जाता है। बता दें कि इस तेल को खाने के अलावा इसका शैंपू, साबुन, पेंट, चॉकलेट, साबुन और अन्य चीजों को बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

सरसों का तेल

भारतीय रसाई में आपको सरसों का तेल मिलेगा। हालांकि लंबे समय तक लोगों ने भरोसेमंद तेल के रूप में इसका इस्तेमाल किया है और वर्तमान में भी किया जा रहा है। इसकी तीखी खुशबू और झांस के लिए इसे भारतीय खाने के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त माना गया है। सरसों के तेल की बर्निंग पॉइंट ज्यादा होने के कारण इसे भारत जैसे गर्म आबोहवा वाले देशों के लिए फिट माना गया है। लेकिन सरसों का तेल भी लॉन्ग टर्म में खतरनाक हो सकता है।

बदल-बदल कर करें सेवन

डाइटीशियन कोमल सिंह के अनुसार अलग-अलग तरह के तेलों में 3 प्रकार के फैट पाए जाते हैं। जिनमें से पॉलीअनसैचुरेटेड फैट (PUFA), मोनोअनसैचुरेटेड फैट (MUFA) और सैचुरेटेड फैट है। इनमें से किसी भी एक फैट के ज्यादा हो जाने पर हेल्थ से रिलेटेड कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बदल-बदल कर तेल का सेवन किया जाना चाहिए। इससे हमारी बॉडी को सभी तरह के फैट भी मिलते रहेंगे और आप स्वस्थ भी रहेंगे।

चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा तिथि से ही नया हिंदू वर्ष प्रारंभ हो जाता है... इस दिन को गुड़ी पड़वा के रूप में भी मनाया जाता है. इस बार चैत्र नवरात्रि 22 मार्च, 2023 बुधवार से प्रारंभ हो रहे हैं...

नौका पर सवार होकर आएंगी मां

इस साल चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, जो कि 30 मार्च तक रहेगी। 30 तारीख को ही राम नवमी भी मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में नवरात्रि को बेहद पवित्र माना गया है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। इन नौ दिनों में माता रानी पूजा-अर्चना करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। इस बार की चैत्र नवरात्रि को बेहद ही खास माना जा रहा है, क्योंकि ये पूरे 9 दिन होगी। इस साल 22 मार्च से लेकर 30 मार्च तक नवरात्रि है और 31 मार्च को दशमी के दिन पारण होगा। शास्त्रों के अनुसार, पूरे नौ दिन की नवरात्रि शुभ मानी जाती है। इसके अलावा इस बार मां दुर्गा का आगमन नाव यानी नौका पर हो रहा है। यह भी एक प्रकार का शुभ संकेत है। ऐसे में चलिए जानते हैं नाव की सवारी का क्या मतलब होता है...

माता की सवारी : वैसे तो मां दुर्गा सिंह की सवारी करती हैं, लेकिन नवरात्रि के पावन दिनों में धरती पर आते समय उनकी सवारी बदल जाती है। मां जगदंबे की सवारी नवरात्रि के प्रारंभ होने वाले दिन पर निर्भर करती है। नवरात्रि का प्रारंभ जिस दिन होता है, उस दिन के आधार पर उनकी सवारी तय होती है। ठीक इसी प्रकार से वह जिस दिन विदा होती हैं, उस दिन के आधार पर प्रस्थान की सवारी तय होती है।

मां दुर्गा के आगमन की सवारी : इस साल चैत्र नवरात्रि 22 मार्च 2023, बुधवार से शुरू हो रही है। वहीं यदि बुधवार से नवरात्रि शुरू होती है तो माता का आगमन नाव पर होता है। मां जगदंबे का नौका यानी नाव पर आगमन शुभ माना जाता है। नाव पर सवार होकर माता जब भी आती हैं तब अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं और सभी कष्ट हर लेती हैं।

मां दुर्गा के प्रस्थान की सवारी : 31 मार्च, दिन शुक्रवार को दशमी है। इस दिन माता प्रस्थान करेंगी। वहीं जब बुधवार और शुक्रवार को नवरात्रि समाप्त होती है, तो मां की वापसी हाथी पर होती है जो अधिक बरसात को ओर संकेत करता है।

मां दुर्गा के कौन-कौन से वाहन हैं? : अलग-अलग वार के अनुसार नवरात्रि में मां जगदंबे के वाहन डोली, नाव, घोड़ा, भैंसा, मनुष्य व हाथी होते हैं।

करें ये उपाय, कभी दुख नहीं देंगे राहु और केतु

कुंडली में अगर राहु और केतु दोष हों तो व्यक्ति को कई दिक्कतों से गुजरना पड़ता है, जिसमें पैसों की तंगी, करियर में असफलता और प्यार की कमी शामिल है। लेकिन कुछ उपाय ऐसे हैं, जिनको करने से न सिर्फ नवग्रह शांत होंगे बल्कि आपको हर समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। चैत्र नवरात्र 22 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च को संपन्न होंगे। नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा करने से न सिर्फ सभी 9 ग्रह शांत होते हैं बल्कि उनके अशुभ प्रभाव भी दूर हो जाते हैं। कुंडली में अगर राहु और केतु दोष हों तो व्यक्ति को कई दिक्कतों से गुजरना पड़ता है, जिसमें पैसों की तंगी, करियर में असफलता और प्यार की कमी शामिल है। लेकिन कुछ उपाय ऐसे हैं, जिनको करने से न सिर्फ नवग्रह शांत होंगे बल्कि आपको हर समस्या से छुटकारा भी मिलेगा।

मां चंद्रघंटा और मां ब्रह्मचारिणी...

किसी शख्स की कुंडली में अगर राहु दोष है तो उसे मां ब्रह्मचारिणी की पूरे विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। केतु की समस्या से पीड़ित हैं तो मां चंद्रघंटा की आराधना करें। नवरात्रि में इन देवियों की पूजा करने से आपको इन दोनों पापी ग्रहों के अशुभ प्रभाव से निजात मिलेगी।

चंदन का पाउडर

अगर आप नहाने के पानी में चंदन का पाउडर डालकर स्नान करते हैं तो कुंडली में राहु के दोष खत्म हो जाते हैं। नवरात्रि से इन उपायों को शुरू करें और लगातार 3 महीने तक करने से फायदा मिलेगा और सारी तकलीफें दूर होंगी।

हनुमान जी की आराधना

नवरात्र में मां दुर्गा के साथ-साथ हनुमान जी और भगवान शंकर की पूजा करने से भी राहु और केतु परेशान नहीं करते। अगर नवरात्र में आप हर दिन शिव सहस्त्रनाम और हनुमान सहस्त्रनाम का पाठ करते हैं तो कुंडली में राहु-केतु के नकारात्मक प्रभाव खत्म हो जाते हैं।

घर लाएं ये चीजें

अगर आप राहु दोष से मुक्ति चाहते हैं तो नवरात्रि में चांदी का एक ठोस हाथी खरीद लाएं। इसको आप पूजाघर या घर की तिजोरी में भी रख सकते हैं। ऐसा करने और उसके हर दिन दर्शन से कुंडली में राहु के बुरे प्रभाव कम होने लगते हैं और आपको करियर में उन्नति मिलती है।

दुर्गा सप्तशती का पाठ

दुर्गा सप्तशती का पाठ नवरात्र के 9 दिनों में करने से राहु-केतु के बुरे असर कम हो जाते हैं। दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से न सिर्फ मां प्रसन्न होती हैं बल्कि भक्तों को इन दो पापी ग्रहों की बुरी नजर से भी बचाती हैं।

शादी में खूबसूरत दिखने के लिए अपनाएं ये स्किन केयर रूटीन...

...चेहरे पर आएगा गजब का निखार

शादी के दिन खूबसूरत दिखने की चाहत लगभग सभी लड़कियों की होती है। वहीं शादी में खूबसूरत दिखने के लिए लोग कई तरह के प्रयोग करते हैं। ऐसे में आप इन टिप्स को अपनाकर अपने लुक्स का खास ख्याल रख सकती हैं।

अपनी शादी में खूबसूरत दिखना हर लड़की का सपना होता है। वहीं अगर दुल्हन की बात करें तो दुल्हन के गेटअप में हर लड़की सबसे अलग ब्राइडल लगना चाहती है। वहीं शादी से कुछ दिन पहले से ही लड़कियां खूबसूरत दिखने के लिए ब्यूटी ट्रीटमेंट शुरूकर देती हैं। हर कोई अपनी-अपनी स्किन के हिसाब स्किन केयर रूटीन को फॉलो करती है। वहीं कुछ लड़कियां शादी के कुछ महीने पहले से ही ब्यूटी ट्रीटमेंट लेना शुरू कर देतीं हैं। वहीं कई बार खूबसूरत दिखने के चक्कर में हम अपनी स्किन पर कई ऐसे प्रोडक्ट यूज कर लेते हैं, जिससे स्किन को काफी नुकसान होता है। इसलिए शादी के पहले किसी नई चीज को अपने चेहरे पर ट्राई करने बचना चाहिए। शादी में नेचुरली ग्लोइंग दिखने के लिए हम आपको कुछ बेस्ट स्किन केयर रूटीन बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप शादी वाले दिन सबसे सुंदर और अलग नजर आएंगी।

फेशियल

हर लड़की को अपनी शादी से पहले फेशियल जरूर करवाना चाहिए। फेशियल करवाने से चेहरे की डेड स्किन हट जाती है। जिसके चलते आपके चेहरे पर ग्लो आता है। ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है तो आप भी शादी के 1-2 महीने पहले 2-3 बार फेशियल करवा सकती हैं। इस दौरान आपको यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि आपका स्किन टाइप क्या है। जिससे फेशियल के दौरान आपको कोई स्किन से रिलेटेड दिक्कत न होने पाए।

हेयर स्पा

शादी में खूबसूरत और सबसे अलग दिखने के लिए आपके बालों का भी हेल्दी दिखना जरूरी है। इसलिए बालों को खूबसूरल और शाइनी बनाने के लिए हेयर स्पा आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है। हेयर स्पा की मदद से आपके बाद हेल्दी और शाइनी हो जाएंगे। जिससे शादी के कार्यक्रमों में आपके हेयर स्टाइलिश को आपके बालों का स्टाइल बनाने में मदद होगी। बता दें कि शादी के 4-5 दिन या एक हफ्ते पहले आप हेयर स्पा करवा सकती हैं।

बॉडी पॉलिश

शादी में न सिर्फ दुल्हन का चेहरा बल्कि आपका पूरा शरीर सोने की तरह चमकना चाहिए। ऐसे में आप बॉडी पॉलिश का सहारा ले सकती है। ब्राइडल को अपनी स्किन चमकदार बनाने के लिए किसी अच्छे पार्लर से बॉडी पालिश करवाना चाहिए। इससे आपकी सुंदरता में चार चांद लगेंगे। साथ ही बॉडी पॉलिश से आपकी स्किन भी हाइड्रेट हो जाएगी। इसकी मदद से आप अपनी शादी में खूबसूरत दिखेंगी।

मैनीक्योर-पेडीक्योर

मैनीक्योर-पेडीक्योर भी एक तरह का ब्यूटी ट्रीटमेंट है। इसके जरिए आप अपने नाखूनों में नई जान डाल सकते हैं। शादी से पहले हाथों-पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप किसी अच्छे से पार्लर से मैनीक्योर-पेडीक्योर करवा सकती हैं। हालांकि मेंहदी की रस्म से पहले दुल्हन को मैनीक्योर-पेडीक्योर करवाना चाहिए। जिससे की बाद में आपकी मेंहदी का रंग खराब ना हो।

स्क्रब

शादी से पहले ही बॉडी को चमकदार बनाने के लिए आप बॉडी स्क्रब का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको पार्लर भी जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बता दें कि अपनी स्किन टाइप का अच्छा सा बॉडी स्क्रब खरीदकर आप अपने शरीर को घर पर ही एक्सफोलिएट कर सकती हैं। बता दें कि शादी से करीब 1 महीने पहले से हर हफ्ते अपनी बॉडी को स्क्रब कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन चमकदान बनेगी। वहीं आप बॉडी स्क्रब के लिए घरेलू नुस्खे का भी ट्राई कर सकती हैं।

लियोनल मेसी बने 2022 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी...

मेसी ने साल 2022 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के लिए एम्बाप्पे और करीम बेंजेमा को पीछे छोड़ा है। एम्बाप्पे ने फीफा विश्व तप में गोल्डन बूट जीता था, जबकि बेंजेमा ने बैलेड डी ओर अपने नाम किया था।

अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में विश्व चैंपियन बनाने वाले लियोनल मेसी ने एक और बड़ा खिताब अपने नाम किया है। सोमवार को उन्हें साल 2022 का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी चुना गया। वहीं, महिलाओं में स्पेन की एलेक्सिया पुटेलस को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मेसी ने अपने क्लब पीएसजी के साथी किलियन एम्बाप्पे और करीम बेंजेमा को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार अपने नाम किया है। एम्बाप्पे 2022 फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी थे और उन्होंने गोल्डन बूट भी जीता था। फ्रांस की टीम को फाइनल तक पहुंचाने और फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट तक मैच में बनाए रखने में उनका बड़ा योगदान था। वहीं, कीरीम बेंजेमा ने बैलेन डी ओर अपने नाम किया था और वह भी इस अवॉर्ड को जीतने की रेस में थे, लेकिन मेसी ने दोनों को पीछे छोड़ा है। फीफा विश्व कप 2022 में गोल्डन बॉल भी मेसी के नाम हुई थी।

मेसी ने दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया है। 2016 में फीफा ने बैलेन डी ओर अवॉर्ड के आयोजकों से अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद से हर साल बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को यह अवॉर्ड दिया जाता है।

इस पुरस्कार के लिए राष्ट्रीय टीम के कोच और कप्तान, पत्रकार और प्रशंसक वोट देते हैं। मेसी ने 2022 फीफा विश्व कप में शानदार खेल दिखाया और अपनी टीम को चैंपियन बनाने में सबसे ज्यादा योगदान दिया। फाइनल मुकाबले में भी उन्होंने दो गोल दागे थे।

35 वर्षीय मेसी सात बार बैलन डी ओर खिताब जीत चुके हैं। मेसी ने पिछले साल यह सम्मान जीतने वाले रॉबर्ट लेवांडोव्स्की की जगह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। वहीं, महिलाओं में पुटेलस ने लगातार दूसरी बार इस खिताब पर कब्जा जमाया है, जबकि पिछले साल आखिरी के कुछ महीने वह चोट के चलते नहीं खेली थीं। वह लगातार दो बार बैलेन डी ओर भी जीत चुकी हैं। 29 साल की इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड की यूरोपीय चैम्पियनशिप विजेता स्ट्राइकर बेथ मीड और अमेरिका की स्टार एलेक्स मॉर्गन को पीछे छोड़ते हुए साल 2022 की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब जीता है।

पुटेलस वर्तमान में पिछले जुलाई में लगी घुटने की गंभीर चोट से उबर रही हैं। इस चोट की वजह से वह इंग्लैंड में स्पेन के खिलाफ यूरो कप मैच नहीं खेल पाई थीं। इससे पहले उन्होंने चैंपियंस लीग में बार्सिलोना की ओर से 11 गोल किए थे। हालांकि, फाइनल में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

एथलीट ऐश्वर्या पर लगा चार साल का प्रतिबंध...

ट्रिपल जंप में बनाया था नेशनल रिकॉर्ड

ऐश्वर्या ने नाडा सुनवाई पैनल के समक्ष दलील दी कि उनके कंधे में दर्द था। इंटर एथलेटिक चैंपियनशिप के दौरान उनके साथी जगदीश ने उन्हें यह दवा उन्हें दी और कहा इससे दर्द ठीक हो जाएगा।

बीते वर्ष जून में इंटर एथलेटिक चैंपियनशिप के दौरान 14.14 मीटर की दूरी कूदकर ट्रिपल जंप का राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाने वाला बी ऐश्वर्या पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। ऐश्वर्या इस चैंपियनशिप में प्रतिबंधित शक्तिवर्धक दवा ऑस्टेरिन के लिए डोप में पकड़ी गई थीं। इसके बाद उन्हें बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से हटा दिया गया था।

ऐश्वर्या ने नाडा सुनवाई पैनल के समक्ष दलील दी कि उनके कंधे में दर्द था। उक्त चैंपियनशिप के दौरान उनके साथी जगदीश ने उन्हें यह दवा उन्हें दी और कहा इससे दर्द ठीक हो जाएगा।

नाडा ने कहा कि ऐश्वर्या को डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए थी। पैनल ने उनकी दलील नकारते हुए उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया। इसके खिलाफ वह 16 मार्च तक अपील कर सकती हैं।

शादी के सालभर बाद पिता बने एक्टर मोहित रैना

मोहित को देवों के देव महादेव में भगवान शिव के किरदार के लिए और विक्की कौशल अभिनीत उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है। शुक्रवार को अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि वह एक बच्ची के पिता बन गए हैं।

कुछ समय पहले खबरें आयी थी कि मशहूर टीवी शो महादेव से मशहूर हुए मोहित रैना और उनकी पत्नी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा हैं। यह अफवाह इस लिए उड़ी थी क्योंकि मोहित रैना ने अपनी शादी की तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया से हटा दिया था। इसके बाद मोहित रैना ने अफवाहों का खंड़न किया। अब खबरें आयी है कि मोहित रैना पिता बन गये हैं। उनकी पत्नी ने एक बैबी गर्ल को जन्म दिया है। मोहित रैना और पत्नी अदिति ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। अभिनेता

ने अपनी बच्ची की पहली तस्वीर साझा की। मोहित को देवों के देव महादेव में भगवान शिव के किरदार के लिए और विक्की कौशल अभिनीत उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है। शुक्रवार को अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि वह एक बच्ची के पिता बन गए हैं।

तस्वीर में दिखाया गया है कि मोहित अपने नन्हे-मुन्ने हाथों को पकड़े हुए है। अभिनेता ने तस्वीर के साथ एक प्यारा सा संदेश लिखाः 'और फिर ऐसे ही हम 3 बन गए। दुनिया में बेबी गर्ल का स्वागत है।' अभिनेता ने जैसे ही इंस्टाग्राम पर फोटो साझा की, उनके पास बधाई और मीठे संदेशों की बाढ़ आ गई। अभिनेता अमित टंडन ने उनके पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी, "बधाई हो भाई। लड़कियां हमेशा एक आशीर्वाद होती हैं।

ग्लैमरस साड़ी पहनकर NMACC के लॉन्च इवेंट में पहुंचीं...

दिशा पाटनी

दिशा ने इवेंट के लिए एक बड़ी ही सेक्सी शिमरी साड़ी का चुनाव किया था। इस शिमरी साड़ी के साथ अभिनेत्री ने स्ट्रेपलेस ब्लाउज पहना था, जो बहुत ही ज्यादा ग्लैमरस था। सिंपल मेकअप और खुले बालों के साथ उन्होंने अपने लुक को कम्पलीट किया था, जिसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही थी।

बी-टाउन की सबसे सेक्सी अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी का नाम सोशल मीडिया पर जमकर ट्रेंड कर रहा है। इसके पीछे की वजह अभिनेत्री का लेटेस्ट और अब तक का सबसे हॉट लुक है। दिशा ने 1 अप्रैल को नीता अंबानी के 'नीता मुकेश अंबानी कल्चर सेंटर' के लॉन्च इवेंट शिरकत की थी। इस दौरान अभिनेत्री एक बड़ी ही सेक्सी साड़ी पहने नजर आईं। इस ऑउटफिट में दिशा काफी ग्लैमरस लग रही थी। अभिनेत्री के इस हॉट अवतार को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स के दिलों में आग लग गयी हैं। दिशा की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर छाई हुई हैं और जमकर वायरल हो रही हैं।

दिशा पाटनी ने रविवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर NMACC' इवेंट की कुछ वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री अब तक के सबसे हॉट अवतार में लोगों पर कहर ढाती नजर आ रही हैं। दिशा ने इवेंट के लिए एक बड़ी ही सेक्सी शिमरी साड़ी का चुनाव किया था। इस शिमरी साड़ी के साथ अभिनेत्री ने स्ट्रेपलेस ब्लाउज पहना था, जो बहुत ही ज्यादा ग्लैमरस था। सिंपल मेकअप और खुले बालों के साथ

उन्होंने अपने लुक को कम्पलीट किया था, जिसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही थी।

दिशा पाटनी के इस हॉट अवतार पर सोशल मीडिया यूजर्स फिदा हो गया हैं। बहुत से लोगों की तो दिलों की धड़कने बढ़ गई हैं। यूजर्स अभिनेत्री के हॉट लुक की तारीफ़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपकी हॉटनेस दिन ब दिन बढ़ती जा रही है, क्या राज है इसका?' एक अन्य ने कमेंट किया, 'कुदरत का करिश्मा हो तुम।' इसके अलावा यूजर्स कमेंट सेक्शन में दिल और आग वाले इमोजी पोस्ट कर रहे हैं।

किसी को 50 तो किसी को 70 की उम्र में मिला जीवनसाथी

जब उम्र के बंधन तोड़ एक-दूजे के हुए ये स्टार्स

बॉलीवुड के कुछ अभिनेता और अभिनेत्रियों ने उम्र की सीमा, समाज के नियमों की परवाह किए बिना हमेशा अपने दिल की सुनी। इस लिस्ट में कई ऐसे एक्टर्स और एक्ट्रेस शामिल हैं। जिन्होंने 70 साल की उम्र में शादी रचाई। आइए जानते हैं उन अभिनेताओं के बारे में।

कई बार सिनेमा जगत में कुछ ऐसा हो जाता है, जिससे लोग अक्सर हैरान हो जाते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे सेलिब्रिटी के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनकी चीजों ने लोगों को हैरान कर दिया। अगर कोई अभिनेता 30-40 साल की उम्र में शादी करता है तो वह सही माना जाता है। लेकिन अगर कोई अभिनेता 70 साल की उम्र में जीवनसाथी चुनकर उसके साथ शादी रचाए तो लोगों को हैरानी होना लाजमी है। आपको बता दें कि ऐसे कई सेलिब्रिटी हैं, जिन्होंने काफी उम्र में शादी की है। आइए जानते हैं कि किन एक्टर्स और एक्ट्रेस ने उम्र की सीमा को दरकिनार कर शादी रचाई है।

समीना अहमद

समीना अहमद पाकिस्तानी एक्ट्रेस हैं। समीना अहमद ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने उम्र की सीमा को दरकिनार कर और लोगों के नजरिए की परवाह किए बिना करीब 72 साल की उम्र में शादी रचाई है। हालांकि वह इससे पहले भी शादी कर चुकी थीं। लेकिन एक बार फिर 72 साल की उम्र में शादी कर उन्होंने लोगों को हैरान कर दिया था। इस दौरान उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था। लेकिन इनका प्यार इतना ज्यादा था कि उन्होंने अपने खूबसूरत रिश्ता बनाए रखा।

कबीर बेदी

कबीर बेदी ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। उन्होंने कई फिल्मों में बतौर विलेन के रोल में काम कर दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि कबीर बेदी ने साल 2016 में 70 साल की उम्र में प्रवीण दोसांज से शादी रचाई थी। प्रवीण दोसांज कबीर बेदी की चौथी पत्नी हैं। इससे पहले वह तीन शादियां कर चुके थे। चौथी शादी की खबर सुनकर ट्रोलर्स ने इनको जमकर ट्रोल किया था।

सुहासिनी मूले

कहते हैं कि प्यार की कोई सीमा नहीं होती है, प्यार में कोई बंधन नहीं होता है। इसको कहावत को हकीकत में बदलने वाली एक्ट्रेस सुहासिनी मूले को 60 साल की उम्र में प्यार हुआ। सुहासिनी को न सिर्फ इस उम्र में प्यार हुआ बल्कि उन्होंने इस उम्र में शादी कर लोगों के बीच एक मिशाल पेश की। एक्ट्रेस की लव स्टोरी ने तब खूब सुर्खियां बटोरी थीं। सुहासिनी की अपने पति अतुल गुर्टू से फेसबुक पर मुलाकात हुई थी। जिसके बाद दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा और उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी रचा ली।

नीना गुप्ता

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस नीना गुप्ता किसी पहचान की मोहताज नहीं है। अपने अभिनय से लोगों के दिलों पर राज करने वाली नीना गुप्ता की जिंदगी के बारे में हमेशा दर्शकों ने इंट्रेस्ट दिखाया है। नीना गुप्ता हमेशा से स्ट्रांग ओपिनियन के लिए जानी जाती हैं। वह हमेशा अपने समय से 4 कदम आगे रहती हैं। नीना गुप्ता ने बिना शादी के बेटी मसाबा को जन्म दिया था। मसाबा क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स की बेटी हैं। नीना और विवियन के रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। नीना ने साल 2008 में 54 साल की उम्र में विवेक मेहरा से शादी की थी।

सुहाना के अंदाज

दीवाने हुए फैंस, कहा- किंग की लाडली देती है दीपिका पादुकोण को टक्कर

शाहरुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान एक स्टार बन रही हैं और हम उनके बड़े बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहें हैं। सुहाना जल्द ही द आर्चीज में नजर आएंगी। अपने अभिनय की शुरुआत से पहले ही, स्टार किड की बड़ी मात्रा में फैन फॉलोइंग हैं। शा हरुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान एक स्टार बन रही हैं और हम उनके बड़े बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहें हैं। सुहाना जल्द ही द आर्चीज में नजर आएंगी। अपने अभिनय की शुरुआत से पहले ही, स्टार किड की बड़ी मात्रा में फैन फॉलोइंग हैं। उन्हें देखकर प्रशंसक उनके साथ सेल्फी क्लिक करने के लिए आते हैं। जैसे ही सुहाना ने 20 मार्च को मुंबई हवाई अड्डे के लिए अपना रास्ता बनाया, उनके कुछ प्रशंसकों ने उन्हें फिर से सेल्फी लेने के लिए घेर लिया, और उन्होंने धैर्य से काम लिया। एक पैप द्वारा शेयर किए गए वीडियो के कमेंट सेक्शन में कुछ प्रशंसकों ने तो उनकी तुलना दीपिका पादुकोण से भी कर दी! 20 मार्च को सुहाना खान को मुंबई एयरपोर्ट पर फैंस के साथ फोटो खिंचवाते हुए देखा गया। इस ट्रिप के लिए वो खुद ही ट्रैवल करती नजर आईं। सुहाना डार्क ग्रे टी-शर्ट, लाइट ग्रे कार्गो पैंट और व्हाइट स्नीकर्स के साथ कैजुअल वियर में स्टनिंग लग रही थीं। उन्होंने ब्लैक चैनल बैग भी कैरी किया था और ब्लैक सनग्लासेज पहने थे।

सुहाना खान के लुक की तारीफ करने के लिए कई प्रशंसकों ने टिप्पणी अनुभाग में ले लिया। एक ने यह भी टिप्पणी की, 'वह दीपिका पादुकोण की तरह दिखने लगी। बहुत सुंदर।'

बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगी एक्ट्रेस

सोनाक्षी सिन्हा के हाथ लगी बड़ी फिल्म...

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का इंतजार लोगों को लंबे समय से है। हाल ही में फिल्म के सेट से एक तस्वीर सामने आई थी, जिसे देखकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए थे। अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

दरअसल, फिल्म में अब सोनाक्षी सिन्हा की एंट्री हो चुकी है। इससे पहले भी वह अक्षय के साथ कई फिल्मों में स्क्रीन स्पेस शेयर कर चुकी हैं। हालांकि, टाइगर के साथ यह उनकी पहली फिल्म है। साथ ही, यह पहला मौका है जब टाइगर के साथ खिलाड़ी कुमार जबर्दस्त एक्शन करते नजर आएंगे। अभी कुछ समय पहले ही फिल्म का एक बड़ा शेड्यूल पूरा हुआ है। वहीं, अब इसके दूसरे शेड्यूल की शूटिंग विदेशी लोकेशंस पर तेजी से की जा रही है। बता दें कि इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन भी निगेटिव रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्माण जैकी भगनानी और वाशु भगनानी अपने बैनर पूजा एंटरटेनमेंट के तहत कर रहे हैं।

अक्षय के साथ किया काम

इससे पहले सोनाक्षी ने अक्षय के साथ राउडी राठौर, जोकर, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा और हॉलिडेः ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी जैसी कई फिल्मों में काम किया है। पिछले साल अक्टूबर में जाह्नवी कपूर के भी इस फिल्म में शामिल होने की खबरें आई थीं। हालांकि, अभी तक इस पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ओटीटी पर भी दिखाएंगी जलवा

बता दें कि सोनाक्षी जल्द ही संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आने वाली हैं। हाल ही में इस शो का पोस्टर सामने आया था, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं। इसके अलावा वह एक्सेल एंटरटेनमेंट की वेब सीरीज दहाड़ में भी जल्द दिखने वाली हैं।

शाहरुख की सुरक्षा में सेंध!

मन्नत में दाखिल हुए दो अजनबी शख्स, जांच में जुटी पुलिस

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को लेकर एक चिंताजनक खबर आ रही है। एक्टर की सुरक्षा में एक बड़ी चूक हुई है। किंग खान के मुंबई के बांद्रा में बने घर मन्नत में दो अजनबी शख्स दाखिल हो गए। यह मामला गुरुवार रात करीब साढ़े नौ बजे का है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सूरत निवासी दो शख्स सुरक्षा गार्ड्स को चकमा देकर दीवार फांदकर घर के अंदर घुस गए। ये दोनों शख्स शाहरुख के घर की तीसरी मंजिल तक पहुंच गए। सुरक्षा कर्मियों की नजर उन पर पड़ने के बाद उन्हें पकड़कर मुंबई पुलिस के हवाले किया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पकड़े गए दोनों युवकों की उम्र 21 से 25 साल के बीच है। बांद्रा पुलिस स्टेशन में इस मामले में केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने बताया कि बंगले में बिना इजाजत के प्रवेश करने समेत भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के तहत इस मामले में आगे की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि जिस समय ये दोनों युवक शाहरुख के घर में दाखिल हुए, उस समय एक्टर घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि दोनों शख्स गुजरात के रहने वाले हैं और शाहरुख

खान के फैन हैं। वे शाहरुख से मिलने के लिए गुजरात से मुंबई आए थे।

दूसरी, तरफ शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान कानूनी पचड़े में फंसी हैं। गौरी के खिलाफ कल लखनऊ में एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई के रहने वाले किरीट जसवंत शाह ने पुलिस से शिकायत में कहा है कि उन्होंने लखनऊ में तुलसियानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स लिमिटेड का करोड़ों की कीमत का एक फ्लैट खरीदा था।

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 अनिरुदवन जी धूमेस्वर धाम एवं संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान

विशेष चर्चा : जॉइन्ट डायरेक्टर एवं कार्यालय प्रमुख खनिज विभाग भोपाल

प्रदीप शर्मा : सी ई ओ ग्वालियर विकास प्राधिकरण, एवं साथ मैं शिवदयाल धाकड़ तहसीलदार डबरा और संपादक मनोज चतुर्वेदी, हमारा देश हमारा अभिमान

छतरपुर पुलिस अधीक्षक बनने पर अमित सांघी जी विशेष चर्चा